जबलपुर, नई दिल्ली एवं पटना से एक साथ प्रकाशित

www.pratahkiranlive.com

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

■ वर्ष -01 ■ अंक - 257 ■ जबलपुर, बुधवार, 15 अप्रैल 2026 ■ विक्रम संवत् 2083 ■ पेज - 12 ■ मूल्य रू 04.00

सुविचार

'व्यक्ति अपने विचारों से निर्मित प्राणी है, वह जो सोचता है वही बन जाता है.'

-महात्मा गांधी

10

देश में विकास की नई रफ्तार : अब दिल्ली-दून सफर सिर्फ 2.5 घंटे में होगा

पीएम नरेंद्र मोदी ने किया लोकार्पण

देहरादून. एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया, जिससे दोनों शहरों के बीच यात्रा समय घटकर करीब ढाई घंटे रह जाएगा। इस परियोजना के पूरा होने से दूरी 250 किमी से घटकर 213 किमी हो गई है। पीएम ने 12 किमी लंबे रोड शो के दौरान उमड़ी भारी भीड़ के कारण कार्यक्रम में देरी पर माफी मांगी। उन्होंने कहा कि जनता के प्रेम के चलते काफिला धीमा हो गया।

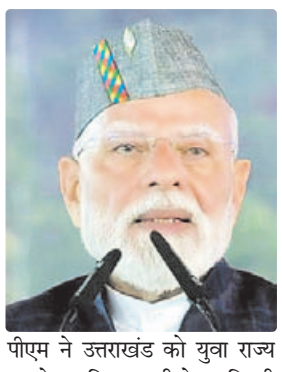

पीएम ने उत्तराखंड को युवा राज्य बताते हुए विकास की तेज गति की सराहना की और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की प्रशंसा की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि यह एक्सप्रेसवे विकास और पर्यावरण संतुलन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने चारधाम यात्रा, केदारनाथ रोपवे और कैलाश मानसरोवर मार्ग जैसी परियोजनाओं का भी जिक्र किया। कार्यक्रम से पहले पीएम मोदी जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे और डाटकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस एक्सप्रेसवे से पर्यटन, व्यापार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

एक्सप्रेसवे

- यात्रा समय घटकर 2.5 घंटे हुआ।
- दूरी 250 किमी से घटकर 213 किमी।
- 12 हजार करोड़ की परियोजना।
- पीएम मोदी का 12 किमी लंबा रोड शो।

पीएम मोदी का संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से विकसित हो रहा है और यह एक्सप्रेसवे 'विकास की भाग्य रेखा' है। उन्होंने देरी के लिए जनता से माफी मांगते हुए कहा कि लोगों का स्नेह ही उनकी ताकत है। पीएम ने उत्तराखंड को आने वाले दशक में विकास का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें, कनेक्टिविटी और आधुनिक परियोजनाएं देश की आर्थिक प्रगति को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

एक्सप्रेसवे की खासियत

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे अत्याधुनिक तकनीक से तैयार किया गया है, जिसकी कुल लागत लगभग 12 हजार करोड़ है। यह एक्सप्रेसवे यात्रा को 6 घंटे से घटाकर ढाई घंटे कर देता है। मार्ग में एलिवेटेड सेक्शन, टनल और ग्रीन कॉरिडोर शामिल हैं। वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए विशेष अंडरपास और ओवरपास बनाए गए हैं। यह परियोजना न केवल यातायात को सुगम बनाएगी, बल्कि प्रदूषण कम करने में भी मदद करेगी।

गडकरी का विजन

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि यह प्रोजेक्ट विकास और पर्यावरण संरक्षण का संतुलित उदाहरण है। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे पर्यावरण को न्यूनतम नुकसान हो। गडकरी ने केदारनाथ रोपवे, चारधाम सड़क परियोजना और कैलाश मानसरोवर मार्ग जैसी योजनाओं का भी जिक्र किया। उनका कहना है कि आने वाले वर्षों में भारत का सड़क नेटवर्क विश्वस्तरीय होगा।

संक्षिप्त समाचार

धुरंधर 3000 करोड़ पार, पहली भारतीय फ्रेंचाइजी ने रचा इतिहास

मुंबई। धुरंधर फ्रेंचाइजी वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रचते हुए 3000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। धुरंधर-2 की शानदार कमाई के दम

पर यह उपलब्धि हासिल हुई। रणवीर सिंह स्टारर पहली फिल्म ने करीब 1300 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था, जबकि इसके सीक्वल ने 1700 करोड़ से ज्यादा कमाई कर फ्रेंचाइजी को नई ऊंचाई दी। दोनों फिल्मों का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 3019 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसके साथ ही 'धुरंधर' 3000 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली पहली भारतीय फिल्म फ्रेंचाइजी बन गई है, जिसने ग्लोबल स्तर पर भारतीय सिनेमा की ताकत को फिर साबित किया है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक में भिड़ंत, 4 लोगों की मौत

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। राजगढ़ थाना क्षेत्र के पिनान के पास एक

तेज रफ्तार ट्रेवल बस आगे चल रहे केमिकल से भरे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इमें बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बस चालक, एक महिला और एक मासूम सहित चार लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 30 यात्री घायल हो गए। सभी घायल इंदौर से दिल्ली जा रहे थे और घटना के समय अधिकतर यात्री सो रहे थे। सूचना मिलते ही एनएचएआई की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

फिल्फ अभिनेता मिलिंद, क्रिकेटर नितीश राणा पहुंचे महाकाल

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध महाकाल मंदिर में मंगलवार तड़के भस्म आरती के दौरान अभिनेता मिलिंद सोमन और क्रिकेटर नितीश राणा ने भगवान

महाकाल के दर्शन किए। दोनों अपनी पत्नियों के साथ रात करीब 2 बजे मंदिर पहुंचे और नंदी हॉल में बैठकर आरती में शामिल हुए। भस्म आरती के दौरान उन्होंने भगवान महाकाल का जाप किया और नंदी जी के कान में मनोकामना भी कही। आरती के बाद जल अर्पित कर आशीर्वाद लिया। मंदिर समिति ने दोनों का सम्मान किया। मिलिंद सोमन ने कहा कि लंबे समय से दर्शन की इच्छा थी, जो अब बाबा के बुलावे से पूरी हुई।

राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का किया दावा, आज लेंगे शपथ

बिहार के 'सम्राट' बने चौधरी

बिहार. प्रातः किरण संवाददाता

नीतीश कुमार ने मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला। इसके तुरंत बाद सम्राट चौधरी को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया और उन्होंने राजभवन पहुंचकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। 15 अप्रैल को लोकभवन में उनका शपथग्रहण समारोह आयोजित होगा। इसके साथ ही बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बनने जा रहा है।

विधानसभा के सेंट्रल हॉल में हुई बैठक में नीतीश कुमार ने स्वयं सम्राट के नाम का प्रस्ताव रखा और उन्हें माला पहनाकर समर्थन जताया। सम्राट चौधरी ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया और कहा कि उन्होंने राजनीति नीतीश कुमार से सीखी है और उनके 'समृद्ध बिहार' के सपने को आगे बढ़ाएंगे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद थे। इधर, अखिलेश यादव और गिरिराज सिंह सहित कई नेताओं ने प्रतिक्रिया दी। जहां एक ओर नीतीश के योगदान को सराहा गया, वहीं भाजपा नेताओं ने उनके मार्गदर्शन में आगे बढ़ने की बात कही।

नीतीश ने दिया इस्तीफा

नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देते हुए कहा कि अब नई सरकार राज्य का काम संभालेगी और उन्हें पूरा सहयोग मिलेगा। उन्होंने बताया कि 2005 से अब तक उन्होंने बिहार के विकास के लिए पूरी कोशिश की। इस्तीफे से पहले कैबिनेट की आखिरी बैठक में उन्होंने कहा कि नई सरकार को उनका मार्गदर्शन मिलता रहेगा। राजभवन जाते समय उनके साथ सम्राट चौधरी और विजय चौधरी मौजूद थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी संदेश देते हुए लिखा कि बिहार आगे बढ़ेगा और विकास की रफ्तार जारी रहेगी। उनके इस कदम को एक बड़े राजनीतिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जिससे राज्य की राजनीति में नई दिशा तय होगी।

सम्राट चौधरी का बयान

सम्राट चौधरी ने विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद कहा कि वह करीब 30 साल से राजनीति में सक्रिय हैं और भाजपा ने उन्हें काम करने का बड़ा अवसर दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विचारधारा से प्रेरित होकर पार्टी से जुड़ने की बात कही। सम्राट ने कहा कि वह बिहार को समृद्ध बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे और नीतीश कुमार के अनुभव का लाभ लेते रहेंगे। उन्होंने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए भरोसा दिलाया कि भाजपा की 'देश पहले' की सोच को आगे बढ़ाया जाएगा। उनका कहना है कि बिहार को विकास के नए मुकाम तक पहुंचाना ही उनकी प्राथमिकता होगी।

सम्राट का इतिहास

1. सम्राट चौधरी का जन्म 16 नवंबर 1968 को हुआ था और उनके पिता शकुनी चौधरी कई बार विधायक, सांसद, मंत्री रहे हैं।
2. सम्राट ने 1990 में राजनीति शुरू की, राजद और समता पार्टी से जुड़े रहे।
3. 1999 में राबड़ी देवी सरकार में मंत्री बने, उम्र विवाद के चलते इस्तीफा दिया।
4. 2000 में परबत्ता सीट से चुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने।
5. 2004 उपचुनाव में जदयू के उम्मीदवार से हारे और 2005 में दो विधानसभा चुनाव में हार मिली।
6. 2010 में राजद टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बने, विधानसभा में मुख्य सचेतक की जिम्मेदारी संभाली।
7. 2014 में जदयू में शामिल होकर जीतन राम मांझी सरकार में मंत्री बने।
8. 2016 में विधान परिषद सदस्यता रद्द हुई। फिर 2017 में भाजपा में शामिल हुए, 2018 में प्रदेश उपाध्यक्ष बनकर संगठन में मजबूत भूमिका निभाई।
9. 2020 में एमएलसी बने, 2021 में एनडीए सरकार में पंचायती राज मंत्री बने और 2022 में नेता प्रतिपक्ष और 2023 में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बने।
10. 2024 में नीतीश कुमार के साथ एनडीए में आकर उपमुख्यमंत्री और वित्त, स्वास्थ्य विभाग संभाले।
11. 2025 चुनाव जीतकर नेता बने, कुशवाहा समाज के प्रभावशाली नेता के रूप में भाजपा के लिए अहम भूमिका निभाई।

अमेरिका का होर्मुज पर नाकाबंदी से बढ़ा तनाव

ईरान ने जहाजों पर दागी मिसाइलें

वॉशिंगटन, तेल अवीव, तेहरान. एजेंसी

ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी को लेकर तनाव बढ़ गया है। मुंबई स्थित ईरानी कॉन्सुलेट ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में ईरान होर्मुज में मौजूद जहाजों पर मिसाइल दाग रहा है और कैप्शन में लिखा है कि 'अभी तो सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है।' इसके साथ ईरान ने अपनी मिसाइल बोट्स की ताकत भी दिखाई।

दरअसल अमेरिका ने कल होर्मुज स्ट्रेट में उन जहाजों की नाकाबंदी शुरू कर दी है जो ईरान को टोल दे रहे हैं। वहीं, ईरान का कहना है कि वो बिना टोल लिए जहाजों को यहां से गुजरने नहीं देगा। वहीं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को लेकर कहा कि दुनिया को 'जंगल के कानून' (ताकतवर जो चाहे वो करे) वाले हालत में नहीं जाने देना चाहिए। नियम सब पर बराबर लागू होने चाहिए, न कि अपनी सुविधा के हिसाब से।

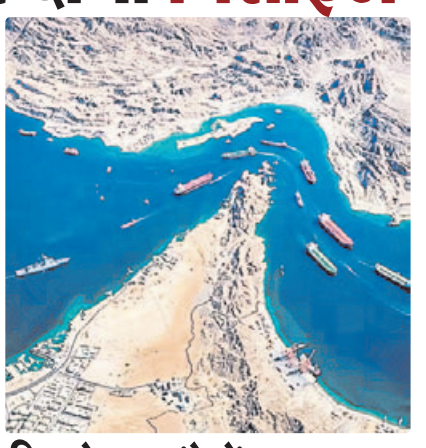

पिछले 24 घंटे में क्या हुआ...

अमेरिका ने 15 युद्धपोत तैनात किए : अमेरिका ने नाकाबंदी लागू करने के लिए 15 से ज्यादा युद्धपोत तैनात किए, जिनमें स्स अब्राहम लिंकन और कई डिस्ट्रॉयर शामिल बताए गए हैं।

ईरान को 270 अरबों डॉलर का नुकसान : ईरान का दावा है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों से उसे करीब 270 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

सीजफायर को लेकर फिर वार्ता संभव : अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर फिर बैठक हो सकती है, इस्लामाबाद और जेनेवा संभावित जगह मानी जा रही हैं।

ईरान को बोला- अमेरिका पर नहीं भरोसा : ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह बातचीत के बजाय अपनी शर्तें थोपना चाहता है और शुरुआत से ही भरोसे के लायक नहीं रहा है।

चीन का 4 सूत्री प्रस्ताव : चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में शांति के लिए चार सूत्रीय प्रस्ताव देते हुए सभी देशों की संप्रभुता और सुरक्षा का सम्मान जरूरी बताया।

झाबुआ में मानवता शर्मसार

महिला से मारपीट, पति को कंधे पर बैठाकर घुमाने की दी सजा

भोपाल/झाबुआ. प्रातः किरण संवाददाता

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के काकनवानी थाना क्षेत्र से एक बेहद शर्मनाक और क्रूर घटना सामने आई है, जहां एक महिला को कथित आरोपों के चलते अमानवीय सजा दी गई। जानकारी के अनुसार, गांव के कुछ लोगों ने महिला पर किसी अन्य व्यक्ति के साथ भागने का आरोप लगाया। इसके बाद उसे सार्वजनिक रूप से बुलाकर अपने ही पति को कंधे पर बैठाकर पूरे गांव में घुमाने के लिए मजबूर किया गया।

वायरल वीडियो में देखा गया कि महिला के इंकार करने पर उसके साथ डंडों से मारपीट की गई। घटना तीन दिन पुरानी बताई जा रही है, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद पुलिस

हरकत में आई। इस मामले में आठ लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब है कि झाबुआ में इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं, जिससे कानून-व्यवस्था और सामाजिक सोच पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सीएम डॉ. यादव ने बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि

इंदौर। संविधान निर्माता डॉ.बी.आर. अंबेडकर की जयंती पर मप्र के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मंगलवार डॉ. अंबेडकर नगर (महू) स्थित उनकी जन्मस्थली पर बने भव्य स्मारक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। डॉ. मोहन यादव ने स्मारक परिसर का अवलोकन किया और यहां स्थापित बाबा साहेब के अस्थि कलश के दर्शन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

राज्यसभा में उपसभापति का चुनाव 17 अप्रैल को

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति पद के लिए 17 अप्रैल को चुनाव होगा और एनडीए द्वारा हरिवंश को इस महत्वपूर्ण पद पर फिर से निर्वाचित कराने का प्रयास किए जाने की संभावना है। बता दें कि हरिवंश का कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त होने के बाद राज्यसभा के उपसभापति का पद रिक्त हो गया था। इसके बाद, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हरिवंश को उच्च सदन के लिए मनोनीत किया गया और उन्होंने 10 अप्रैल को शपथ ली। केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने हरिवंश को उपसभापति के रूप में फिर से चुने जाने के बारे में विभिन्न दलों के नेताओं से चर्चा की है।

विरोध प्रदर्शन | निजी कर्मचारियों ने वेतन बढ़ाने के लिए नोएडा में दूसरे दिन फिर किया बवाल

गौतमबुद्ध नगर में पत्थरबाजी, पुलिस ने भांजी लाठी

लखनऊ. प्रातः किरण संवाददाता

यूपी के गौतमबुद्धनगर जिले में वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर कल हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद नोएडा के फेज 2 में प्रदर्शनकारी मंगलवार को फिर से जमा हुए और पत्थरबाजी की है। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को मौके से हटाया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, फेज 2 के सेक्टर 80 इलाके में सुबह 9 बजे पथराव किया गया था। यहां पथराव करने वालों पर लाठीचार्ज किया गया, तब भीड़ हटी। बताया जा रहा है कि गुरु

अमरदास इंटरनेशनल कंपनी में यह पथराव हुआ था।

नोएडा फेज 2 में अराजकता का माहौल है। लोग चोरी छिपे अराजकता फैला रहे हैं। वहीं, सब-इंस्पेक्टर माता प्रसाद गुप्ता ने बताया कि कुछ शरारती तत्वों ने पत्थर फेंके हैं। जो लोग घरों की साफ-सफाई का काम करते हैं, वे अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे थे। हमने उनसे बात की तो उन्होंने पुलिस पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। जिसकी वजह से मुझे भी चोटें आई। कुछ लोगों को पकड़ लिया गया है और उनसे आगे पूछताछ की जाएगी। गौतम बुद्ध नगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह कहती हैं कि हमें यह समझना होगा कि एक संगठित समूह है जो श्रमिकों को उकसा रहा है और सुनियोजित तरीके से इस मामले को आगे बढ़ा रहा है।

नोएडा बवाल संगठित साजिश, एसटीएफ करेगी जांच : डीजीपी

नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन के दौरान हुए बवाल को यूपी के डीजीपी राजीव कृष्ण ने सुनियोजित साजिश बताया है।

उन्होंने कहा कि हालात बिगाड़ने में संगठित तत्वों की भूमिका के संकेत मिले हैं, जिसकी जांच अब एसटीएफ करेगी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने के मामले में दो एक्स हैंडल्स पर एफआईआर दर्ज हुई है, जबकि 50 से अधिक बॉट अकाउंट चिह्नित किए गए हैं। डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रमिकों से संवाद बनाए रखें और बल प्रयोग से बचें। सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल, पीएसी और पैरामिलिट्री तैनात की गई है, साथ ही रूट डायवर्जन लागू हैं।

लोकसभा में अब होंगे 850 सांसद, केंद्र सरकार ने तैयार किया ड्राफ्ट

नई दिल्ली. प्रातः किरण संवाददाता

केंद्र सरकार ने लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस ड्राफ्ट बिल के जरिए लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण कानून को लागू करने और नए सिरे से परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता खुल सकता है। प्रस्ताव के अनुसार 815 सीटें राज्यों और 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों को दी जाएंगी।

सूत्रों के मुताबिक, यह बदलाव 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू हो सकता है। सरकार संसद के विशेष सत्र में इस पर संवैधानिक संशोधन लाने की तैयारी में है। परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर

किए जाने की बात सामने आई है। वहीं विपक्ष, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे समेत कई नेता शामिल हैं, 2021 की जनगणना के आधार पर परिसीमन की मांग कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने भी प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए पारदर्शिता की मांग की है।

क्या है पूरा प्रस्ताव

केंद्र सरकार के प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा सीटों का विस्तार कर कुल संख्या 850 की जाएगी। इसमें 815 सीटें राज्यों और 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए निर्धारित होंगी। इस बदलाव का उद्देश्य महिला आरक्षण कानून को लागू करना और निर्वाचन क्षेत्रों का नया परिसीमन करना है। सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना चाहती है, जबकि विपक्ष 2021 की जनगणना को आधार बनाने की मांग कर रहा है। यह प्रस्ताव 2029 के आम चुनाव से लागू हो सकता है, जिससे संसद में प्रतिनिधित्व का स्वरूप व्यापक रूप से बदल जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

डिफेंस सेक्टर पर कॉफी विथ एक्सपर्ट्स कार्यक्रम कल

जबलपुर। निवेश परियोजनाओं की स्थापना एवं कार्यान्वयन में उद्यमियों की सहायता करने कलेक्टर कार्यालय में स्थापित निवेश प्रोत्साहन केंद्र में बुधवार 15 अप्रैल को शाम 4 बजे डिफेंस सेक्टर में निवेश की संभावनाओं पर कॉफी विद एक्सपर्ट्स कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक विनीत रजक के अनुसार कॉफी विद एक्सपर्ट्स के इस कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों द्वारा डिफेंस सेक्टर में निवेश के इच्छुक उद्यमियों को मार्गदर्शन दिया जायेगा। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने डिफेंस सेक्टर से जुड़े सभी उद्यमियों एवं निवेशकों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया है।

जलती चिता पर कूदकर युवक ने दी जान

जबलपुर। खितौला थाना क्षेत्र के मझगवां रोड स्थित हिरन नदी किनारे बने मुक्तिधाम में रविवार सुबह एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। सुबह जब लोग सामान्य रूप से मुक्तिधाम पहुंचे, तो वहां एक युवक का शव चिता के ऊपर मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक ने जलती चिता पर कूदकर अपनी जान दे दी। जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम करीब 5 बजे एक जैन परिवार की महिला का अंतिम संस्कार खितौला मुक्तिधाम में किया गया था। रविवार सुबह जब परिजन कुछ धार्मिक प्रक्रिया के लिए दोबारा मुक्तिधाम पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि उसी चिता के ऊपर एक युवक मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोग सन्न रह गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही खितौला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की और हाल ही में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट के आधार पर मृतक की पहचान करने की कोशिश की। जांच के दौरान मृतक की पहचान खितौला वार्ड क्रमांक-15, राधा कृष्ण मंदिर के पास रहने वाले 27 वर्षीय शिवम उर्फ शिब्बू कोल के रूप में हुई। परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया, जहां उन्होंने शव की पहचान की पुष्टि की। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। परिजनों के अनुसार, शिवम मानसिक रूप से अस्वस्थ था और कुछ समय से परेशान चल रहा था। हालांकि, पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है ताकि घटना के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। बताया जा रहा है कि मृतक शिवम के दो छोटे बच्चे हैं। खितौला थाना के एसआई आरबी मिश्रा के अनुसार, मृतक की पहचान शिवम कोल के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन हम सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई जारी है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम...महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

फोटो बीजेपी 14

जबलपुर। जबलपुर में राज्यसभा सदस्य सुमित्रा वाल्मीकी ने भारतीय जनता पार्टी के संभागीय कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम केवल एक कानून नहीं है बल्कि सदियों से प्रतीक्षित सामाजिक न्याय की वह प्रतिज्ञा है जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धरातल पर उतारा है। यह विधेयक महिलाओं को नीति-निर्धारण और नेतृत्वकारी भूमिका में स्थापित करने का ऐतिहासिक कार्य करेगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, रूपा राव, अर्चना अग्रवाल, रिंकू विज, श्रीकान्त साहू, रवि शर्मा और चित्रकान्त शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राज्यसभा सदस्य सुमित्रा वाल्मीकी ने चर्चा के दौरान स्पष्ट किया कि नया संसद भवन बनने के बाद आयोजित पहले सत्र की शुरुआत ही इस अधिनियम से हुई थी। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास का वह स्वर्णिम अध्याय है जो महिलाओं को याचक से नायक की भूमिका में लेकर आएगा। सरकार 2023 के मूल कानून में आवश्यक संशोधन कर रही है ताकि जनगणना और परिसीमन के इंतजार की शर्त को समाप्त किया जा सके। लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि 2029 में जब देश नई सरकार का चुनाव करेगा तब संसद में 33 प्रतिशत सीटों पर नारी शक्ति की उपस्थिति सुनिश्चित होगी। महिला प्रतिनिधियों के आने से संसदीय बहसों की गुणवत्ता में सुधार होगा और शासन में सकारात्मक योगदान मिलेगा।

विपक्षी दलों की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार

कांग्रेस की नीतियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने दशकों तक महिला आरक्षण के नाम पर केवल राजनीति की है। 1996 में देवगौड़ा सरकार के समय से लेकर 2014 तक इस विधेयक को लेकर कोई ठोस मंशा नहीं दिखाई गई। वर्ष 1998 में संसद के भीतर विधेयक की प्रति फाड़ने जैसी घटनाएं संसदीय गरिमा का अपमान थीं। उन्होंने शाह बानों मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के कारण करोड़ों महिलाओं के हक को दबाया गया। वर्तमान सरकार ने किसी भी राजनीतिक विरासत से इतर सामान्य पृष्ठभूमि वाली बेटियों के लिए भी संसद के द्वार खोल दिए हैं।

महिला नेतृत्व आधारित विकास के बढ़ते कदम

पिछले 12 वर्षों में हुए कार्यों का विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि देश अब महिला-नेतृत्व आधारित विकास मॉडल की ओर बढ़ रहा है। केंद्र सरकार ने 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया और उज्ज्वला योजना से 10.33 करोड़ महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई। पीएम आवास योजना में 73 प्रतिशत घरों का मालिकाना हक महिलाओं को मिला है। आर्थिक क्षेत्र में 56 करोड़ जनधन खातों में से 56 प्रतिशत महिलाओं के हैं और मुद्रा योजना के तहत 35 करोड़ से अधिक ऋण उन्हें स्वरोजगार हेतु दिए गए हैं। आज भारत में 43 प्रतिशत स्टेम ग्रेजुएट्स महिलाएं हैं और नागरिक उड्डयन में महिला पायलटों की संख्या भी निरंतर बढ़ रही है। सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से 4.53 करोड़ बेटियों का भविष्य सुरक्षित किया गया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में पुलिया न होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं

पार्षद और निगम की अनदेखी पर भड़के लोग, चंदा जुटाकर खुद बनाने लगे पुलिया

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

रांझी क्षेत्र अंतर्गत कैंट विधानसभा के भगत सिंह वार्ड स्थित सर्रापीपल इलाके में स्थानीय पार्षद और नगर निगम की कथित लापरवाही के खिलाफ जनता का गुस्सा खुलकर सामने आ गया है। वर्षों से नाली पर पुलिया निर्माण की मांग कर रहे क्षेत्रवासियों ने जब लगातार आश्वासनों और प्रशासनिक उपेक्षा से तंग आकर उम्मीद छोड़ दी, तो उन्होंने खुद चंदा इकट्ठा कर पुलिया निर्माण शुरू कर दिया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में पुलिया न होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन इसके बावजूद न तो नगर निगम ने समस्या का समाधान किया और न ही वार्ड पार्षद निशांत झरिया ने कोई ठोस पहल की। रहवासियों का कहना है कि कई बार पार्षद से लेकर निगम अधिकारियों तक शिकायत की गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। आरोप यह भी है कि सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने के बाद भी अधिकारियों ने समस्या का समाधान करने के बजाय शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया। वहीं पार्षद हर बार टेंडर हो गया, प्रक्रिया चल रही है जैसे बहाने बनाकर जनता को टालते रहे।

मोहल्लेवासियों का कहना है कि नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने केवल फोटो खिंचवाने और दिखावे की राजनीति की, लेकिन जमीनी काम नहीं किया। इसी से नाराज होकर लोगों ने आपस में चंदा एकत्रित किया और श्रमदान के साथ पुलिया निर्माण कार्य स्वयं शुरू कर दिया। स्थानीय नागरिकों ने साफ शब्दों में कहा कि जब जनता को अपनी मूलभूत सुविधाओं के लिए खुद पैसा लगाना पड़ रहा है, तो ऐसे जनप्रतिनिधियों को वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है। आक्रोशित लोगों ने आगामी नगर निगम चुनाव में वोट बहिष्कार का ऐलान करते हुए चेतावनी दी है कि यदि क्षेत्र की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो विरोध और तेज किया जाएगा।

शानदार जीत के साथ पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का समापन

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

शहर में आयोजित मध्य प्रदेश पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का समापन जीत के साथ हुआ। कीड़ा भारती के संरक्षक अंतरराष्ट्रीय प्रेरक डॉ. अनुराग सोनी ने बताया कि प्रतियोगिता में 300 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जो मध्य प्रदेश के जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर, भोपाल, रीवा, सतना एवं अन्य स्थानों से आए हुए थे। सब जूनियर टीम कॉम्पिटीशन में जबलपुर ने बाज़ी मारी एवं इंदौर दूसरे स्थान पर था तथा ग्वालियर तीसरे स्थान पर था। जूनियर टीम चैंपियनशिप में उज्जैन प्रथम स्थान पर था रीवा द्वितीय स्थान पर था एवं इंदौर तीसरे स्थान पर था पुरुष वेस्ट लिफ्टर प्रतियोगिता में कार्तिक जैन जोकि इंदौर से थे प्रथम स्थान प्राप्त किया जतिन सिंह जो की ग्वालियर से थे द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं करण पटेल जोकि जबलपुर से हैं तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर बेस्ट एक्टर प्रतियोगिता में उज्जैन से आयी ग्रीस नारायण ने प्रथम स्थान प्राप्त किया अभिषेक शर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं भोपाल से आए आदित्य राज वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तीन दिवसीय पावर लिफ्टिंग का सफल समापन जिसमें कमलेश अग्रवाल, अनंत डीके, राकेश त्रिपाठी, एस तंदेलु, प्रकाश चौकसे, मान सिंह परस्ते, सौरभ, दीपक टिंगरे आदि अतिथि मंचासीन रहे।

गेहूं खरीदी — **वेयरहाउस चयन में नियमों की अनदेखी, अपात्र संचालकों को फिर सौंपी कमान**

गेहूँ उपार्जन में दागी खरीदी केंद्रों का दबदबा

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जबलपुर जिले में मंगलवार से शुरू हो रही समर्थन मूल्य पर होने वाली गेहूं खरीदी की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बीच जिला उपार्जन समिति द्वारा वेयरहाउस के चयन और उनकी मैपिंग को लेकर अपनाई गई प्रक्रिया गंभीर विवादों के घेरे में आ गई है। प्रशासन द्वारा तैयार की गई सूची में उन वेयरहाउस संचालकों को भी प्राथमिकता दी गई है, जिनका पिछला रिकॉर्ड संतोषजनक नहीं रहा है। मैपिंग की इस प्रक्रिया ने सरकारी खरीद व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

दागी और असहयोगी केंद्रों को फिर मिली जिम्मेदारी

प्रशासनिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गेहूं भंडारण के लिए चयनित सूची में ऐसे कई वेयरहाउस संचालकों के नाम शामिल हैं, जिन्होंने पिछले धान उपार्जन सीजन के दौरान सरकारी अनाज रखने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया था। उस समय इन केंद्रों के असहयोग के कारण प्रशासन को गोदाम अधिग्रहण जैसी कठोर कानूनी कार्रवाई करनी पड़ी थी, जिससे पूरी खरीदी व्यवस्था और परिवहन का कार्य बुरी तरह प्रभावित हुआ था। इसके बावजूद, आगामी गेहूं खरीदी के लिए उन्हीं केंद्रों को दोबारा सूची में जगह दे दी गई है। यह स्थिति जिला उपार्जन समिति की कार्यप्रणाली को संदिग्ध बना रही है।

अनियमितताओं के पुराने मामलों की अनदेखी का आरोप

सूची में केवल असहयोग करने वाले ही नहीं, बल्कि वित्तीय अनियमितताओं में संलिप्त रहे केंद्र भी शामिल किए गए हैं। इन केंद्रों पर पूर्व में धान और गेहूं के भंडारण के दौरान गंभीर गड़बड़ियों के आरोप लग चुके हैं। कुछ मामलों में भंडारण के दौरान औसत से अधिक सूखत दिखाने और अनाज की मात्रा में कमी पाए जाने पर लंबी रिकवरी भी निकाली गई थी। ऐसे दागी रिकॉर्ड वाले केंद्रों पर दोबारा भरोसा जताना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। वर्तमान में प्रशासन के समक्ष निष्पक्ष और सुचारू खरीदी सुनिश्चित करने का दबाव बढ़ रहा है, ताकि भविष्य में भंडारण संबंधी किसी भी प्रकार के विवाद या वित्तीय नुकसान से बचा जा सके। स्थानीय स्तर पर मांग उठ रही हैचयन प्रक्रिया में पुराने रिकॉर्ड को आधार बनाकर केवल विश्वसनीय केंद्रों को ही जिम्मेदारी सौंपी जाए।

वैश्य महासम्मेलन में नवनियुक्त एल्डरमेन का सम्मान

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

वैश्य महासम्मेलन जिला जबलपुर की बैठक में मुख्य अतिथी प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संदेश जैन, अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष संजय साहू, राजेश अगवाल, हेमचंद असाठी, कृष्णा सरावगी आदि अतिथियों ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष विमल जैन को पद की शपथ दिलाई। इसके पश्चात विनय जैन, सुश्री रेखा ताम्रकार, नगर पालिका पनागर एवं आलोक जैन, विनोद गुप्ता, सिहोरा नवनियुक्त एल्डरमेनो एवं वरिष्ठजनों वैश्य समाजसेवियों नरेंद्र सराफ, छट्टन भैया, अजीत चौधरी को स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा संगठन के कार्यक्रमों की समीछा तहसील एवं जिला पदाधिकारियो से की गयी। संभाग अध्यक्ष द्वारा संगठन के जनकल्याणकारी कार्यों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी। बैठक मे जिला महामंत्रीद्वय बालचंद जैन पाटन, विनय जैन सिहोरा, रामखिलावन साहू, मनीषा मोदी, ज्योति जैन, सोनाली साहू, वृन्दावन साहू, दिनेश गुप्ता, संदीप बजाज, प्रशान्त जैन, महिला इकाई तहसील अध्यक्ष क्रमशः नीलू केशरवानी पनागर, चंदा नौगरहिया सिहोरा, रानी साहू शहपुरा, नगर इकाई अध्यछ क्रमशः सारिका साहू, रजनी सोनी , अशोक सोनी सहित बडी संख्या मे जिला एवं तहसील पदाधिकारियो की उपस्थिती रही। क्रायक्रम का संचालन संगीता सिघई सिहोरा एव आभार विनय जैन द्वारा किया गया।

अक्षय तृतीया पर सजेगा सामूहिक विवाह का मंडप

जबलपुर। पावन पर्व अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर इस वर्ष भी जबलपुर में सामाजिक समरसता और सादगी की अनूठी मिसाल देखने को मिलेगी। जबलपुर संभागीय कुशवाहा समाज द्वारा आगामी 20 अप्रैल सोमवार को मंत्री लोकनिर्माण विभाग मध्यप्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, निगमाध्यक्ष रिकुंज विज के विशिष्ट आतिथ्य, पार्षद गौरीघाट शारदा कुशवाहा, प्रदेश अध्यक्ष बैजनाथ की उपस्थिति एवं हरगोपाल कुशवाहा की अध्यक्षता में एक भव्य सामूहिक सामाजिक विवाह एवं परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह गरिमामयी कार्यक्रम ग्वारीघाट स्थित कुशवाहा समाज के मुख्यालय कुशवाहा धाम श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर, महान सम्राट अशोक चौक में 20 अप्रैल को सुबह 10:00 बजे से श्री पंचमुखी हनुमानजी का पूजन उपरांत वैवाहिक एवं परिचय सम्मेलन 10:30 बजे, बारात आगमन एवं द्वार पूजा 11:00 बजे, जयमाला दोपहर 12:00 बजे, मुख्य अतिथि एवं अतिथियों का स्वागत 12:30 बजे, वैवाहिक कार्यक्रम एवं परिचय सम्मेलन दोपहर 01 बजे, मुख्य अतिथि एवं अतिथियों का उद्बोधन 01:30 बजे, भोजन दोपहर 02:30 बजे से 03:30 बजे तक, विदा समारोह सायं 04:00 बजे एवं कार्यक्रम का समापन एवं आभार सायं 04:30 बजे संपन्न होगा।

संक्षिप्त समाचार

नहीं रहे वरिष्ठ पत्रकार मोहन शशि

जबलपुर। नगर के वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार और समाजसेवी श्री मोहन शशि जी का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनके निधन से संस्कारधानी के पत्रकारिता जगत और सामाजिक

क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। श्री मोहन शशि जी को जबलपुर की पत्रकारिता का एक मजबूत स्तंभ माना जाता है। उन्होंने अपने सुदीर्घ करियर में शहर के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं और निष्पक्ष पत्रकारिता के उच्च प्रतिमान स्थापित किए। एक प्रखर लेखक और विचारक के रूप में उन्होंने न केवल जनहित के बड़े मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाया, बल्कि शहर के विकास और सांस्कृतिक उत्थान में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी लेखनी में धार के साथ समाज के प्रति गहरी संवेदना भी झलकती थी। अंतिम यात्रा मंगलवार दोपहर 12 बजे उनके निजी निवास, शांति नगर दमोहनाका से प्रारंभ होकर रानीताल मुक्तिधाम पहुंची, जहां पर अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। उनके निधन को पत्रकारिता के एक युग का अंत माना जा रहा है। स्थानीय पत्रकारों, साहित्यकारों और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके कार्यों को सदैव स्मरणीय बताया है। शोक संतप्त परिवार के प्रति शहर के विभिन्न संगठनों ने अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

लेखा अधिकारी की कुशलता का सम्मान

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने अपने ऋण प्रबंधन में एक बड़ी सफलता हासिल की है। जबलपुर मुख्यालय में पदस्थ अकाउंट

ऑफिसर श्रीमती निकिता सिद्धा के प्रयासों से कंपनी को करोड़ों रुपये का आर्थिक लाभ होगा। उन्होंने भारत सरकार के उपक्रम रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया। तकनीकी प्रस्तुतियों और सटीक वित्तीय डेटा के माध्यम से उन्होंने कंपनी के ऋणों पर लगने वाली ब्याज दर को 9.8 प्रतिशत से कम करवाकर 8.47 प्रतिशत के स्तर पर लाने में कामयाबी प्राप्त की है। ब्याज दरों में हुई इस कमी के कारण आगामी समय में ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए जाने वाले ऋणों पर लगभग 160 करोड़ रुपये की बचत होने का आकलन किया गया है। श्रीमती सिद्धा के इस उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए मुख्यालय में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रबंध संचालक सुनील तिवारी, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता एनजी टिकेकर और मुख्य वित्तीय अधिकारी मुकुल मेहरोत्रा ने उन्हें सिल्वर मेडल और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया। इस उपलब्धि को विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय सुधार के तौर पर देखा जा रहा है।

कब्रिस्तान और चारागाह जमीन विवाद पर लगा विराम

प्रशासन की मौजूदगी में नपाई पूरी, ग्रामीणों ने जताई संतुष्टि

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जिले के थाना चरगवां अंतर्गत ग्राम बढ़ियाखेड़ा में लंबे समय से चल रहा कब्रिस्तान और चारागाह (चारागाय) जमीन का विवाद आखिरकार प्रशासन की सख्त निगरानी में सुलझा लिया गया। खसरा नंबर 243 की जमीन को लेकर चल रही खींचतान के बीच राजस्व विभाग ने मौके पर पहुंचकर विधिवत नपाई करवाई।

नपाई के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारी, पुलिस बल और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे। पूरी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया गया। जमीन की सीमा स्पष्ट करने के लिए अधिकारियों द्वारा चूना डलवाकर सीमांकन किया गया और खंभे भी गड़वाए गए, जिससे भविष्य में किसी तरह का विवाद न हो। नपाई पूरी होने के बाद अधिकारियों ने ग्रामीणों से उनकी राय ली। इस पर ग्रामीणों ने साफ तौर पर कहा कि वे नपाई से संतुष्ट हैं और अब किसी प्रकार का विवाद नहीं करेंगे। ग्रामीणों ने यह भी स्पष्ट किया कि अब वे अपनी-अपनी निर्धारित जमीन पर ही कब्जा बनाए रखेंगे।

सीएसपी बरगी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ कराई गई है और नपाई के बाद ग्रामीणों से पुष्टि ली गई, जिसमें सभी ने संतुष्टि जाहिर की।

वहीं चरगवां नायब तहसीलदार राघवेंद्र पटेल ने जानकारी दी कि राजस्व विभाग के नियमों के तहत जमीन की नपाई की गई है। सीमांकन के बाद खंभे लगवाए गए, 11 पटवारियों की टीम द्वारा मापन किया गया और पंचनामा तैयार कर सभी ग्रामीणों के हस्ताक्षर भी लिए गए। ग्रामीणों का कहना है कि नपाई के बाद अब स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो चुकी है और उन्हें पता चल गया है कि किसके हिस्से में कितनी जमीन आती है। कुल मिलाकर, प्रशासन की सख्ती और पारदर्शी कार्रवाई के चलते एक पुराने विवाद पर अब पूर्ण विराम लग गया है।

बाबा बनकर ठगी, 5 करोड़ का झांसा देकर 38 हजार लूटे, 70 किमी पीछा कर 5 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

बरगी थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली ठगी की घटना सामने आई। लग्जरी कार से आए बदमाशों ने बाबा का भेष बनाकर एक युवक को 5 करोड़ रुपए दिलाने का झांसा दिया और उससे 38 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। पीड़ित पवन कुमार पटेल (34), जो ठेकेदारी का काम करते हैं, अपने साथी के साथ बाइक से बरगी जा रहे थे। खमरिया तिराहे पर एक लग्जरी कार रुकी, जिसमें से बाबा के वेश में दो लोग उतरे। उन्होंने पवन को बुलाकर चमत्कार दिखाने के नाम पर मिट्टी को रुपए में बदलने का नाटक किया। इसके बाद उन्होंने दावा किया कि वे उसके 38 हजार रुपए को 5 करोड़ में बदल सकते हैं। जैसे ही पवन ने पैसे निकाले, बदमाशों ने झपट्टा मारकर रकम छीनी और सिवनी की ओर भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। जबलपुर और सिवनी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की। करीब 70 किलोमीटर पीछा करने के बाद आदेगांव थाना क्षेत्र के जोबा गांव के पास कार को रोक लिया गया। कार में सवार पांच आरोपियों को हिरासत में लिया गया और लूटे गए 38 हजार रुपए भी बरामद कर लिए गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के रहने वाले हैं। इनमें से दो को मुख्य आरोपी माना जा रहा है, जबकि बाकी तीन से पूछताछ जारी है।

5 करोड़ रुपए दिलाने का झांसा

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि यह गिरोह कितने समय से इस तरह की ठगी कर रहा था और इसमें कितने सदस्य शामिल हैं। पवन ने बताया कि बाबा के वेश में होने के कारण उसे उन पर भरोसा हो गया। उन्होंने पहले आशीर्वाद देने का नाटक किया और फिर बातों में उलझाकर पैसे निकलवा लिए। उसे समझ ही नहीं आया कि कब वह ठगी का शिकार हो गया।

साउथ एवेन्यू मॉल में खूनी बवाल

शेफ ने हाउसकीपिंग हेड बॉय पर किया चाकू से हमला

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

ग्वारीघाट थाना क्षेत्र स्थित साउथ एवेन्यू मॉल में सोमवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब मामूली विवाद ने देखते ही देखते खूनी रूप ले लिया और मॉल के अंदर काम कर रहे एक शेफ ने अपने ही सहकर्मी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना के बाद पूरे मॉल परिसर में हड़कंप मच गया और कर्मचारी दहशत में आ गए।

जानकारी के अनुसार साउथ एवेन्यू मॉल में कार्यरत शेफ अर्पित ने किसी विवाद के चलते हाउसकीपिंग हेड बॉय संजय अहिरवार पर अचानक हमला बोल दिया। आरोप है कि अर्पित ने गुस्से में आकर संजय के सिर पर चाकू से वार कर दिया, जिससे वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। सिर से खून बहता देख वहां मौजूद कर्मचारियों में चीख-पुकार मच गई और पूरे मॉल में भगदड़ जैसे हालात बन गए।

घटना के तुरंत बाद घायल संजय को गंभीर हालत में ग्वारीघाट स्थित एसएन बोस अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि डॉक्टरों ने घायल की हालत गंभीर देखते हुए तत्काल इलाज शुरू कर दिया। हालांकि इस दौरान अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं, क्योंकि अस्पताल द्वारा पुलिस को सूचना दिए बिना ही घायल का उपचार प्रारंभ कर दिया गया, जबकि ऐसे मामलों में मेडिकल लीगल प्रक्रिया के तहत पुलिस को सूचित करना आवश्यक माना जाता है। इधर घटना की जानकारी लगते ही ग्वारीघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मॉल परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस आरोपी शेफ अर्पित की तलाश में जुट गई है, जो वारदात के बाद से फरार बताया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आखिर दोनों के बीच विवाद किस बात को लेकर हुआ और अचानक मामला चाकूबाजी तक कैसे पहुंच गया।

अंबेडकर जयंती

पाटन में भव्य कार्यक्रम का आयोजन, पात्रों को हितलाभों का वितरण

बाबा साहेब के सिद्धांत आज भी प्रेरणास्रोत

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

राज्य शासन के निर्देशानुसार संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में पाटन में नगर परिषद द्वारा विधायक अजय विश्नोई के मुख्य आतिथ्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।अध्यक्षता नगर परिषद पाटन के अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह ने की। शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के हितलाभों का वितरण भी किया गया। विधायक अजय विश्नोई ने डॉ अंबेडकर के जीवन, विचारों, उनके संघर्षों और संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। नगर परिषद के अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह ने कहा कि डॉ अंबेडकर का जीवन समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित था, उनके सिद्धांत आज भी प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन के साथ हुआ। पीएमश्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 अंतर्गत 73 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र तथा 181 हितग्राहियों को पट्टाधृति अधिनियम 1984 के अंतर्गत स्वीकृति पत्र, पीएम स्वनिधि योजना के तहत 25 हितग्राहियों को 25 हजार एवं 41 हितग्राहियों को 50 हजार रुपये ऋण के स्वीकृति पत्र, मुख्यमंत्री संबल योजना अंतर्गत 4 हितग्राहियों को 10 लाख रुपये की सहायता राशि के स्वीकृति पत्र, लाड़ली लक्ष्मी योजना की 5 हितग्राहियों को प्रमाण पत्र, 25 छात्र-छात्राओं को पुस्तक वितरण एवं 6 छात्राओं को साइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद पाटन द्वारा डॉ भीमराव अम्बेड़कर की जयंती के उपलक्ष्य में प्रदर्शनी लगाई गई। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विज्ञान मॉड़ल का प्रदर्शन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण स्टॉल लगाया गई।

विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में संभाग स्तर पर चयनित कु अंशिका सिंह गौंड़, राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट प्रतियोगिता में चयनित अंशुल पटेल एवं उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी सहायिकाओं एवं आशा कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष ज्योति ठाकुर, उपाध्यक्ष देवकुमार यादव, एसडीएम पाटन मानवेन्द्र सिंह, जनपद पंचायत के सीईओ अखिल सहाय श्रीवास्तव, डॉ आदर्श विश्नोई, तहसीलदार सच्चिदानन्द त्रिपाठी, देवेंद्र यादव, राजकुमार सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकायें एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

कुंडेश्वरधाम में भी हितग्राही सम्मेलन

जबलपुर। राज्य शासन द्वारा संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में विकासखण्ड स्तर पर हितग्राही सम्मेलन आयोजित करने के दिये गये निर्देशानुसार जिले के विकासखण्ड मुख्यालय कुण्डेश्वरधाम में खण्ड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक संतोष वरकडे ने दीप प्रज्वलन और डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया तथा डॉ अंबेडकर के जीवन

संघर्ष एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान शासन के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के तहत चयनित हितग्राहियों को औपचारिक रूप से हितलाभों के स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं ने डॉ अंबेडकर के व्यक्तित्व पर केंद्रित भाषण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और ज्ञानवर्धक नाटकों का मंचन किया। इस भव्य आयोजन में पूर्व विधायक नंदनी मरावी, जनपद अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह धुर्वे, जनपद पंचायत के सदस्य, सरपंच अर्चना साहू, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी प्रगति गणवीर, तहसीलदार वीर बहादुर सिंह धुर्वे, जनपद पंचायत के सीईओ अशोक मरावी, विकास खंड शिक्षा अधिकारी पूनम वरकडे, राधेश्याम साहू, राजेश साहू, कमलेश साहू, राजकुमार साहू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक भी सम्मिलित हुए।

संक्षिप्त समाचार

श्रीकान्त साहू बने मप्र तैलिक साहू महासभा राजनैतिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। मप्र तैलिक साहू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश साहू 'भोपाल' की सहमति से राजनैतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री ताराचंद साहू 'बाड़ी' द्वारा श्रीकान्त साहू को मप्र तैलिक साहू महासभा राजनैतिक प्रकोष्ठ जबलपुर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। मप्र साहू समाज राजनैतिक प्रकोष्ठ में श्रीकान्त साहू को जिला अध्यक्ष बनाये जाने पर साहू समाज मप्र एवं साहू समाज जबलपुर द्वारा शुभकामनायें देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

ग्राम पंचायत निपानिया में मनाया गया पोषण पखवाडा - महिलाओं को दी गई स्वास्थ्य संबंधी जानकारी

पनागर, प्रातःकिरण। ग्राम पंचायत निपानिया में पोषण पखवाडा कार्यालय का आयोजन परियोजना अधिकारी श्रीमती आराधना गर्ग के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर ग्राम की उपस्थित महिलाओं एवं पुरुषों को पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया । कार्यक्रम मैं सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती स्नेहलता पटेल द्वारा पोषण स्तर को बेहतर बनाने के लिए संतुलित आहार स्वक्षता एवं स्वास्थ्य जीवन शैली के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया इस कार्यक्रम मैं उपस्थित ग्राम पंचायत सचिव राम जी सैयाम, बुजुर्ग महिलाओं का तिलक लगाकर के सम्मान किया गया साथ मैं ग्राम पंचायत सरपंच दिनेश कुशवाहा ने सभी का तिलक लगाकर सम्मान किया गया है सहायक सचिव नितेश सिंह सेंगर ने विस्तार से जानकारी दी, उपस्थित महिलाएं बेटी बाई,विद्या ठाकुर, ऋतु सिंह गौड़,लक्ष्मी को, विमला बाई,सविता बाई गौड़, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूनम राजपूत,वन्दना महोबिया, अभिलाष राजपूत,उत्तरा बाई ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहभागिता निभाई गई

जबलपुर के संस्कृति थिएटर में गूंजा 'नारी शक्ति वंदन' का शंखनाद

प्रधानमंत्री के संबोधन से उत्साहित हुईं महिलाएं

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ते हुए आज भंवरताल गार्डन स्थित संस्कृति थिएटरमें नारी शक्ति वंदन'कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों और नारी शक्ति के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का लाइव प्रसारण रहा। थिएटर में उपस्थित सभी अधिकारियों और सैकड़ों महिलाओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को एकाग्रता से सुना। अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री ने महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक उत्थान को राष्ट्र की प्रगति का आधार बताया, जिससे वहां मौजूद मातृशक्ति में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ।

नगर निगम के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्य म को सफल बनाने के लिए निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार एवं अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्य म की महत्ता को रेखांकित किया। आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार,अपर आयुक्त विद्यानंद बाजपेई, अशफाक परवेज कुरैशी और मनोज श्रीवास्तव श्रीमती अंजू सिंह, सहायक आयुक्त शिवांगी महाजन, अंकिता बर्मन ने अपनी उपस्थिति से कार्य म की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर नगर निगम स्कूल की प्राचार्यगण , कार्यालय अधीक्षक दिलीप दुबे,और सामाजिक सुरक्षा विकास अधिकारी श्रीमती तरुण निपसड़िया भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

नारी शक्ति का मंच पर सम्मान

लाइव प्रसारण के उपरांत मंच पर नगर निगम एवं विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत नारियों का सम्मान किया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी गई।

हंगामा फेस्ट' पर पुलिस का एक्शन

देर रात डीजे बजाने पर आयोजक और ऑपरेटर पर एफआईआर

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

शहर में नियमों की अनदेखी कर देर रात तक चल रहे बड़े आयोजन पर सिविल लाइन पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए आयोजकों को स्पष्ट संदेश दिया है कि अब मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रविवार रात बर्न कंपनी मैदान में चल रहे 'हंगामा फेस्ट' पर पुलिस ने छापा मारकर डीजे बंद कराया और साउंड सिस्टम जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार, गोरखपुर निवासी सनी उर्फकुलविंदर सिंह दुग्गल द्वारा इस व्यावसायिक आयोजन का संचालन किया जा रहा था। आयोजकों को रात 10 बजे तक ही कार्यक्रम और डीजे चलाने की अनुमति मिली थी, लेकिन इसके बावजूद देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजता रहा। शिकायत मिलने पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची, जहां तेज आवाज में डीजे के साथ हंगामा करते लोग पाए गए। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आयोजन को रुकवाया और नियमों के उल्लंघन में डीजे उपकरण जब्त कर लिए।

जब्त हुआ साउंड सिस्टम

कार्रवाई के दौरान चार साउंड बॉक्स, एक मिक्सर मशीन, एम्प्लीफायर, वायर बोर्ड और मॉनिटर बॉक्स जब्त किए गए। जांच में सामने आया कि चेरीताल निवासी साउंड ऑपरेटर सोनू विपिन रोहितास द्वारा डीजे संचालित किया जा रहा था, लेकिन देर रात तक चलाने की वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं की जा सकी।

एसडीएम आदेश का उल्लंघन, एफआईआर दर्ज

पुलिस के अनुसार, आयोजन में एसडीएम रांझी के आदेशों की अवहेलना पाई गई। इसके बाद आयोजक कुलविंदर सिंह और डीजे संचालक के खिलाफप्रकरण दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी पूर्वा चौरसिया ने बताया कि 'अनुमति के विरुद्ध देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था। सूचना मिलने पर टीम भेजी गई और मशीन जब्त करने की कार्रवाई की गई। मामले में जांच जारी है।' इस कार्रवाई से पुलिस ने साफ कर दिया है कि शहर में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफकलगातार सख्त कदम उठाए जाएंगे।

दूसरों का जीवन बचाकर वंदनीय कार्य करते हैं फायर ब्रिगेड कर्मी – निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। नगर निगम द्वारा अग्नि शमन दिवस पर आज आपदाओं के दौरान कमर्चारियों के कार्यो और अपनी सूझबूझ से जानमाल की रक्षा से संबंधित कार्यो को करने के लिए सभी कर्मचारियों को कहा कि आप सभी वंदनीय कार्य करते हैं। फायर डे का यह आयोजन नगर निगम चौक स्थित फायर ब्रिगेड कार्यालय परिसर में किया गया जहां अग्नि सैन्य दल के कर्मचारियों ने अग्निहादसों के दौरान अपनाई जाने वाली रणनीति से लेकर अन्य कार्यो को लेकर जानकारी दी। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार की उपस्थिति में आयोजित अग्नि शमन दिवस के कार्यक्रम में दिवगंत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें स्मरण किया गया। निगमायुक्त रामप्रकश अहिरवार ने अग्नि हादसों को नियंत्रित करने फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के प्रयासों और उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि अग्नि शमन दल के कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की जान माल की रक्षा करते हैं उनका यह कार्य बेहद सराहनीय है। इस अवसर पर अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, अशफाक परवेज कुरैशी, वी एन बाजपेई,फायर अधीक्षक कुसाग्र ठाकुर, सहायक फायर अधीक्षक राजेन्द्र पटेल एवं अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

निगमायुक्त ने किया 'स्वच्छता श्रमदान

बाबा साहेब की जयंती पर सर्वोदय नगर में दी श्रद्धांजलि

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के पावन अवसर पर नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सामाजिक समरसता और सेवा का एक अनूठा उदाहरण पेश किया। रविवार को रानीताल स्थित सर्वोदय नगर बस्ती में आयोजित विशेष कार्यक्रम में निगमायुक्त ने न केवल बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया, बल्कि स्वयं झाड़ू थामकर सफाई श्रमदान अभियान की अगुवाई भी की।

स्वच्छता का संदेश और जनभागीदारी

जयंती समारोह के दौरान निगमायुक्त ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब के आदर्शों पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने जोर दिया कि स्वच्छता केवल एक कार्य नहीं, बल्कि एक संस्कार है। इसी कड़ी में उन्होंने सर्वोदय नगर बस्ती में सफाई अभियान चलाया, जिसमें निगम के अमले के साथ स्थानीय निवासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रानीताल मुक्तिधाम का निरीक्षण

श्रमदान के पश्चात निगमायुक्त श्री अहिरवार सीधे रानीताल मुक्तिधाम पहुँचे, जहाँ उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर में नियमित स्वच्छता बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए।

पेयजल और बैठक व्यवस्था

अंतिम संस्कार में शामिल होने आने वाले परिजनों की सुविधा के लिए पानी और बैठने के इंतजामों को और बेहतर करने की बात कही।

उन्होंने प्रकाश व्यवस्था के लिए शाम के समय पर्याप्त लाइटिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने निर्देश दिए।

बैसाखी एवं डॉ भीम राव अम्बेडकर जंयती मनाई

आम आदमी पार्टी ने मनाई बाबा साहब की जयंती

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

आज आम आदमी पार्टी जबलपुर द्वारा भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर अंबेडकर चौक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री श्री रामकिशोर शिवहरे जी एवं जिला अध्यक्ष श्री रितेश सिंह जी,ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंद्रमणि वर्मा जी की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने देश को समानता, न्याय और संविधान की मजबूत नींव दी। आज आवश्यकता है कि उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जाए और समाज में समानता एवं भाईचारे को मजबूत किया जाए।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी जगदीश माली जी विनोद कैथल जी,जिला उपाध्यक्ष सोनू भट्टाचार्य जी,वसीम खान,धर्मदास आचार्य जी,श्याम झारिया,पंचम झा, चंद्रभान विश्वकर्मा, कैलाश आठनेर,आदेश दुबे, प्रफुल्ल सक्सेना,रत्नेश करसा,किसान अमरेश पटेल,प्रशांत चौकसे,संजय पटेल, राकेश खताबिया, मनोज सैनी,आर बी यादव जी,हरप्रीत सिंह,हरीश श्रीवास्तव,महेश शर्मा,सौरभ निगम, राजेश कुमार अहिरवार महेश चौधरी सुखचैन बेन, गुड्डा पटेल,मुन्ना नामदेव, गणपत बेन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर बाबा साहब को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

भोजन प्रसाद 90 थालियां का वितरण जरूरतमंद व्यक्तियों को किया गया

जबलपुर, प्रातःकिरण। विजय यादव ने बताया कि आज बैसाखी एवम् डॉ भीम राव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर मां सीता प्रसाद रोटी ग्रुप द्वारा पुलाव सब्जी पूरी मिष्ठान मीठा चावल को भोजन प्रसाद थालियां को पैक कर जरूरतमंद व्यक्तियों को सदर रसल चौक एल्गिन अस्पताल रेलवे स्टेशन रानीताल राइट टाउन मदन महल स्टेशन में किया गया।

इस अवसर पर अशोक मक्कड़ सिद्धार्थ गोलछा मोहित ठाकुर प्रदीप चौहान विजय भारद्वाज शैलेश मिश्रा संजय साहू राहुल केसरवानी विजेंद्र जैन आकाश सुमित दुर्गा कमल अविनाश महावर विक्रम सिंह ठाकुर राहुल डॉ वाणी अहलूवालिया सिद्धेश्वरी सराफकनौजिया अशोक गुप्ता सुबोध जैन अमित गुप्ता श्याम रजक बल्लू गुप्ता शशि संदीप सेन सोनू रजक सुरेंद्र सिंह राजेश रजक बंटी कोहली अमरदीप लकी पासी आकाश पासी हनी सेन उपस्थित थे

अनूठी पहल

40 साल पुरानी संस्था का अनोखा प्रयास, जन्मदिन बना सेवा का पर्व

मयूर संघवी का अनोखा जन्मदिनः सकोरे बांटकर दिया मानवता का संदेश

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

करीब 40 वर्षों से राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सेवा के उद्देश्य से कार्यरत राज्य सभा संस्था ने एक बार फिर मानवता और प्रकृति सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। संस्था से जुड़े समाजसेवी मयूर संघवी ने अपने जन्मदिन (29 अप्रैल) को भव्य तरीके से मनाने के बजाय समाज सेवा को प्राथमिकता देते हुए अनूठी पहल की।

इस अवसर पर मयूर संघवी ने अपने साथियों और संस्था के बुजुर्ग सदस्यों–जिनमें कई 90 वर्ष से अधिक आयु के सदस्य भी शामिल हैं–के साथ मिलकर पशु-पक्षियों के लिए मिट्टी के सकोरों (पानी के पात्र) का वितरण किया। इन सकोरों को घरों और पेड़ों पर लगाया जाएगा, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों को आसानी से पानी मिल सके और उनकी प्यास बुझाई जा सके। मयूर संघवी ने कहा कि जन्मदिन मनाने का वास्तविक अर्थ जरूरतमंदों और पीड़ितों की सेवा में निहित है। उन्होंने बताया कि हाल ही में उद्योगपति अनंत अंबानी द्वारा किए गए सेवा कार्यों से उन्हें प्रेरणा मिली है, जिससे वे समाज के लिए कुछ बेहतर करने की दिशा में आगे बढ़े।

संस्था के सदस्यों ने संकल्प लिया है कि वे नियमित रूप से इन सकोरों में पानी भरेंगे, जिससे गर्मी के मौसम में पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं को राहत मिल सके। यह पहल न केवल सेवा भाव को दर्शाती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

शिक्षा और स्वास्थ्य में भी सक्रिय भूमिका

राज्य सभा संस्था पिछले चार दशकों से शिक्षा और चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी निरंतर कार्य कर रही है। जरूरतमंदों की सहायता, स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन और सामाजिक जागरूकता जैसे कई कार्य संस्था की पहचान बन चुके हैं। इस कार्यक्रम में डॉ. डी.सी. जैन, आनंद जैन, मट्ठू भैया, डॉ. विमल जैन, पी.सी. जैन, अरुण वकील साहब, डॉ. यतीश जैन, राजकुमार जैन, प्रवीण जैन, सुबोध जैन, कवि सरस जैन, जगदीश अग्रवाल, उमेश जैन, तपस्वी लाल बाघमार, मांगीलाल जी चोपड़ा, गोपाल भैया, मंगलचंद टाटिया और पंकज संघवी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मयूर संघवी की विशेष भूमिका रही। उन्होंने यह भी संकल्प लिया है कि वे अपना जन्मदिन 'सुदामा थाली' के माध्यम से गरीबों के बीच भोजन वितरण कर मनाएंगे।

बेलखाडू में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब की जयंती

बेलखाडू, प्रातःकिरण। भारत के संविधान के निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती बेलखाडू में धूमधाम से मनाई गई. इस मौके पर वाईक रैली निकाली गई. यह रैली. ग्राम बेलखाडू से शुरू होकर मोहास बघोडी झगरा सिमरिया तक निकाली गई रैली में भारी संख्या में युवाओं ने भाग लिया.वहीं युवा हाथों में नीले झंडे लेकर ओर बाबा साहेब डॉक्टर अंबेडकर अमर रहे और जय भीम के नारे लगाते हुए चल रहे थे जिसके बाद केक काटकर बाबा साहेब की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया इस दौरान रमन पटेल सागर दहिया मुकेश चौधरी गणेश चौधरी रवि चौधरी सागर आकाश अनिकेत सतीश दिनेश चौधरी आशीष अभिषेक राहुल प्रमोद अभिषेक आदि रहे

राज्य पुलिस सेवा के नौ अधिकारी बनेंगे आईपीएस

पुलिस मुख्यालय से 27 अधिकारियों के सेवा अभिलेख विभाग ने मांगे

भोपाल, प्रातःकिरण। मध्य प्रदेश को वर्ष 2026 में नौ आइपीएस अधिकारी और मिलेंगे। इसके लिए गृह विभाग ने राज्य पुलिस सेवा से आइपीएस संवर्ग में नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। पुलिस मुख्यालय से 27 अधिकारियों के अभिलेख मांगे हैं। इनका परीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के अनुमोदन से संघ लोक सेवा आयोग को प्रस्ताव भेजा जाएगा। विभाग का प्रयास यह है कि अगस्त-सितंबर में विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक हो जाए।

राज्य पुलिस सेवा से आइपीएस संवर्ग में नियुक्त हुए अधिकारियों की सेवानिवृत्ति पर जो पद उपलब्ध होते हैं, उतने ही अगले वर्ष फिर विभागीय पदोन्नति की प्रक्रिया के माध्यम से भरे जाते हैं। 2025 में नौ अधिकारी सेवानिवृत्त हुए, जिनके स्थान पर राज्य पुलिस सेवा के नौ अधिकारियों को आइपीएस संवर्ग में नियुक्ति का अवसर मिलेगा। सूत्रों का कहना है कि इसमें 1998 से 2000 बैच के अधिकारी होंगे। 2024 की डीपीसी में कुछ नाम रोक दिए गए थे, उन्हें इस वर्ष अवसर दिया जा सकता है।

उपचुनाव की घोषणा से पहले ही दतिया में बढ़ा सियासी पारा

दतिया में ताल ठोकने को तैयार नरोत्तम

● भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।

दतिया विधानसभा सीट को लेकर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती का 3 साल की सजा मिलने के साथ ही दतिया में उपचुनाव की संभावना बढ़ गई है। इस संभावना के साथ ही भाजपा नेताओं में मेल-मुलाकात का दौर शुरू हो गया है। इसे उपुचनाव की तैयारी से जोड़कर देखा हा रहा है। पूर्व गृह मंत्री और दतिया से भाजपा के पूर्व विधायक नरोत्तम मिश्रा की सक्रियता बढ़ गई है। हालांकि पिछले चुनाव में उन्हें कांग्रेस के राजेंद्र भारती से हार का सामना करना पड़ा था। अब सीट खाली होने के बाद उनके फिर से चुनाव मैदान में उतरने की चर्चाएं तेज हैं। यानी 2023 में मिली हार का बदला लेने के लिए नरोत्तम दतिया उपचुनाव में ताल ठोकेंगे। उधर, कांग्रेस ने भी अपनी सक्रियता बढ़ा दी है।

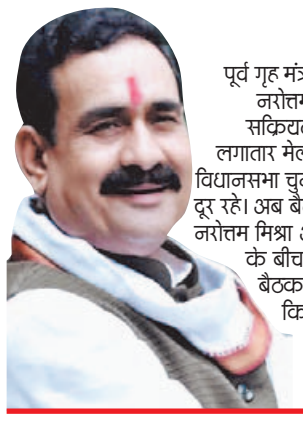

नरोत्तम की बढ़ी सक्रियता

पूर्व गृह मंत्री और दतिया से भाजपा के पूर्व विधायक नरोत्तम मिश्रा की सक्रियता बढ़ गई है। दतिया में सक्रियता के साथ ही वे भाजपा के नेताओं से भी लगातार मेल मुलाकात कर रहे हैं। साल 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में हार के बाद वे सक्रिय राजनीति से दूर रहे। अब बैठकों और चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। नरोत्तम मिश्रा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच गत दिवस भोपाल में बंद कमरे में सीक्रेट बैठक हुई। इस बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं कि उपचुनाव को लेकर चर्चा हुई होगी। साल 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से राजेंद्र भारती को कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी बनाया था।

मप्र में वर्तमान में जिस तरह के हालात बने हुए हैं उससे दतिया और विजयपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की संभावना बनी हुई है। प्रदेश में बदले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद सत्ताधारी दल में हलचल तेज हो गई है। दतिया सीट रिक्त घोषित होने के बाद पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दतिया में सक्रियता बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर उनके समर्थक शेर इज बैक और विन दतिया मिशन हैशटैग के साथ पोस्ट शेयर कर रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से हर दूसरे दिन नरोत्तम दतिया पहुंचकर स्थानीय लोगों से मेल-मुलाकात कर रहे हैं। इधर, पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की। दोनों के बीच बंद कमरे में चर्चा हुई।

6 महीनों में कराना होगा चुनाव

दरअसल, दिल्ली की एमपी-एमएलए कोर्ट ने दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को एफडी घोटाला मामले में दोषी पाया था और तीन साल की सजा सुनाई थी। इस फैसले को चुनौती देने के लिए भारती ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था। जहां अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। इसके साथ हाईकोर्ट ने मप्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। उच्च न्यायालय अपने फैसले में बदलाव नहीं करता है तो भारती अयोग्य रहेंगे और दतिया विधानसभा सीट पर 6 महीने के भीतर चुनाव कराने होंगे। दतिया से कांग्रेस विधायक रहे राजेंद्र भारती को तीन साल की सजा के विरुद्ध अपील पर दिल्ली हाई कोर्ट में 15 को सुनवाई है।

राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी में बन रही रणनीति

कमलनाथ पर दांव लगा सकती हैं कांग्रेस

● भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।

मप्र में राज्यसभा की 3 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए भी हलचल तेज है। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस विधायकों की क्रॉस वोटिंग रोकने की है। पार्टी आलाक्रमान मप्र से कांग्रेस के खाते में आने वाली इस इकलौती सीट को लेकर किसी भी तरह का जोखिम लेने के मूड में नहीं है। इसी रणनीति के तहत पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को मध्यप्रदेश से राज्यसभा भेजे जाने की चर्चा तेज हो गई है।

पार्टी नेतृत्व को भी आशंका है कि मप्र में विधायकों में असंतोष की स्थिति बनी हुई है। इसका असर मतदान के दौरान दिख सकता है। ऐसे में एक मजबूत, प्रभावशाली चेहरे को उम्मीदवार बनाकर विधायकों को एकजुट रखने की कोशिश की जा रही है। कमलनाथ का नाम इसी कारण आगे आया है। कमलनाथ को राज्यसभा भेजने से पार्टी आलाकमान प्रदेश संगठन को यह संदेश भी देना चाहता है कि प्रदेश कांग्रेस में सब ठीकठाक है। साथ ही, यह कदम उन विधायकों को साधने में भी मददगार हो सकता है, जो हाल के दिनों में मप्र कांग्रेस के नेताओं से असहज नजर आए हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर पार्टी की ओर से अभी तक कोई नाम तय नहीं किया गया है। जिस तरह लगातार फीडबैक लिया जा रहा है, उससे साफ है कि इस बार उम्मीदवार चयन में सावधानी बरती जाएगी। अभी तक चर्चा में जो नाम सामने आए हैं उनमें सबसे मजबूत दावेदारी पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन रही है।

सरकार की महत्वाकांक्षी कामधेनु योजना के तहत आए आवेदनों से हुआ खुलासा

गाय नहीं, भैंसों पर भरोसा जता रहे मप्र के किसान

● भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।

दुग्ध उत्पादन और पशुपालन के क्षेत्र में मप्र के किसानों का मिजाज तेजी से बदल रहा है। आज के दौर में जहां गायों की उन्नत नस्लें जैसे साहीवाल या गिर बेहतरीन दुग्ध उत्पादन के लिए जानी जाती हैं, लेकिन प्रदेश के किसान इन सभी उन्नत नस्लों की गायों को छोड़ दूध उत्पादन के लिए भैंस पालने को ही तरजीह दे रहे हैं। इस रोचक तथ्य का खुलासा सरकार की महत्वाकांक्षी डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के तहत आए आवेदनों से हुआ है। कई जिलों में पशुपालन के लिए ऋण लेने के लिए आवेदन करने वाले शत-प्रतिशत किसानों ने केवल भैंस पालन में ही रुचि दिखाई है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें डेयरी उद्योग से जोड़ा जा रहा है। प्रदेश में डेयरी उद्योग को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अप्रैल 2025 से शुरू की गई डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना में बैंक बड़ी बाधा बन रही है। राज्य सरकार इस योजना के तहत 33 फीसदी की सब्सिडी पर 42 लाख तक की राशि उपलब्ध करा रही है, लेकिन हितग्राहियों को बैंक से लोन सेंशन कराने में विभाग के पसीने छूट रहे हैं। पिछले 10 माह में इस योजना के तहत बैंकों से सिर्फ दो दर्जन लोगों को ही लोन दिया जा सका है। जिन लोगों को लोन दिया गया है उनमें से अधिकांश ने भैंसों पर ही भरोसा जताया है।

इसलिए भैंस पहली पसंद

पशुपालकों के बीच भैंस की लोकप्रियता के पीछे मुख्य रूप से तीन कारण सामने आए हैं। पहला दूध में फैट की मात्रा। प्रदेश के स्थानीय बाजारों में दूध की कीमत अक्सर उसमें मौजूद फैट (वसा) के आधार पर तय होती है। भैंस के दूध में गाय की तुलना में अधिक फैट होता है, जिससे किसानों को बेहतर दाम मिलते हैं। दूसरा स्थानीय मांग। दरअसल, हलवाई, डेयरी संचालक और आम घरों में मावा और पनीर बनाने के लिए भैंस के गाढ़े दूध की मांग अधिक रहती है।तीसरा देखभाल और पारंपरिक सोच। प्रदेश के किसानों का मानना है कि भैंसों का प्रबंधन और उनका दूध बेचना स्थानीय परिस्थितियों में अधिक लाभदायक और आसान है।

33 फीसदी तक दिया जा रहा अनुदान

इस योजना में डेयरी उद्योग के लिए राज्य सरकार द्वारा 42 लाख रुपए तक का लोन और 33 फीसदी तक सब्सिडी दी जा रही है। इस योजना में 25 देसी गाय की नस्ल के पशु (एक यूनिट) की डेयरी स्थापित करने के लिए 36 लाख रुपए का लोन दिया जाता है। जबकी क्रॉसब्रीड, हाईब्रिड और भैंस की एक यूनिट के लिए 42 लाख रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें सामान्य और ओबीसी वर्ग को 25 फीसदी का अनुदान और अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए 33 फीसदी का अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना के लिए लाभार्थी के पास कम से कम खुद या परिवार के नाम साढ़े 3 एकड़ भूमि होना आवश्यक है। इसके बाद तीन किस्तों में लोन की राशि दी जाती है।

मप्र में सबसे ज्यादा टैक्स देते हैं कुंडम के ग्रामीण!

● भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।

अक्सर सुर्खियों में खबरें आती हैं कि बड़े-बड़े रसूखदार और अमीर लोग टैक्स चोरी के रास्ते तलाशते हैं। लेकिन, मध्य प्रदेश के जबलपुर के एक बेहद पिछड़े और आदिवासी बाहुल्य ब्लॉक कुंडम के ग्रामीणों ने ईमानदारी की ऐसी मिसाल पेश की कि पूरा प्रदेश दंग है। कुंडम के ग्रामीण एमपी में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले ग्रामीण बनकर सामने आए हैं। दरअसल, देश में साल 1992 में 73वां संविधान संशोधन लाया गया था, जिसे 24 अप्रैल 1993 को लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य 'आत्मनिर्भर पंचायत' और 'ग्राम सरकार' की स्थापना करना था। मध्य प्रदेश ने इस दिशा में साल 2022 के पंचायत चुनाव के बाद से एक क्रांतिकारी शुरुआत की। पूरे प्रदेश के पंचायत कर्मियों को ट्रेनिंग दी गई ताकि वे नगर निगमों की तरह अपना रेवेन्यू खुद जनरेट कर सकें।

अमीरों को आईना दिखा रहे आदिवासी

नाममात्र का टैक्स

प्रशासन ने टैक्स की दरें इतनी कम रखी हैं कि किसी पर बोझ न पड़े। 1 लाख की संपत्ति पर मात्र 200 रुपये का सालाना टैक्स देना होता है। जिला प्रशासन ने एसएआरडी संस्था के जरिए जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाई, जिसका असर अब दिखने लगा है। इस मुहिम में केवल छोटे घर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित बड़े व्यावसायिक संस्थान भी भागीदार बने हैं।

रिहायशी एरिया और व्यवसायिक एरिया से कलेक्शन

उन्होंने बताया कि दो तरह की रणनीति अपनाई। जहां रिहायशी एरिया में मकानों पर बहुत कम टैक्स रखा गया, जबकि व्यावसायिक एरिया के ग्रामीण इलाकों में स्थित होटल, फार्महाउस, वेयरहाउस और अन्य कमर्शियल सेंटरों को अभियान से जोड़ा गया। बहरहाल आज यहां की पंचायतों के पास अपना बजट है, जिसे वे बिना किसी भ्रष्टाचार के अपने गांव को संवार सकती हैं। उन्होंने बताया कि पंचायती राज कानून के तहत ग्राम पंचायतों को 12 अलग-अलग प्रकार के टैक्स वसूलने का अधिकार है।

मप्र में जबलपुर सबसे आगे, आधे से ज्यादा टैक्सपेयर्स

जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत ने लोकल 18 से बताया कि पंचायत दर्पण पोर्टल के आंकड़े बताते हैं कि इस अभियान में जबलपुर ने बाकी जिलों को मीलों पीछे छोड़ दिया है। मध्यप्रदेश में अब तक कुल 65 हजार लोगों ने ग्रामीण संपत्ति कर जमा किया है, जिससे करीब 3.50 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। प्रदेश के कुल 65 हजार ग्रामीण संपत्ति कर जमा करने वालों में 34 हजार अकेले जबलपुर के हैं। संख्या के मामले में आदिवासी ब्लॉक कुंडम नंबर-1 है। टैक्स के रूप में सबसे ज्यादा पैसा जमा करने में जबलपुर ब्लॉक पूरे मध्य प्रदेश में आगे है।

छत्तीसगढ़

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की आपराधिक अपील को किया खारिज, कहा-

लिमिटेशन कानून का करना होगा पालन

बिलासपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में राज्य शासन द्वारा दायर आपराधिक अपील को केवल देरी के आधार पर खारिज कर दिया. कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि विभागीय प्रक्रिया का हवाला देकर लंबी देरी को उचित नहीं ठहराया जा सकता. इस मामले में राज्य शासन ने कोरबा के विशेष न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें आरोपी संजय कुमार यादव (34 वर्ष) को आरोपों से मुक्त (डिस्चार्ज) कर दिया गया था. यह आदेश 15 अप्रैल को विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट), कोरबा द्वारा पारित किया गया था. प्रकरण में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 तथा एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(आर) व

3(1)(एस) के तहत अपराध दर्ज था. यह मामला कोरबा जिले के अजाक थाना में दर्ज अपराध से संबंधित है. विशेष न्यायालय ने साक्ष्यों के अभाव में आरोपी को आरोपों से मुक्त कर दिया था, जिसके खिलाफ राज्य ने हाईकोर्ट में अपील दायर की. राज्य की ओर से दायर अपील में 108 दिन की देरी हुई थी. राज्य के वकील ने तर्क दिया कि फाइल प्रक्रिया, विधि एवं विधायी कार्य विभाग से अनुमोदन, तथा महाधिवक्ता से राय लेने में समय लगने के कारण देरी हुई, जो जानबूझकर नहीं थी. मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति संजय कुमार जायसवाल ने कहा कि, केवल विभागीय प्रक्रिया का हवाला देकर देरी को माफ नहीं किया जा सकता. राज्य को भी लिमिटेशन कानून का पालन करना होगा. सरकारी अधिकारियों की लापरवाही या ढिलाई को उचित कारण नहीं माना जा सकता. कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि राज्य को किसी प्रकार की विशेष छूट नहीं दी जा सकती. हाईकोर्ट ने स्टेट ऑफ मध्यप्रदेश बनाम रामकुमार चौधरी (2024) मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी अत्यधिक देरी पर सख्त रुख अपनाया है और 1788 दिनों की देरी वाली अपील को खारिज कर दिया था.

कांग्रेस नेत्री कमल झज्ज का महामंत्री पद से इस्तीफा, हाल ही में हुई थी नियुक्ति

जगदलपुर, प्रातःकिरण। बस्तर में कांग्रेस के अंदर एक बार फिर अंदरूनी कलह सामने आई है, जहां कांग्रेस नेत्री कमल झज्ज ने महामंत्री पद से इस्तीफा दिया है। बता दें कि विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी ने कमल झज्ज को निष्कासित किया था। हाल ही में उन्हें पुनः बहाल करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी में महामंत्री नियुक्त किया गया था। निजी अस्वस्थता को कारण बताते हुए उन्होंने बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष को अपना इस्तीफा दिया है।

डीएड अभ्यर्थियों के आमरण अनशन का 112वां दिन

अंबेडकर जयंती पर निकाली संविधान रैली को गेट पर ही पुलिस ने रोका

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए सहायक शिक्षक पद पर नियुक्ति की मांग को लेकर डीएड अभ्यर्थी चार महीने से आमरण अनशन पर हैं। अंबेडकर जयंती पर मंगलवार को अभ्यर्थियों ने संविधान रैली निकाली, जिसे पुलिस ने धरना स्थल के गेट पर ही रोक दिया। इस दौरान डीएड अभ्यर्थियों ने कहा कि जब तक 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति नहीं दी जाती तब तक उनका आंदोलन और आमरण अनशन जारी रहेगा।

बता दें कि छत्तीसगढ़ के डीएड अभ्यर्थियों द्वारा अपनी वैध नियुक्ति की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन आमरण अनशन आज 112वें दिन में प्रवेश कर चुका है। यह संघर्ष शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से लगातार जारी है, लेकिन अब तक शासन-प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

अबूझमाड़ की बदली तकदीर — **अब ट्रैक्टर से घर तक पहुंच रही जिंदगी की राहत**

कभी 50 किमी पैदल चलकर मिलता था राशन आधा ले जाते थे नक्सली

नारायणपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

घने जंगलों, ऊंचे पहाड़ों और उफनते नदी-नालों के बीच बसा अबूझमाड़ एक ऐसा इलाका, जो दशकों तक देश के नक्शे पर होते हुए भी विकास की रोशनी से अछूता रहा। यह वही जमीन है, जहां वर्षों तक बंदूक की आवाज ने शासन की आवाज को दबा दिया था, जहां नक्सलियों की समानांतर सरकार चलती थी और जहां एक-एक दाना अनाज भी संघर्ष की कहानी कहता था। लेकिन अब तस्वीर बदल रही हैज और यह बदलाव सिर्फ आंकड़ों में नहीं, बल्कि ग्रामीणों की आंखों में लौट आई उम्मीद, चेहरे पर आई मुस्कान और जीवन में आई सहजता में साफ झलकता है।

अबूझमाड़ का नाम सुनते ही एक ऐसा भूगोल सामने आता है, जहां पहुंचना ही किसी चुनौती से कम नहीं। बीते पांच दशकों तक यह इलाका नक्सल प्रभाव के सबसे गहरे साये में रहा। नक्सलियों ने यहां विकास को जड़ से रोक रखा था,सड़क, पुल, स्कूल, राशन दुकान हर सुविधा पर जैसे बंदूक की पहरेदारी थी।यदि कहीं सड़क या पुलिया बनने की कोशिश होती, तो आईईडी लगाकर उसे उड़ा दिया जाता। प्रशासन की पहुंच लगभग शून्य थी और ग्रामीण अपने ही देश में मानो अलग-थलग पड़ गए थे। 35 किलो चावल के लिए 50 से 60 किलोमीटर का पैदल सफर और 2 से 3 दिन का

समय,कंधों पर बोझ, पैरों में छाले और मन में डर,ग्रामीण बताते हैं कि कई बार उन्हें नदी-नाले पार करते हुए जान का जोखिम उठाना पड़ता था। और जब किसी तरह राशन लेकर गांव पहुंचते, तो उसमें से भी लगभग आधा हिस्सा नक्सलियों को देना पड़ता था। यानी भूख से लड़ते इंसान से उसका हक भी छीन लिया जाता था।

ऐसा ही एक गाँव है ढोढरबेड़ा जो गवाह है उस दौर का,जिला मुख्यालय से करीब 85 किलोमीटर दूर स्थित ढोढरबेड़ा गांव आज भी उस दर्दनाक अतीत की कहानी अपने भीतर समेटे हुए है।वर्ष 1997-98 में यहां पीडीएस गोदाम बनाया गया था,उम्मीद थी कि गांव आत्मनिर्भर होगा, लोगों को राहत मिलेगी।लेकिन नक्सलियों के बढ़ते दबाव और खतरे के कारण महज दो वर्षों में ही यह गोदाम बंद हो गया। इसके बाद ग्रामीणों को 20 किलोमीटर दूर ओरछा ब्लॉक मुख्यालय तक पैदल जाना पड़ता था। रास्ते में नक्सलियों का डर, वापसी में भारी बोझ और अंत में उस राशन का भी एक बड़ा हिस्सा नक्सलियों को सौंपना पड़ता था।

आज भी ढोढरबेड़ा के पीडीएस गोदाम की दीवारों पर लिखे नक्सली नारे और चुनाव बहिष्कार जैसे संदेश उस काले दौर की खामोश गवाही देते हैं। वहीं सुरक्षा, संकल्प और सिस्टम अचानक बदलाव नहीं आया, इसके पीछे है,सुरक्षा बलों का लगातार बढ़ता दायरा, पुलिस कैंपों की स्थापना, और शासन-प्रशासन की सक्रिय एवं संवेदनशील पहल।केंद्र सरकार की नक्सल मुक्त भारत की रणनीति और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के स्पष्ट संकल्प ने जमीनी स्तर पर असर दिखाना शुरू किया है।

सुरक्षा बलों ने न सिर्फ नक्सलियों के प्रभाव को कमजोर किया, बल्कि उन इलाकों में भरोसा भी कायम किया, जहां पहले सिर्फ डर था। और नारायणपुर कलेक्टर नम्रता जैन की पहल ने इस बदलाव को गति दी। अब पीडीएस गोदाम से राशन ट्रैक्टर के जरिए सीधे गांवों तक पहुंचाया जा रहा है।

आज स्थिति यह है कि अबूझमाड़ के 18 से अधिक गांवों में ट्रैक्टर से राशन वितरण हो रहा है। जिन गांवों में कभी सचिव तक नहीं पहुंच पाता था, वहां अब सरकारी योजनाएं दस्तक दे रही हैं।इसके साथ ही कई स्थानों पर नए पीडीएस गोदामों का निर्माण भी जारी है, ताकि आने वाले समय में यह व्यवस्था और मजबूत हो सके।

रात के अंधेरे में पुराने पुल में लगे पोल की चोरी कर रहे थे चोर, ग्रामीणों ने खदेड़ा

गरियाबंद, प्रातःकिरण संवाददाता।

चोरों ने रात के अंधेरे में पीडब्ल्यूडी के पुराने पुल से पोल की चोरी की कोशिश की। गनीमत रही कि समय रहते ग्रामीणों की नजर उन पर पड़ गई और चोरी की इस कोशिश को नाकाम कर दिया। लेकिन घटना के दो दिन बाद भी कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिल रही है, वहीं पुलिस कार्रवाई के लिए लिखित शिकायत का इंतजार कर रही है। जिला मुख्यालय से 2 किमी दूरी पर स्थित ग्राम सढोली आमदी के बीच नाले पर स्थित पुराने पुलिया में लगे पोल (दोम) की चोरी की कोशिश हुई थी। शनिवार रात करीबन 10 बजे 2 ट्रैक्टर में दो दोम को फोकलेन मशीन से लाद दिया गया। चोरों को हरकत को देखते हुए ग्रामीण सड़क पर एकत्रित हो गए। दोम लदा ट्रैक्टर बाहर आया तो ग्रामीणों की भीड़ ने उसे रोक लिया। मौजूद चालकों ने इसे सढौली से लगे बृंदावन कृषि फार्म में ले जाना बताया। ग्रामीणों को गड़बड़ी की शक तब हुई जब विभाग के अनुमति लेकर इसे ले जाने की दलील दी गई। ग्रामीणों का तर्क था कि अगर यह वैधानिक कार्य होता तो दिन में होता, दूसरा तथ्य यह था कि काम में स्थानीय ट्रैक्टर के बजाए धमतरी जिले के ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया। पुल अनुपयोगी था, पर पुराना पोल काम का था, वर्तमान में एक पोल की लागत लगभग 10 हजार है।

देश दुनिया की ताजा खबरे पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
www.pratahkiranlive.com @ pratahkiran

सुरों की अमर सरगमः आशा भोसले का अविस्मरणीय, अनूठा और यादगार सफर

सुनील कुमार महला

मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले का 12 अप्रैल 2026 को 92 वर्ष की आयु में कार्डियक अरेस्ट के कारण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार चेस्ट इंफेक्शन और अत्यधिक थकान के कारण उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उनके निधन के साथ ही हिंदी सिनेमा का एक स्वर्णिम और सुरम्य अध्याय समाप्त हो गया। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर, जिन्हें ह्यभारत कोकिला/स्वर कोकिलाह्व कहा जाता है, का निधन 6 फरवरी 2022 को रविवार के दिन, 92 वर्ष की आयु में इसी अस्पताल में हुआ था। एक मार्मिक संयोग यह भी रहा कि ठीक लगभग चार वर्ष बाद, 22 अप्रैल 2026 को रविवार के दिन ही आशा भोसले ने भी 92वें वर्ष में उसी अस्पताल में अंतिम सांस ली। 8 सितम्बर 1933 को सांगली (महाराष्ट्र) में जन्मी आशा जी, महान शास्त्रीय गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। उनके परिवार में उषा मंगेशकर, मीना खाडिकर और हृदयनाथ मंगेशकर जैसे प्रतिभाशाली सदस्य भी संगीत साधना से जुड़े रहे। पिता के असमय निधन के बाद उन्होंने बहुत कम उम्र में ही परिवार की जिम्मेदारियां संभालीं और परिस्थितियोंवश गायन को अपनाया-इसी कारण वे स्वयं को एक्सीडेंटल सिंगर भी कहा करती थीं। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि अपने विलक्षण और दीर्घ करियर में आशा भोसले ने 20 से अधिक भाषाओं में लगभग 12,000 से भी अधिक गीत गाए और 1000 से अधिक फिल्मों में अपनी आवाज दी और इस अद्वितीय, अनूठी व शानदार उपलब्धि के लिए वर्ष 2011 में उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। शास्त्रीय संगीत की सुदृढ़ नींव पर आधारित उनकी गायकी ने गजल, भजन, पॉप, कैबरे और पश्चिमी संगीत तक हर विधा में अपना जादू बिखेरा। उनकी वॉइस मॉड्यूलेशन की अद्भुत क्षमता-भाव, लय और शब्द के अनुरूप आवाज को ढाल लेने की कला-उन्हें अपने समय की सबसे बहुमुखी और प्रयोगशील गायिकाओं में स्थापित करती है। उनके निजी जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए। उनका पहला विवाह गणपत राव भोसले से हुआ, जो सफल नहीं रहा। बाद में उन्होंने 1980 में प्रसिद्ध संगीतकार आर. डी. बर्मन (पंचम दा) से विवाह किया। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि पंचम दा उनसे लगभग छह वर्ष छोटे थे। वे पहली बार आशा जी से ऑटोग्राफ लेने आए थे और बाद में विवाह का प्रस्ताव रखा। प्रारंभ में आशा जी ने इसे अस्वीकार किया, किंतु अंततः यह संबंध जीवन और संगीत-दोनों में अमर सिद्ध हुआ। इस जोड़ी ने हिंदी फिल्म संगीत को अनेक कालजयी गीत दिए। इसके अतिरिक्त, संगीतकार ओ. पी. नैयर के साथ उनकी जोड़ी भी अत्यंत लोकप्रिय रही; नैयर साहब उनकी आवाज की ह्यअदाह्व और ह्यनमकह्व के इतने प्रशंसक थे कि उन्होंने कभी लता मंगेशकर से गीत नहीं गवाए। उल्लेखनीय है कि आशा भोसले को फिल्म उमराव जान (1981) की गजलों के लिए अपना पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिससे यह सिद्ध हो गया कि वे केवल चंचल या कैबरे गीतों तक सीमित नहीं थीं, बल्कि गंभीर और शास्त्रीय विधाओं में भी उतनी ही समर्थ थीं। इतना ही नहीं, वर्ष 2000 में उन्हें प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और वर्ष 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उन्होंने एस. डी. बर्मन, ए. आर. रहमान और किशोर कुमार जैसे महान कलाकारों के साथ अनगिनत लोकप्रिय गीत दिए। 62 वर्ष की आयु में फिल्म रंगीला के तन्हा तन्हा और रंगीला रे जैसे गीतों ने यह सिद्ध कर दिया कि उनकी आवाज में युवाओं जैसी ऊर्जा आजीवन बनी रही। आओ हुजूर तुमको (फिल्म किस्मत) जैसे गीतों में उनका सहज, बिना रिहर्सल का भाव-संयोजन आज भी मिसाल माना जाता है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि गायन के अतिरिक्त उन्होंने अभिनय (एक्टिंग) में भी रुचि दिखाई और 2013 में फिल्म माई से मुख्य अभिनेत्री के रूप में पदार्पण किया। वे उत्कृष्ट पाक-शैली की शौकीन थीं; उनका कहना था कि यदि वे गायिका न होतीं, तो एक बेहतरीन कुक बनतीं। कहते हैं कि उनके हाथ का कढ़ाई गोश्त और मछली किशोर कुमार और आर. डी. बर्मन जैसे दिग्गजों के बीच बेहद लोकप्रिय था। उनके नाम से आशाज रेस्टोरेंट श्रृंखला दुबई, कुवैत, बहरीन और यूनाइटेड किंगडम में प्रसिद्ध रही, जो उनकी व्यावसायिक समझ का भी प्रमाण है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रेट ली के साथ उन्होंने-यू आर द वन फोर मी गीत गाया। वर्ष 2005 में- यू हैव स्टोलन माई हर्ट एल्बम क्रोनोस क्वार्टेट के साथ रिकॉर्ड किया, जो ग्रैमी पुरस्कारों के लिए नामांकित हुआ। यहां यह उल्लेखनीय है कि वे ग्रैमी के लिए नामांकित होने वाली अग्रणी भारतीय गायिकाओं में शामिल रहीं। उन्होंने अंग्रेजी, रूसी, मलय और चेक जैसी विदेशी भाषाओं में भी गीत गाए, जिनमें उनका उच्चारण अत्यंत सटीक था। साथ ही, वे मिमिक्री कला में भी निपुण थीं। उनका व्यक्तिगत जीवन भी गहरे दुखों से गुजरा।

भारतीय पार्श्व गायन की बेजोड़ मलिका आशा भोसले

आशालाता गणपत भोसले (जन्म आशालाता दीनानाथ मंगेशकर; 8 सितंबर 1933 12 अप्रैल 2026) एक भारतीय पार्श्व गायिका, व्यवसायी, अभिनेत्री और टेलीविजन हस्ती थीं, जिन्होंने मुख्य रूप से भारतीय सिनेमा में काम किया। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली, उन्हें मीडिया में हिंदी सिनेमा की सबसे महान और सबसे प्रभावशाली गायिकाओं में से एक के रूप में वर्णित किया गया था। आठ दशकों से अधिक के अपने करियर में, उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों और एल्बमों के लिए गाने रिकॉर्ड किए और कई पुरस्कार जीते, जिनमें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार इज्रखअ पुरस्कार, अठारह महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार, नौ फिल्मफेयर पुरस्कार (एक लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित) और सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए रिकॉर्ड सात फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं; इसके अलावा उन्हें दो ग्रैमी नामांकन भी मिले। वर्ष 2000 में, उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो सिनेमा के क्षेत्र में भारत का सर्वोच्च पुरस्कार है। वर्ष 2008 में, भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया, जो देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने वर्ष 2011 में उन्हें संगीत के इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली कलाकार के रूप में मान्यता दी।

संजय गोस्वामी

(लेखक)

आशा भोंसले ने अपने जीवन में निजी त्रासदियों, विशेषकर अपने बच्चों के निधन (2012 में बेटी वर्षा और 2015 में बेटे आनंद) के बाद, अकेलेपन और दुख से उबरने के लिए ईश्वर और आध्यात्मिकता का सहारा लिया। उन्होंने भक्ति संगीत में शांति पाई और ध्यान व क्रिया का नियमित अभ्यास किया।आशालाता गणपत भोसले (जन्म आशालाता दीनानाथ मंगेशकर; 8 सितंबर 1933 12 अप्रैल 2026) एक भारतीय पार्श्व गायिका, व्यवसायी, अभिनेत्री और टेलीविजन हस्ती थीं, जिन्होंने मुख्य रूप से भारतीय सिनेमा में काम किया। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली, उन्हें मीडिया में हिंदी सिनेमा की सबसे महान और सबसे प्रभावशाली गायिकाओं में से एक के रूप में वर्णित किया गया था। आठ दशकों से अधिक के अपने करियर में, उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों और एल्बमों के लिए गाने रिकॉर्ड किए और कई पुरस्कार जीते, जिनमें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार इज्रखअ पुरस्कार, अठारह महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार, नौ फिल्मफेयर पुरस्कार (एक लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित) और सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए रिकॉर्ड सात फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं; इसके अलावा उन्हें दो ग्रैमी नामांकन भी मिले। वर्ष 2000 में, उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो सिनेमा के क्षेत्र में भारत का सर्वोच्च पुरस्कार है। वर्ष 2008 में, भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया, जो देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने वर्ष 2011 में उन्हें संगीत के इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली कलाकार के रूप में मान्यता दी। भोसले पार्श्व गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं और प्रतिष्ठित मंगेशकर परिवार से ताल्लुक रखती थीं। अपनी सोप्रानो (ऊंची) आवाज की रेंज के लिए मशहूर और अक्सर अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए सराही जाने वाली, उनके काम में फिल्मी संगीत, पॉप, गजल, भजन, पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक गीत, कव्वाली और रवींद्र संगीत शामिल थे। हिंदी के अलावा, उन्होंने 20 से अधिक भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गाए थे। वर्ष 2013 में, उन्होंने माई (ह्रं) फिल्म में एक अभिनेत्री के रूप में अपना डेब्यू किया और अपने अभिनय के लिए आलोचकों की प्रशंसा प्राप्त की। वर्ष 2006 में, उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने करियर में 12,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए हैं, एक ऐसा आंकड़ा जिसे कई अन्य स्रोतों द्वारा भी दोहराया गया है। शुरूआती जीवन में आशा लता दीनानाथ मंगेशकर का जन्म सांगली के छोटे से गाँव गोअर में हुआ था। उस समय यह सांगली रियासत (अब महाराष्ट्र में) का हिस्सा था। उनका जन्म पंडित दीनानाथ मंगेशकर के संगीत-प्रेमी परिवार में हुआ था; दीनानाथ मराठी और कोंकणी मूल के थे, और उनकी पत्नी शेवंती गुजराती थीं। दीनानाथ मराठी संगीत मंच के एक अभिनेता और शास्त्रीय गायक थे। जब भोसले नौ साल की थीं, तब उनके पिता का निधन हो गया। इसके बाद उनका परिवार पुणे से कोल्हापुर और फिर मुंबई चला गया। अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए उन्होंने और उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर ने फि ल्मों में गाना और अभिनय करना शुरू कर दिया। उन्होंने अपना पहला फि ल्मी गीत चला चला नव बाला 1943 में आई मराठी फि ल्म माझा बाल के लिए गाया था। इस फि ल्म का संगीत दत्ता दावजेकर ने तैयार किया था। हिंदी फि ल्मों में उनकी शुरूआत तब हुई, जब उन्होंने हंसराज बहल की फि ल्म चुनरिया (1948) के लिए सावन आया गीत गाया; हालाँकि, उसी साल चुनरिया से पहले एक और फि ल्म अंधों की दुनिया रिलीज हुई थी; इन दोनों ही फि ल्मों में उन्होंने तीन-तीन गीत गाए थे। उनका पहला एकल हिंदी फि ल्मी गीत फि ल्म रात की रानी (1949) के लिए था। असमिया फि ल्मों में उनकी शुरूआत 1969 में हुई, जब उन्होंने किशोर कुमार और डॉ. भूपेन हजारिका के साथ मिलकर फि ल्म सिकिमिकि बिजुली के लिए पोखिराज घोरा गीत गाया।भोसले खुद को एक इत्तेफाकी गायिका मानती थीं, जिन्होंने अपने पिता दीनानाथ मंगेशकर, उनके शिष्यों और अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर को गाते हुए ध्यान से सुनकर ही गाना सीखा था। उम्र चाहे जो भी रही हो, उन्होंने रोजाना रियाज (अभ्यास) करना कभी नहीं छोड़ा; उनका कहना था कि उनके लिए संगीत साँस लेने जितना ही जरूरी है।उनकी बहनें, लता और उषा मंगेशकर, भी पार्श्व गायिकाएँ रही हैं। उनकी बड़ी बहन मीना मंगेशकर और छोटे भाई हृदयनाथ मंगेशकर संगीत निर्देशक हैं।1940 के दशक के आखिर से लेकर 1950 के दशक की शुरूआत तक, गीता दत्त, शमशाद बेगम और लता मंगेशकर जैसी जानी-मानी पार्श्व गायिकाओं का ही बोलबाला था; वे ही फि ल्मों की मुख्य अभिनेत्रियों और बड़ी फि ल्मों के लिए गाने गाती थीं। 1950 के दशक में, भोसले ने हिंदी फि ल्मों में ज्यादातर प्लेबैक सिंगर्स से ज्यादा गाने गाए। इनमें से ज्यादातर गाने कम बजट वाली फि ल्मों में थे। उनके शुरूआती गाने ए. आर. कुरैशी, सज्जाद हुसैन, एस. मोहिंदर, सरदार मलिक, गुलाम मोहम्मद और कुछ अन्य लोगों ने कंपोज किए थे।[सज्जाद हुसैन द्वारा कंपोज की गई फि ल्म संगदिल (1952) में गाने से उन्हें काफी पहचान मिली। उसी साल, फि ल्म छम छमा छम में ओ. पी. नैयर के निर्देशन में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और उस फि ल्म के 11 में से 10 गाने गाए।

क्या सभ्यताओं का संघर्ष है अमेरिका+इजराइल-ईरान युद्ध ?

कुछ का मत है कि यह शस्त्र निमार्ता देशों द्वारा अपने हथियार बेचने व खपाने की खातिर लड़ा जा रहा युद्ध है। कुछ इस युद्ध को इस्राईल की गहरी चाल बता रहे हैं क्योंकि इस्राईल ईरान को अपने सपनों के ग्रेटर इस्राईल के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा समझता है। जबकि कुछ इस युद्ध को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े युद्ध के नजरिये से भी देख रहे हैं। तो क्या इस युद्ध को अन्य कारणों के अतिरिक्त ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े दो अलग अलग सभ्यताओं के संघर्ष की अवधारणा के रूप में भी देखा जा सकता है ? क्या है और कहाँ से शुरू हुई सभ्यताओं का संघर्ष की यह अवधारणा ? दरअसल सबसे पहले यह विचार सैमुअल पी. हंटिंगटन ने 1993 में फॉरेन अफेयर्स पत्रिका में प्रकाशित अपने लेख द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन ?ह्व के माध्यम से व्यक्त किये थे। बाद में उनके यही विचार 1996 में उनकी चर्चित पुस्तक द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन एंड द रिमेकिंग ऑफ वर्ल्ड आर्डर में प्रस्तुत किये गये। सैमुअल पी. हंटिंगटन राजनीति शास्त्र के एक प्रमुख अमेरिकी विद्वान और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थे।

तनवीर जाफरी

लेखक

अमेरिका -इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध को विश्व राजनीति में अनेक दृष्टिकोणों से परिभाषित किया जा रहा है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषकों की राय है कि यह युद्ध अमेरिका द्वारा विश्व की तेल संपदा पर नियंत्रण करने की एक जानी पहचानी चाल है जिसे ईरान पर परमाणु हथियार निर्मित करने के प्रयासों के बहाने युद्ध के रूप में अंजाम दिया जा रहा है। कुछ का मत है कि यह शस्त्र निमार्ता देशों द्वारा अपने हथियार बेचने व खपाने की खातिर लड़ा जा रहा युद्ध है। कुछ इस युद्ध को इस्राईल की गहरी चाल बता रहे हैं क्योंकि इस्राईल ईरान को अपने सपनों के ग्रेटर इस्राईल के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा समझता है। जबकि कुछ इस युद्ध को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े युद्ध के नजरिये से भी देख रहे हैं। तो क्या इस युद्ध को अन्य कारणों के अतिरिक्त ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े दो अलग अलग सभ्यताओं के संघर्ष की अवधारणा के रूप में भी देखा जा सकता है ? क्या है और कहाँ से शुरू हुई सभ्यताओं का संघर्ष की यह अवधारणा ? दरअसल सबसे पहले यह विचार सैमुअल पी. हंटिंगटन ने 1993 में फॉरेन अफेयर्स पत्रिका में प्रकाशित अपने लेख द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन ?ह्व के माध्यम से व्यक्त किये थे। बाद में उनके यही विचार 1996 में उनकी चर्चित पुस्तक द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन एंड द रिमेकिंग ऑफ वर्ल्ड आर्डर में प्रस्तुत किये गये। सैमुअल पी. हंटिंगटन राजनीति शास्त्र के एक प्रमुख अमेरिकी विद्वान और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थे। उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में लगभग 58 वर्ष तक अध्यापन का कार्य किया। सभ्यताओं के संघर्ष का सिद्धांत उन्हीं के द्वारा व्यक्त किया गया विचार है जिसे हंटिंगटन के सिद्धांत के रूप में भी जाना जाता है। यह थ्योरी अमेरिका में हुये 9/11 के हमलों के बाद और भी चर्चित हुई और आज भी अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में इसका समय समय पर जिक्र होता रहता है। वर्तमान अमेरिका -इस्राईल -ईरान युद्ध के दौरान इसतरह की चर्चा एक बार फिर तेज हो गयी है। तो क्या अमेरिका द्वारा मध्य एशिया पर थोपी गयी जंग को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ी दो अलग अलग सभ्यताओं के संघर्षह्व के रूप में परभाषित किया जा सकता है या परिभाषित किया जाना चाहिए ? सबसे पहले तो यदि मुख्य रूप से मध्य एशिया में युद्धरत इन तीन देशों को ही देखें तो ईरान जहाँ शिया मुस्लिम बाहुल्य देश है वहीं इस्राइल एक यहूदी बाहुल्य मुल्क है जबकि युद्ध में उसका मुख्य सहयोगी अमेरिका एक ईसाई देश है। परन्तु इन तीनों ही देशों की सेनाओं में प्रत्येक धर्मों के लोग देखे जा सकते हैं। जहाँ इस्राईल की सेना इस्राईल डिफेंस फोर्सेज क्व्व्ह्रमें आज भी अरब व ईसाई मूल के लोग बड़ी संख्या में स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं वहीं अमेरिका में भी हजारों मुस्लिम अमेरिकी सेना का हिस्सा हैं। यहाँ तक कि अमेरिका में कई महत्वपूर्ण अधिकारी स्तर के पदों पर भी कई मुस्लिम तैनात हैं। आई डी एफ व यू एस मिलिट्री दोनों ही जगह मुस्लिम सैनिकों को नमाज,रोजा व हलाल खाने जैसे सभी धार्मिक अधिकार व सुविधायें हासिल हैं। इसी तरह ईरान की सेना में भी ईसाई और यहूदी दोनों ही मूल के सैनिक कार्यरत हैं। वैसे भी चूँकि ईरान में 18 वर्ष से ऊपर के सभी पुरुष नागरिकों के लिए 2 साल की अनिवार्य सैन्य सेवा है, जिसमें ईसाई,आर्मेनियन और असिरियन, यहूदी और जोरोस्ट्रियन जैसे सभी मान्यता प्राप्त धार्मिक अल्पसंख्यक भी शामिल हैं। पिछले दिनों अमेरिका ईरान युद्ध के दौरान भी एक ईसाई ईरानी सैनिक के शहीद होने पर ईरानी सत्ता प्रमुख स्व सैय्यद अली खामनेई ने उस ईसाई फौजी अधिकारी के घर पहुंचकर उसके परिवार को सांत्वना दी थी जिसकी वीडिओ काफी वायरल हुई थी। अब यदि इसी मध्य एशिया युद्ध को और बड़े सन्दर्भ में देखें तो भी हमें ऐसा कुछ भी नजर नहीं आता जिससे इसे ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े सभ्यताओं के संघर्षह्व के रूप में वर्णित किया जा सके। वर्तमान ईरान यूएस इस्राईल युद्ध में ईरान को राजनयिक और राजनीतिक समर्थन देने वाले बड़े देशों में रूस का नाम प्रमुख रूप से लिया जा सकता है। रूस ने ईरान को वायु रक्षा, ड्रोन तकनीक और अन्य उपकरणों की आपूर्ति की जिससे ईरान को आत्मरक्षा में भी आसानी हुई और वह इस्राईल व अमेरिकी ठिकानों पर भी कारगर हमले कर सका। जबकि रूस में भी सबसे बड़ा धर्म ईसाई धर्म है। खास तौर पर यहां रूढ़िवादी ईसाई रूस की कुल आबादी का लगभग 60झ70% हैं। यदि यह युद्ध सभ्यताओं का संघर्ष होता तो उस लिहाज से रूस ईसाई बाहुल्य अमेरिका के साथ खड़ा नजर आता न कि मुस्लिम बाहुल्य देश ईरान के साथ ? इसी तरह चीन ने भी इस युद्ध के दौरान आयरन डोम से लेकर अत्याधुनिक संचार व सूचना प्रणाली तक सब कुछ मुहैय्या कराया। यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी रूस व चीन ईरान के साथ मजबूती से खड़े रहे। चीन भी आधिकारिक तौर पर एक नास्तिक व धर्म निरपेक्ष देश है परन्तु यहाँ सबसे बड़ी धार्मिक आबादी बौद्ध धर्म, ताओवाद और कन्फ्यूज़ियसवाद के अनुयायियों की है। इनमें से किसी वर्ग का इस्लाम से कोई मेल नहीं खाता। फिर भी चीन ईरान के साथ डटकर खड़ा रहा। इसके अतिरिक्त फ्रांस,स्पेन,इटली जैसे कई ईसाई बाहुल्य देशों ने ईरान पर अमेरिकी हमलों की आलोचना कर यह जता दिया कि यह ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ा दो अलग अलग सभ्यताओं का संघर्ष कतई नहीं। इसी तरह सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,बहरीन,कतर,कुवैत,जॉर्डन ,मिस्र व मोरक्को जैसे अनेक मुस्लिम बाहुल्य देशों ने परोक्ष या अपरोक्ष रूप से यहाँ तक कि अपने देशों में अमेरिकी व अन्य पश्चिमी देशों के सैन्य अड्डे उपलब्ध कराकर ईरान की खुलकर मुखालिफत भी की।

डॉ. अंबेडकरः जातियों के खांचों से कहीं बड़ा है इस राष्ट्र-शिल्पी का कद

दिलीप कुमार पाठक

प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल का सूर्य जब भारतीय क्षितिज पर उदय होता है, तो वह केवल एक महापुरुष की जन्मतिथि का संदेश नहीं लाता, बल्कि उस महान संकल्प का स्मरण कराता है जिसने आधुनिक भारत की नियति लिखी थी। डॉ. भीमराव अंबेडकर - एक ऐसा नाम, जो आज भारतीय जनमानस की चेतना में गहराई तक रचा-बसा है। देश के हर कस्बे और चौराहे पर उनकी प्रतिमाएं जीवंत हैं, नीले झंडे लहरा रहे हैं और जयकारों के स्वर आसमान छू रहे हैं। लेकिन, इस भव्य उत्सव और कोलाहल के बीच एक अत्यंत गंभीर और चुभता हुआ प्रश्न मौन खड़ा है क्या हमने वाकई उस इंसान को समझा, जिसने अपना पूरा जीवन न्याय, समता और मानवता की वेदी पर होम कर दिया? या फिर हमने अपनी सुविधा और संकुचित सोच के अनुसार उनकी विरासत के टुकड़े-टुकड़े कर दिए हैं?

डॉ. अंबेडकर की शख्सियत का असली करिश्मा उनकी अद्भुत विद्वत्ता, फौलादी इरादों और सबसे बढ़कर उनके अडिग नैतिक साहस में छिपा था। वे केवल एक संविधान निमार्ता या कानूनविद नहीं थे; वे एक ऐसे युगद्रष्टा थे जिनके पास भविष्य के भारत का पूर्ण खाका तैयार था। कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से शिक्षित उस व्यक्ति के पास दुनिया के किसी भी कोने में ऐश्वर्यपूर्ण जीवन जीने के विकल्प खुले थे, लेकिन उन्होंने उस कांटों भरे मार्ग को चुना जो अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की मुक्ति की ओर जाता था। उनके व्यक्तिगत जीवन में सामाजिक अपमान के अनगिनत गहरे घाव थे, लेकिन जब उन्हें देश का भाग्य लिखने की कलम मिली, तो उन्होंने बदला नहीं, बल्कि बदलाव की इबारत लिखी। उन्होंने एक ऐसी व्यवस्था की नींव रखी जहाँ किसी के साथ भी अन्याय न हो–चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या वर्ग का क्यों न हो। किन्तु, कड़वा सच तो यह है कि बाबा साहब की विराट विरासत के साथ सबसे बड़ा अन्याय यह हुआ कि उन्हें जातियों के खांचों में कैद करने की निरंतर कोशिश की गई। समाज का एक बड़ा हिस्सा उन्हें केवल एक विशिष्ट समुदाय का मसीहा मानकर अपनी भावनात्मक सीमाओं में सीमित कर बैठा। उन्होंने बाबा साहब को पूजा तो सही, लेकिन उनके उन तार्किक और प्रगतिशील विचारों को आचरण में नहीं उतारा जो अंधविश्वास और रूढ़ियों के कट्टर विरोधी थे। दूसरी ओर, मुख्यधारा के एक बड़े वर्ग ने दशकों तक उन्हें केवल दलितों का नेता मानकर उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखी। यह बौद्धिक दरिद्रता ही थी कि समाज यह नहीं समझ पाया कि डॉ. अंबेडकर द्वारा दिलाए गए अधिकार सार्वभौमिक थे। जब उन्होंने हिंदू कोड बिल के लिए अपनी कैबिनेट की कुर्सी दांव पर लगाई, तो उनका लक्ष्य समूचे भारत की नारी शक्ति को सशक्त बनाना था। अफसोस कि उन्हें एक पक्ष ने सिर्फ अपना माना और दूसरे ने पराया, जबकि वास्तविकता में वे पूरे राष्ट्र के थे। आज की समकालीन राजनीति में डॉ. अंबेडकर एक अनिवार्य प्रतीक बन चुके हैं। सत्ता की बिसात पर हर राजनीतिक दल उन्हें अपना बताने की होड़ में है, लेकिन यह लगाव सिद्धांतों से ज्यादा वोटबैंक के गणित से प्रेरित है। उनके नाम पर भव्य रैलियां और विज्ञापन तो बहुत हैं, पर क्या हम उनके शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के मंत्र को जी रहे हैं?

हिन्दू धर्म त्यागकर बौद्ध धर्म अंगीकार कर मैं बहुत प्रसन्न हूं : डॉ अम्बेडकर

एल.एस.हरदेनिया

मैं आज बहुत ही प्रफुल्लित हूं। मैं जरूरत से ज्यादा प्रसन्न हूं। मैंने जिस क्षण हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया है मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैंने नर्क से मुक्ति पा ली है। ये शब्द डॉ. अम्बेडकर के उस भाषण के हैं जो उन्होंने हिन्दू धर्म को त्यागकर बौद्ध धर्म को स्वीकार करते हुए दिया था। उन्होंने अपने भाषण में याद दिलाया कि सन 1935 में हमने हिन्दू धर्म त्यागने का आंदोलन प्रारंभ किया था। उसी दरम्यान मैंने यह फैसला किया था कि मैं हिन्दू पैदा हुआ था परंतु मैं हिन्दू के रूप में मरूंगा नहीं। मैंने कल यह सही साबित कर दिया। आज में अत्यंत प्रसन्न हूं। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैंने हिन्दू रूपी नर्क से मुक्ति पा ली है। नागपुर में सन 1956 के 15 अक्टूबर को अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ अम्बेडकर ने कहा ह्यह्यमुझे यह जानकर आश्चर्य है कि हर जगह यह बातचीत चल रही है कि मैं धर्म परिवर्तन कर रहा हूं। पर कोई यह नहीं पूछ रहा कि मैं हिन्दू धर्म छोड़कर कौनसा धर्म स्वीकार कर रहा हूं। मेरा उत्तर है कि मैं बौद्ध धर्म अंगीकार कर रहा हूं। मैं क्यों बौद्ध धर्म को स्वीकार कर रहा हूं? मैंने बहुत पहले हिन्दू धर्म त्यागने का निर्णय ले लिया था क्योंकि मैंने हिन्दू समाज में अत्यधिक अपमान का जीवन जिया था। मेरे पिता बहुत गरीब थे। शायद किसी और व्यक्ति ने इतना कठिन जीवन जिया हो जितना मैंने जिया। मैंने यह महसूस किया कि भैंस, बैल और इंसान में अंतर है। भैंस और बैल को प्रतिदिन भुसा चाहिए। खाना तो इंसान को भी चाहिए। परंतु एक अंतर है। वह यह कि इंसान के पास मस्तिष्क है। मस्तिष्क के विकास के लिए सांस्कृतिक वातावरण चाहिए। समाज में पूछा जाता है अरे यह महार है। यह नीच महार प्रथम दर्जा चाहता है। इसे तीसरे दर्जे में रहना चाहिए। प्रथम दर्जे में रहने का अधिकार तो ब्राम्हण को है। ऐसी स्थिति में महार का विकास कैसे हो सकता है। ऐसा वातावरण बना दिया गया जिसमें महार के दिमाग का विकास संभव नहीं। मेरा ही उदाहरण लें। मुझे स्कूल में बिना पानी के रहना पड़ता था। मैं एक ही कपड़े में स्कूल जाता था हिन्दू समाज को चार वर्णों में बांटा गया था। मनुस्मृति में ऐसा विभाजन किया गया है। हिन्दू समाज में जो हमें नीचे दर्जे में रखते हैं वे स्वयं भी एक दिन नष्ट हो जाते हैं। हिन्दू धर्म में रहकर कोई भी विकास नहीं कर सकता। वह धर्म ही ऐसा है जिसमें सभी के लिए विकास के दरवाजे बंद रहते हैं। हिन्दू धर्म विध्वंस का धर्म है। जब ब्राम्हण मां बच्चे को जन्म देती है तो सोचती है उसका बेटा जज बनेगा। परंतु जब महार मां बच्चे को जन्म देती है तो वह सोचती है कि उसका बच्चा सड़क झाड़ने वाला मेहतर बनेगा। वह सोच ही नहीं सकती कि उसका बच्च जज बनेगा। ईसाई धर्म बुनियादी रूप से गरीबों का धर्म है। इसी तरह बौद्ध धर्म महारों का धर्म है। ब्राम्हण लोग गौतम बुद्ध को ह्यवो गौतम कहकर पुकारते थे। हमने बौद्ध धर्म अंगीकार करके एक नया रास्ता, एक नई मंजिल पाई है। यह उच्चता प्राप्त करने और प्रगति का धर्म है। यह रास्ता बाहर से नहीं आया है। यह हमारे देश का है। यह पूर्ण रूप से भारतीय है। मैं कभी-कभी सोचता हूं कि हम बौद्ध क्यों नहीं। क्या कारण था कि बौद्ध धर्म के अनुयायी भारत से आगे चले गए। कुछ तिब्बत चले गए, कुछ चीन चले गए। बौद्ध धर्म अंगीकार करते हुए हमें याद रखना चाहिए कि सारी दुनिया बौद्ध धर्म का सम्मान करती है। अमरीका में बौद्ध धर्म की 2000 संस्थाएं हैं। इसी तरह इंग्लैंड और जर्मनी में भी बौद्ध धर्म की हजारों संस्थाएं हैं। बौद्ध धर्म की मौलिक नींव क्या है। बौद्ध धर्म और अन्य धर्मों में क्या अंतर है? अन्य धर्मों के अनुसार सब कुछ ईश्वर ने बनाया है, आकाश, चन्द्रमा, सूर्य सब कुछ ईश्वर ने बनाया है। हमने इंसान के लिए कुछ नहीं छोड़ा है। बौद्ध धर्म में ईश्वर और आत्मा का कोई स्थान नहीं है। बुद्ध के अनुसार सारी दुनिया में दुःख है। बौद्ध धर्म का काम सारी मानवता को दुःख से उबारना है। कार्ल मार्क्स भी यही कहते हैं। उन्होंने जो कहा वह बुद्ध ने जो कहा उससे भिन्न नहीं है। हिन्दू धर्म की रचना ऐसी है जिसके चलते पिछले हजार वर्षों में हमारी जाति में एक भी ग्रेजुएट पैदा नहीं हुआ। यहां तक कि मेरी जाति के लोगों को पानी पीने को भी नहीं मिलता था। पानी पीने के लिए हमें स्कूल के चपरासी का सहारा लेना पड़ता था। अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप बौद्ध धर्म का पालन ऐसे करें जिससे सब आपका सम्मान करें। आप लोग ऐसा कुछ न करें जिससे बौद्ध धर्म पर कोई आंच आए।

नीले रंग में रंगा भोपालः समता का दिया संदेश

बाबा साहेब की 135वीं जयंती पर उमड़ा जनसैलाब, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का हुआ आयोजन

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार को राजधानी भोपाल में हर्षोल्लास और वैचारिक गरिमा के साथ मनाई गई। बरखेड़ा से लेकर कोलार और शिवाजी नगर तक शहर का कोना-कोना 'जय भीम' के उद्घोष से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक संगठनों द्वारा रैली, माल्यार्पण, स्कॉलरशिप वितरण और विशेष व्याख्यान जैसे कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई।

भेल-सेवा द्वारा विशाल रैली और सम्मान समारोह

भेल एससी-एसटी एम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन (भेल-सेवा) द्वारा बरखेड़ा स्थित अंबेडकर भवन में सुबह 8 बजे बाबा साहेब की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके पश्चात एक विशाल रैली निकाली गई, जो कमला नेहरू उद्यान से होते हुए अंबेडकर उद्यान पहुंची। एसोसिएशन द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'अंबेडकर प्रतिभा परीक्षा 2026' के आधार पर 20 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप प्रदान की गई। साथ ही, समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सावित्रीबाई फुले, बिरसा मुंडा और अंबेडकर शिक्षा रत्न पुरस्कारों से नवाजा गया।

बच्चों के लिए सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित

शाम के सत्र में बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए विशेष आयोजन हुए। शाम 6 बजे से ड्राइंग प्रतियोगिता और 7:30 बजे से डांस प्रतियोगिता का फाइनल आयोजित किया गया, जिसमें नन्हे कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से बाबा साहेब के संदेशों को उकेरा।

विजेताओं को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किया

वैचारिक विमर्शः संघ और अंबेडकर शिवाजी नगर स्थित विश्व संवाद केंद्र में 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और डॉ. अंबेडकर' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता अशोक पांडेय ने बाबा साहेब और संघ के ऐतिहासिक संबंधों और राष्ट्र निर्माण में उनके साझा दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि प्रकाश बरतुनिया ने की। कोलार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने राजवीर बुद्ध विहार और ओम नगर स्थित अंबेडकर चौक पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया। सुबह 10 बजे कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

कोलार ब्लॉक कांग्रेस ने किया माल्यार्पण

भारतवर्ष के संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ बाबा साहब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कोलार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा राजवीर बुद्ध विहार,ओमनगर मे डॉ बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए एवं महिलाओं द्वारा वंदना कर आराधना की गई। इसके पश्चात सभी कांग्रेसजनों ने संविधान की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कोलार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़, पूर्व सरपंच मंगल सिंह यादव,राजवीर बुद्ध विहार के अध्यक्ष विनोद वासनिक,प्रदेश सचिव राजकुमार सिंह,चम्पालाल मीना, गायत्री प्रसाद शर्मा, नवल सोनी, विजय वर्मा, ओमप्रकाश अहिरवार, गुड्डू मनोहर, रत्ना ताई, शाहिद हुसैन, आनंद खरे, प्रवीण वर्मा, रघुनाथ चौरे, सुनील पाटिल सहित आमजन आदि उपस्थित थे।

कलेक्टरों के बाद अब पुलिस कप्तानों की बारी 14 जिलों के SP बदलेंगे

भोपाल, प्रातः किरण। मध्य प्रदेश में हाल ही में हुए 26 आईएएस अधिकारियों के तबादलों के बाद अब पुलिस विभाग में बड़ी हलचल शुरू हो गई है। प्रदेश सरकार त्योहारों का सीजन बीतते ही पुलिस महकमे में बड़ी प्रशासनिक स्ट्राइक के लिए पूरी तरह तैयार है। सूत्रों के अनुसार, करीब दो दर्जन जिलों के पुलिस अधीक्षकों (SP) की तबादला सूची फाइनल हो चुकी है और मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) की मुहर लगते ही आदेश जारी हो सकते हैं।

इन बड़े शहरों में बदलाव की संभावनाः संभावित सूची में ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर जैसे महानगरों के नाम प्रमुखता से शामिल हैं। इसके अलावा शाजापुर, शिवपुरी, डिंडौरी, मंडला, छतरपुर, बुरहानपुर, निवाड़ी, नीमच, दमोह, सिवनी और आगर मालवा के पुलिस अधीक्षकों को बदले जाने की संभावना है। शासन का मुख्य उद्देश्य कानून व्यवस्था को नए सिरे से प्रभावी बनाना है।

2020 बैच को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारीः इस फेरबदल में सबसे दिलचस्प पहलू 2020 बैच के युवा आईपीएस अधिकारियों का उदय है। वर्तमान में 2019 बैच के अधिकारी कमान संभाल रहे हैं, लेकिन नई सूची में 2020 बैच के कम से कम 5 अधिकारियों को पहली बार किसी जिले की कप्तानी सौंपी जा सकती है। साथ ही, कोर्ट के आदेश से 'प्रमोटी आईपीएस' बने अधिकारियों को भी मैदानी पोस्टिंग (Field Posting) मिलने की पूरी उम्मीद है। सूत्रों की मानें तो गृह विभाग ने सीएम सचिवालय के साथ समन्वय कर सूची को अंतिम रूप दे दिया है। किसी भी वक्त आधिकारिक राजपत्र में नामों की घोषणा की जा सकती है।

अम्बेडकर जयंती विशेष

भोपाल, प्रातः किरण। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर जी की जयंती पर मंगलवार को बोर्ड ऑफिस चौराहे स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, दिलीप अहिरवार, सांसद आलोक शर्मा, पार्टी के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश मंत्री राजेन्द्र सिंह राजपूत, महापौर मालती राय, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अंशुल तिवारी, पवन दुबे, चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल सिंह बघेल, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति एवं ननि अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

भोपाल, प्रातः किरण। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल एवं प्रदेश प्रवक्ता कल्पेश ठाकुर सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भोपाल, प्रातः किरण। मध्यप्रदेश विधानसभा परिसर स्थित मूर्ति प्रेरणा-स्थल पर भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की 136वीं जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि समारोह आयोजित हुआ, जिसमें विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

भोपाल. प्रातः किरण। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती पर मंगलवार को बैतूल स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस दौरान विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधाकर पंवार सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल, प्रातः किरण। भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर द्वारा विभिन्न स्थानों पर श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम आयोजित कर बाबा साहब को नमन किया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना के नेतृत्व में सर्वप्रथम लिली टॉकीज़ चौराहा स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इसके पश्चात बोर्ड ऑफिस चौराहा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।

भोपाल, प्रातः किरण। भारतरत्न डॉ. बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर जी की जयंती पर विधायक भगवानदास सबनानी ने दक्षिण-पश्चिम विधानसभा अंतर्गत अंबेडकर नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

MPPSC प्रीलिम्स 2026 में बड़े बदलाव

90 मिनट पहले पहुंचें, नेगेटिव मार्किंग भी होगी

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) की 2026 की प्रारंभिक परीक्षा इस बार कई बड़े बदलावों के साथ आयोजित होने जा रही है। आयोग ने परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नई गाइडलाइन जारी की है, जिसमें अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर अब 90 मिनट पहले पहुंचना अनिवार्य किया गया है। पहले यह समय 45 मिनट था।

नई व्यवस्था के तहत परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को थ्री लेयर सिक्योरिटी से गुजरना होगा। इसमें प्रत्येक उम्मीदवार की जांच में करीब 5 से 7 मिनट का समय लगेगा, इसी कारण प्रवेश समय बढ़ाया गया है। साथ ही परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले ही केंद्रों के गेट बंद कर दिए जाएंगे, जिससे देर से आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं मिलेगा। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए अब एंट्री के दौरान एडमिट कार्ड पर मौजूद QR कोड को स्कैन किया जाएगा, जिससे अभ्यर्थी की पूरी जानकारी तुरंत सामने आ जाएगी। इसके बाद बायोमैट्रिक सत्यापन के तहत आई स्कैन, फिंगरप्रिंट, फेस रिकग्निशन और डिजिटल सिग्नेचर की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अंत में मेटल डिटेक्टर और मैन्युअल तलाशी के जरिए फ्रिस्किंग की जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट अंदर न ले जाया जा सके। इस बार परीक्षा में एक और बड़ा बदलाव करते हुए पहली बार नेगेटिव मार्किंग लागू की गई है। अब हर गलत उत्तर के लिए 1/3 अंक काटे जाएंगे। यानी तीन गलत उत्तर एक सही उत्तर के बराबर अंक को खत्म कर देंगे। यह व्यवस्था 3R-W (3 मार्क्स सही, 1 गलत) प्रणाली के तहत लागू की गई है।

करीब 1 लाख 35 हजार आवेदन आए

परीक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि नेगेटिव मार्किंग से केवल गंभीर और अच्छी तैयारी करने वाले अभ्यर्थी ही आगे बढ़ पाएंगे, जबकि अनुमान के आधार पर जवाब देने वाले नॉन सीरियस कैंडिडेट्स शुरुआती चरण में ही बाहर हो जाएंगे। भर्ती प्रक्रिया के तहत राज्य सेवा परीक्षा के लिए 155 और राज्य वन सेवा के लिए 36 पद निर्धारित किए गए हैं। इस परीक्षा के लिए करीब 1 लाख 35 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। एडमिट कार्ड 16 अप्रैल से जारी किए जाएंगे, जबकि परीक्षा 26 अप्रैल को प्रदेश के 54 जिलों में आयोजित होगी। परीक्षा दो चरणों में होगी, जिसमें पहला पेपर सामान्य अध्ययन का सुबह 10 से 12 बजे तक और दूसरा पेपर सामान्य अभिरुचि का दोपहर 2:15 से 4:15 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोग के अधिकारियों का कहना है कि सभी परीक्षा केंद्रों पर एक समान सुरक्षा और जांच प्रक्रिया लागू की जाएगी, ताकि परीक्षा निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके।

6 हजार कर्मचारी करेंगे जनगणना

भोपाल। मध्य प्रदेश में 1 मई से जनगणना की शुरुआत होगी। यह जनगणना का पहला चरण रहेगा। जिसमें एक महीने तक मकान और परिवार से संबंधित 33 बिंदुओं पर जानकारी पूछी जाएगी। इस काम के लिए 6 हजार से ज्यादा कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो 25 जोन में काम करेंगे। इसे लेकर ट्रेनिंग भी हो चुकी है। जिला जनगणना अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया, जनगणना दो चरण में होगी। 1 से 30 मई तक मकान सूचीकरण का काम होगा। दूसरे फेज में अगले साल जनगणना का कार्य होगा। पहले चरण में ये पता लगाएंगे मकान नंबर, छत-दीवार कैसी है?, मकान की वर्तमान स्थिति, उसका उपयोग, घर में रहने वाले लोगों की संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, उसका लिंग, पेजयल का मुख्य स्रोत, शौचालय का प्रकार, गंदे पानी की निकासी, पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता, प्रकाश का मुख्य स्रोत, रेडियो या ट्रांजिस्टर,टेलीविजन इंटरनेट सुविधा है या नहीं, जानकारी लेंगे।

कहासुनी के बाद बदमाश ने कट्टे से किया हवाई फायर

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

भोपाल के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में एक मामूली विवाद ने अचानक खतरनाक रूप ले लिया, जब दो बदमाशों ने शराब दुकान के बाहर कट्टे से हवाई फायर कर इलाके में दहशत फैला दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि पुलिस ने मामला दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, अरविंद, जो नगर निगम में पदस्थ हैं, दोपहर के समय अपने एक परिचित की नमकीन दुकान पर बैठे हुए थे। यह दुकान बरखेड़ी स्थित शराब दुकान के बाहर है। इसी दौरान आसिम उर्फ डमरू अपने एक साथी के साथ वहां पहुंचा और दुकान से सामान खरीदा।

बताया जा रहा है कि सामान लेने के बाद किसी बात को लेकर अरविंद और आरोपियों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आसिम ने अपने पास रखे अवैध कट्टे से हवाई फायर कर दिया। अचानक हुई फायरिंग से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। गनीमत रही कि इस घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ।

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालेः घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए, जिनमें आरोपी फायरिंग करते हुए साफ नजर आ रहे हैं। पुलिस ने देर रात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

70 इलाकों में आज बिजली कटौती

भोपाल,प्रातः किरण। भोपाल के करीब 70 इलाकों में बुधवार को 4 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। जिन इलाकों में बिजली बंद रहेगी, उनमें रोहित नगर, बसंत विहार, तुलसी विहार, आदमपुर, कोकता, ट्रांसपोर्ट नगर, भानपुर, दामखेड़ा, कोलुआ, सेमरा, ट्रांसपोर्ट नगर, राजधानी परिसर समेत कई इलाके शामिल हैं।

इन इलाकों में पड़ेगा असरः सुबह 9.40 **से दोपहर 2 बजे तक** तुलसी विहार, वल्लभ नगर, लव-कुश नगर, सौम्या विहार, रचना विहार, अवंतिका क्रस्टल कैम्पस, कंचन नगर, आस्था विहार, सार्थक हाइट्स, तुलसी विहार-2, रीगल नेस्ट, सरला होम्स एवं आसपास के इलाके। **सुबह 10 से दोपहर 2 बजे** तक लाइफ स्टाइल ब्लू, त्रिभुवन, शिव आंगन, कैनाल किनशिप, आकृति ग्रीन, त्रिभुवन चौराहा (13 शटर दुकान), ई-2, ई-3, ई-4 एवं आसपास के क्षेत्र। **सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक** मालीपुरा, पीर गेट, लखेरापुरा, गुर्जरपुरा, नीम रोड, इमामी गेट, रेतघाट, सिंधी मार्केट, जुमेराती, अलीगंज, चौकी इमामबाड़ा, नूर महल रोड, कुम्हारपुरा, ओल्ड कबाड़खाना, जीएडी चौराहा एवं आसपास। **सुबह 10 से शाम 4 बजे** तक राजेंद्र नगर, करारिया, हरसिद्धी कैम्पस, द्वारका नगर, कृष्णा नगर, सेमरा, खेजड़ा, भानपुर, कोलुआ, दामखेड़ा, खुशीपुरा एवं आसपास। **सुबह 10 से शाम 4 बजे** तक आदमपुर, छावनी, दोबरा, चोर सगोनी, ओमेगा फार्म, कोकता, ट्रांसपोर्ट नगर, डायमंड सिटी, कस्तूरी कोर्टयार्ड, राजधानी परिसर एवं आसपास। **सुबह 11 से दोपहर 1 बजे** तक हेमू कलानी, स्कॉय ड्रीम, बसंत विहार, प्रियदर्शनी, रोहित नगर, रघुनाथ नगर, कम्फर्ट इन्क्लेव, फॉरच्यून सिग्नेचर, सांई आर्चेड, सांईराम हाइट्स, स्टॉर एवेन्यू, सुभालय कॉलोनी एवं आसपास के इलाके।

जनसंवाद

सीपी संजय कुमार ने थाना निशातपुरा क्षेत्र में किया जनसंवाद

पुलिस और नागरिकों के बीच साझेदारी जरूरी

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

सीपी संजय कुमार ने नटखट चौराहा थाना निशातपुरा क्षेत्र के नागरिकों से जनसंवाद कार्यक्रम में मुलाकात की। इस दौरान सीपी ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों और सुझावों को रखा।

पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएः शहर में नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए पुलिस पेट्रोलिंग और मूवमेंट बढ़ाने की बात कही।

असामाजिक गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाईः सैफिया कॉलेज ग्राउंड में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा और शराब तथा जुए की गतिविधियों की शिकायत मिल रही थी, इस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगे।

हटें अतिक्रमणः सड़क किनारे दुकानों और ठेलों द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण से ट्रैफिक में रुकावटें उत्पन्न हो रही हैं। इसे तत्काल हटाने की बात कही।

नटखट चौराहे पर एक्सीडेंट्सः नटखट चौराहे पर लगातार हो रहे एक्सीडेंट्स को देखते हुए ट्रैफिक कंट्रोल और सुरक्षा उपायों को बढ़ाने की बात कही। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने कहा नागरिकों के साथ पुलिस का व्यवहार विनम्र, संवेदनशील और सहयोगात्मक हो, ताकि जनता का विश्वास और सहयोग बढ़ सके।

तत्काल डायल 112 पर कॉल करने की सलाहः सीपी संजय कुमार ने नागरिकों को किसी भी अवैधानिक गतिविधि को देखने पर तुरंत डायल 112 पर सूचना देने सलाह दी। सीपी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों और सुझावों के निराकरण के निर्देश भी दिए।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस में राहुल गांधी को हटाने का माहौल बन रहा : सीएम फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस में उन्हें हटाने का माहौल बन रहा है, क्योंकि वह पार्टी को चुनाव में जीत नहीं दिला पा रहे हैं। फडणवीस ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि गांधी केवल अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं और अपने नेतृत्व को लगातार मिल रही हार से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। फडणवीस ने दावा किया, 'कांग्रेस में राहुल गांधी को हटाने का माहौल बन रहा है, क्योंकि वह पार्टी के लिए चुनावी जीत सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं।' उन्होंने कहा कि गांधी ने अपनी पार्टी के भीतर जारी संघर्ष से ध्यान हटाने के लिए ऐसे बयान दिए हैं। राहुल ने आरोप लगाए थे कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का उद्देश्य संविधान को खत्म करना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए। उन्होंने मंडी हाउस से 14 अप्रैल को भीमराव आंबेडकर की जयंती से पहले यहां 'रन फॉर आंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टीट्यूशन' मैराथन शुरू होने से पहले एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'आंबेडकर जी का मुख्य संदेश संविधान का था। संविधान के बिना जिसे हम भारत कहते हैं, वह नहीं होता। उन्होंने कहा था, 'आज जो लोग आरएसएस-भाजपा की सोच के हैं, वे संविधान को खत्म करना चाहते हैं। वे कुछ भी कहें, उनका असली उद्देश्य संविधान को मिटाना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए।' उन्होंने कहा, 'वे (आरएसएस-भाजपा) चाहे जो करें, वे आंबेडकर जी की प्रतिमा के सामने सिर भी झुकाते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य संविधान को खत्म करना है। हमारा उद्देश्य संविधान की रक्षा करना और उसे मजबूत करना है।'

बेटी की गर्दन फंसने से मौत, गुरुग्राम में खेल-खेल में चली गई जान

गुरुग्राम, एजेंसी। घर की दीवार की ग्रिल से साड़ी का झूला बनाकर गोल-गोल घूम रही 13 वर्षीय किशोरी का गला अचानक साड़ी में फंस गया। साड़ी से गला दबने से किशोरी की मौत हो गई। घटना सेक्टर-9 थाना क्षेत्र के देवीलाल कॉलोनी में रविवार शाम की है। किशोरी अपनी दो छोटी बहनों के साथ घर में खेल रही थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है। कई बार बच्चे घरों के पर्दे में लटक कर झूला झूलते हैं। इस तरह देवीलाल कॉलोनी में रहने वाली 13 साल की रानी कुमारी अपनी दो छोटी बहनों के साथ दीवार की ग्रिल में मां की साड़ी डालकर उससे लटककर गोल-गोल झूल रही थी। झूलते समय कब साड़ी उसकी गर्दन में लिपट गई, उसे पता नहीं चला। वहीं, हालत बिगड़ने पर परिवार के लोग उसे सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोरी के पिता सुरेश सिंह ने बताया कि वह मूल रूप से सीतामढ़ी जिले के रहने वाले हैं और कई सालों से देवीलाल कॉलोनी में किराए पर रहकर सिलाई का काम करते हैं। उनकी तीन बेटियां हैं। रविवार शाम तीनों घर में खेल रही थीं।

दलित छात्र की मौत पर गरमाई केरल की सियासत

कन्नूर, एजेंसी। केरल के कन्नूर डेंटल कॉलेज में दलित छात्र की मौत को लेकर सियासत गर्म हो गई है। मृतक छात्र नितिन राज आरएल के परिवार ने आरोप लगाया है कि नितिन की जाति, रंग और माता-पिता के दिहाड़ी मजदूर होने की वजह से उसे प्रताड़ित किया जाता था और अकसर अपमानित किया जाता था। नितिन तिरुवनंतपुरम के ही उझामलक्कल गांव का रहने वाला था और कन्नूर जिले के अंजराकंडी में कन्नूर डेंटल कॉलेज में बीडीएस का छात्र था। कॉलेज परिसर में ही बिल्डिंग से गिरकर उसकी मौत हो गई थी। नितिन ने बीते वर्ष ही कॉलेज में ऐडमिशन लिया था। कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सदस्य के.सी. वेणुगोपाल ने केरल सरकार से कन्नूर डेंटल कॉलेज के पहले साल के बीडीएस छात्र आर.एल. नितिन राज की मौत की पूरी जांच शुरू करने और उसे एक विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपने की मांग की है।

असम की सबसे युवा प्रत्याशी कुंकी चौधरी को पुलिस का समन

गुवाहटी, एजेंसी। असम जातीय परिषद (एजेपी) की असम की सबसे युवा प्रत्याशी 27 साल की कुंकी चौधरी और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के बीच ठनी हुई है। सीएम सरमा उनकी मां पर भी बीफ खाने और दिखावा करने का आरोप लगा चुके हैं। इसी बीच असम पुलिस ने गुवाहाटी सेंट्रल से पार्टी के उम्मीदवार कुंकी चौधरी को समन भेजा है। वहीं एजेपी ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निर्वाचन क्षेत्र में अपने खिलाफ जनादेश को देख कर घबरा गई है।

चुनाव संबंधी मामले में समन मिलने के बाद चौधरी सुबह पानबाजार पुलिस थाना पहुंचीं। उन्हें शनिवार को नोटिस देकर रविवार सुबह 11 बजे से पहले पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था और ऐसा नहीं करने पर उनकी गिरफ्तारी की बात कही गई थी। कुंकी चौधरी करीब दो घंटे की पूछताछ के बाद पुलिस थाना से बाहर आईं और वहां इंतजार कर रहे संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने जांच अधिकारी के सामने अपना बयान दर्ज कराया है।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

बीजेपी कार्यकर्ता नबा कुमार लखकर ने नौ अप्रैल को मतदान के दिन चौधरी और उनके चुनाव प्रचार अभियान प्रबंधक संदीप यादव के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। कुमार ने आरोप लगाया गया था कि दोनों ने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन किया और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनावों के संचालन में बाधा डाली।

एजेपी ने असम पुलिस द्वारा उसके उम्मीदवार का कथित 'उत्पीड़न' किए जाने की निंदा की और असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। वकील शांतनु बोरठाकुर ने पुलिस थाने के बाहर संवाददाताओं से कहा, 'प्राथमिकी में लगाए गए सभी आरोप

जमानती हैं, इसलिए उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। वास्तव में, आरोप बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं। एक मामला दर्ज किया गया है और इतने कड़े शब्दों में समन केवल परेशान करने के लिए जारी किया गया है।' उन्होंने सवाल किया कि अभी आदर्श आचार संहिता लागू है, और जब मुख्य सचिव सरकार चला रहे हैं, तो मुख्यमंत्री कथित तौर पर यह कैसे कह सकते हैं कि उन्होंने पुलिस भेजी थी? बोरठाकुर ने कहा, 'कुंकी ने चुनाव लड़ा और पूरे राज्य के लिए एक विमर्श तैयार किया, जो भाजपा के लिए नुकसानदायक साबित हुआ। इसीलिए राजनीति से प्रेरित होकर यह मामला दर्ज किया गया है।''उन्होंने पुलिस से यह भी सवाल किया कि चौधरी द्वारा कथित तौर पर भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा फैलाए गए 'डीप फेक' वीडियो के संबंध में दर्ज कराई गई शिकायत का क्या हुआ। एजेपी से पहली बार चुनाव लड़ रही चौधरी उस समय विवाद में आ गईं, जब मुख्यमंत्री शर्मा ने कथित तौर पर 'बीफ' के सेवन को लेकर उनके माता-पिता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। हालांकि, चौधरी ने इन हमलों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। वह गुवाहाटी सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार गुप्ता के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। कुंकी चौधरी ने चार अप्रैल को मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा उनकी मां की खान-पान की आदतों के बारे में किए गए दावों के बाद, सोशल मीडिया पर परिवार के बारे में कथित तौर पर 'डीप-फेक' प्रौद्योगिकी से तैयार मानहानिकारक वीडियो को लेकर पुलिस में शिकायत दर्जा कराई। नवीनतम घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए, एजेपी के अध्यक्ष लुरिंज्योति गोगोई ने कहा कि चौधरी को तलब करना ''चौंकाने वाला और दुर्भाग्यपूर्ण'' है। उन्होंने कहा, 'यह केवल किसी उम्मीदवार पर प्रशासनिक दबाव नहीं है, बल्कि यह असम में भाजपा द्वारा लोकतंत्र के दमन का ज्वलंत उदाहरण है। हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए प्रशासन और पुलिस का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक खतरनाक संकेत है।' गोगोई ने आरोप लगाया कि जब सत्तारूढ़ दल को सत्ता खोने का डर होता है, जब उसे यकीन हो जाता है कि जनता का वोट उसके खिलाफ गया है, तो भाजपा जैसी फासीवादी पार्टियां सत्ता को अपने कब्जे में रखने के लिए कुटिल रास्तों का सहारा लेती हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा सवाल यह है कि कुंकी चौधरी द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद डीप-फेक वीडियो प्रसारित करने वाले भाजपा समर्थकों को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है?

कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार या सीएम बदलने के आसार?

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार में जल्द ही बड़े बदलाव हो सकते हैं। खबर है कि करीब 30 वरिष्ठ कांग्रेस विधायक दिल्ली रवाना हो गए हैं। ये सभी मंत्री पद की मांग को लेकर रायबरेली सांसद राहुल गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। हालांक, अभी मुलाकात को लेकर जानकारी स्पष्ट नहीं है।

विधायकों का इस कदम को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर कैबिनेट विस्तार के लिए दबाव डालने से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

एक अखबार के अनुसार, कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने कहा कि समूह ने बड़ी संख्या में मुलाकात की थी और मंत्रालय में मौके की मांग रखने की बात तय हुई थी। उन्होंने कहा, 'ऐसे कई नेता हैं जिन्हें तीन, चार या पांच बार भी मौके मिले हैं। हम अनुरोध करेंगे कि जिन्हें अब तक जगह नहीं मिली है, उन्हें मौका दिया जाए।' उन्होंने कहा कि यात्रा सिर्फ मंत्री पद हासिल करने के लिए की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस विधायक अशोक पाटन ने कहा, 'हमारी सिर्फ एक ही मांग है। हम चाहते हैं कि कैबिनेट में जल्द से जल्द बदलाव किया जाए और हमारे जैसे वरिष्ठ सदस्यों को मौका दिया जाए।' उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया ने पहले संकेत दिए थे कि अन्य को 2 साल बाद मौका दिया जाएगा, लेकिन तीन साल गुजर गए हैं। पहली बार चुने गए विधायकों ने भी पदों के लिए दबाव तेज कर दिया है। पीटीआई भाषा के अनुसार, कांग्रेस विधायकों ने मांग की है कि फेरबदल के दौरान उनमें से कम से कम पांच को मंत्री बनाया जाए। तीन से अधिक कार्यकाल वाले कई वरिष्ठ विधायक रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए। वे पार्टी नेतृत्व से मुलाकात कर यह मांग रखने वाले हैं कि प्रस्तावित फेरबदल के दौरान करीब 40 वरिष्ठ विधायकों में से कम से कम 20 को मौका दिया जाए।

मांड्या से पहली बार विधायक बने रविकुमार गौड़ा (रवि गनिगा) ने कहा, 'हर किसी की इच्छा मंत्री बनने की होती है।

अब नोएडा में सैलरी पर बवाल, वाहनों में तोड़फोड़ और आगजनी; पुलिस पर पथराव

नोएडा, एजेंसी। गुरुग्राम के बाद अब नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर बड़ा बवाल हुआ है। नोएडा के फेज-2 में एक निजी कंपनी के कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में जुटे प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में तोड़फोड़ की और आग लगी दी। पुलिस पर भी पथराव किया गया। घंटों पूरा इलाका युद्ध क्षेत्र जैसा बना रहा। पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए किसी तरह स्थिति को काबू किया। दूसरी तरफ दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवेल समेत नोएडा-गाजियाबाद के कई इलाकों में भीषण जाम लग गया। बताया जा रहा है कि फेज-2 स्थित मदरसन कंपनी के अस्थायी कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि समेत कुछ मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था। अस्थायी कर्मचारियों का दावा है कि कंपनी ने नए श्रम कानूनों के प्रावधानों को लागू नहीं किया है, जिसको लेकर उनमें रोष था। सोमवार सुबह हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी कंपनी के बाहर एकत्रित होकर नारेबाजी कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस भी तैनात थी। प्रदर्शन अचानक उग्र हो गया। भीड़ हिंसक हो उठी। कंपनी के आसपास कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। तोड़फोड़ की गई। यहां तक कि पुलिस पर भी पथराव होने लगा। पुलिस की गाड़ियों को में तोड़फोड़ की गई। एक जिप्सी को बुरी तरह क्षतिग्रस्त करके पलट दिया गया। हिंसक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज करके भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। फेज-2 के अलावा सेक्टर 15 और 62 में भी श्रमिकों ने हंगामा किया। जिसकी वजह से दिल्ली मेरठ-एक्सप्रेसवे समेत नोएडा में कई जगह भीषण जाम लग गया और लोगों को आवाजाही में काफी समस्या हुई।

अपराधियों की सूचना दीजिए और पाइए मोटा इनाम, पहचान रहेगी गुप्त; पंजाब सरकार का ऐलान

जालंधर, एजेंसी। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने राज्य में अपराध कम करने और कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नई पुरस्कार नीति शुरू की है। इसके तहत अपराधियों के बारे में जानकारी देने वाले लोगों को इनाम दिया जाएगा। गैंगस्टरों ते वार प्रोजेक्ट के अंतर्गत सरकार ने एसएसपी को 1 लाख रुपये तक, पुलिस कमिश्नर/रेंज आईजी/डीआईजी को 1.5 लाख रुपये तक, विभिन्न विंगों के प्रमुखों (स्पेशल डीजीपी/एडीजीपी) को 2 लाख रुपये तक और डीजीपी को 2 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत करने की शक्तियां प्रदान की हैं। यह इनाम केवल सही और प्रमाणिक सूचना देने वाले व्यक्तियों को ही दिया जाएगा। सरकार का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य राज्य में अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क पर पूरी तरह से लगाम लगाना है। साथ ही 28 मोस्ट वांटेड क्रिमिनल्स की लिस्ट भी जारी की गई है। पहले जांच की जाएगी और तय मानकों के आधार पर ही इनाम दिया जाएगा। साथ ही सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और उसे किसी प्रकार का खतरा नहीं होने दिया जाएगा।

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 9394693946 पर जानकारी साझा कर सकते हैं। पुलिस के अनुसार, ऐसी विश्वसनीय सूचना जिससे वांछित या घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी संभव हो सके, उस पर इनाम दिया जाएगा। इसके अलावा नागरिकों की ओर से दिए गए सुझावों पर भी कार्रवाई की जाएगी। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के एडीजीपी प्रमोद बान ने बताया कि पंजाब सरकार ने चुने गए पुलिस कर्मचारियों के लिए ऊपर बताई गई मंजूरी की शक्तियों को मंजूरी दे दी है। पहले जानकारी वेरिफाई की जाएगी और जानकारी देने वाले को क्राइटेरिया के हिसाब से इनाम दिया जाएगा। जानकारी देने वाले की पहचान पुलिस, पब्लिक या सरकार के किसी भी लेवल पर बताई या पब्लिक नहीं की जाएगी। इसका मकसद राज्य में काम कर रहे क्रिमिनल और गैंगस्टर के लिए सभी दरवाजे बंद करना है और पंजाब सरकार इस मकसद को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। गिरफ्तारी में मदद करने वाली भरोसेमंद जानकारी देने वाले मुखबिरों को इनाम दिया जाएगा। पंजाब पुलिस मुखबिरों से मिली लीड्स को फॉलो करेगी। यह प्रोजेक्ट पंजाब पुलिस नेटवर्क को भी और मजबूत करेगा ताकि वे उपद्रवियों को रोक सकें।

ड्रैगन का दोगलापन: भारत की सीमा के पास काउंटी बनाने के पीछे मंशा क्या? विदेश मंत्रालय दे चुका है दो-टूक जवाब

बीजिंग, एजेंसी। काराकोरम पर्वत श्रृंखला के पास स्थित शिनजियांग में सेनलिंग काउंटी चीन की सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है। हालांकि, पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमाओं के साथ-साथ भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के विवादित पश्चिमी क्षेत्र से इसकी निकटता ने माहौल गरमा दिया है। पूरी दुनिया की नजरें पश्चिम एशिया संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता पर थीं। इसी बीच चीन ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और अफगानिस्तान की सीमा के पास एक नई चाल चल दी है। चीन ने इस सीमा पर अपने शिनजियांग प्रांत में एक तीसरा प्रशासनिक प्रभाग (काउंटी) स्थापित किया है। भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। शिनजियांग प्रांत की यह नई काउंटी चीन को दक्षिण और मध्य एशिया से

जोड़ने वाले महत्वपूर्ण परिवहन मार्गों पर स्थित है। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम बीजिंग के सुदूर पश्चिमी सीमावर्ती इलाकों में शासन और सुरक्षा पर केंद्रित होने को दर्शाता है।

चीन के लिए क्यों खास है ये इलाका?: साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सेनलिंग नामक इस नए काउंटी को शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र की सरकार ने 26 मार्च को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी थी। यह काशगर प्रांत के अधिकार क्षेत्र में आएगा। प्राचीन सिल्क रोड पर स्थित एक ऐतिहासिक शहर काशगर, चीन को दक्षिण और मध्य एशिया से जोड़ने वाला एक रणनीतिक प्रवेश द्वार है। यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का शुरुआती बिंदु भी है, जो बेल्ट एंड रोड पहल का एक महत्वपूर्ण घटक है।

भारत ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया चीन की ओर से अफगानिस्तान, अरुणाचल प्रदेश व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की सीमाओं से सटे अपने शिनजियांग प्रांत में प्रशासनिक प्रभाग (काउंटी) स्थापित करने की खबरों के बीच दी है। काराकोरम पर्वत श्रृंखला के निकट इस इकाई का गठन अफगानिस्तान और पीओके दोनों से नजदीकी के कारण महत्वपूर्ण भूराजनीतिक महत्व रखता है। एक साल से कम में चीन ने तीसरी बार शिनजियांग में नया काउंटी बनाया है। भारत ने पहले भी चीन के समक्ष हेन और हेकांग काउंटी के गठन पर यह कहते हुए औपचारिक आपत्ति जताई थी कि इस भूमि का कुछ हिस्सा लद्दाख का अंग है। हेन काउंटी में अक्साई चिन पठार का बड़ा हिस्सा शामिल है। हालांकि, यह क्षेत्र 1962 के संघर्ष के बाद से चीनी प्रशासन के अधीन है। भारत इसे लद्दाख का अभिन्न अंग मानता है, जिससे यह द्विपक्षीय मतभेद का प्रमुख मुद्दा बना हुआ है।

ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका की नाकाबंदी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका द्वारा सोमवार से ईरान के बंदरगाहों को नाकाबंदी करने की घोषणा के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल देखा गया है। शुरुआती कारोबार में रविवार को अमेरिकी क्रूड ऑयल की कीमत आठ प्रतिशत बढ़कर 104.24 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत सात प्रतिशत बढ़कर 102.29 डॉलर प्रति बैरल हो गई। यह घोषणा ऐसे समय में आई है, जब पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतों में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखा गया है। फरवरी के अंत में युद्ध शुरू होने से पहले लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर यह कभी-कभी 119 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर चला गया था। शांति वार्ता से पहले शुक्रवार को जून डिलीवरी के लिए ब्रेंट 0.8 प्रतिशत गिरकर 95.20 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया था। ईरान लंबे समय से वैश्विक तेल शिपिंग के लिए महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रभावी नियंत्रण रखता आया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह नाकाबंदी ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों में प्रवेश करने या वहां से निकलने वाले सभी देशों के जहाजों के खिलाफ निष्पक्ष रूप से लागू की जाएगी। हालांकि, यह उन जहाजों को पारगमन की अनुमति देगा, जो गैर-ईरानी बंदरगाहों के बीच यात्रा कर रहे हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि दुनिया के व्यापारिक तेल का लगभग पांचवां हिस्सा हर दिन होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और ईरान जैसे प्रमुख तेल निर्यातक देश इसी मार्ग पर निर्भर हैं। युद्धविराम के बाद के दिनों में भी होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही सीमित रही है। मरीन ट्रैकर्स के अनुसार, युद्धविराम की शुरुआत के बाद से 40 से अधिक वाणिज्यिक जहाजों ने इस मार्ग से आवागमन किया है। अमेरिकी नाकाबंदी की घोषणा के बाद इस क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों की संख्या और भी प्रभावित होने की आशंका है।

ट्रंप की हाल की धमकियों का कोई असर नहीं पड़ता', संसद अध्यक्ष गालिबाफ का बयान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हाल की धमकियों का ईरानी जनता पर कोई असर नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, ये धमकियां बेअसर हैं और ईरान अपने रुख पर मजबूत रहेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में कुछ प्रगति हो रही है। ईरानी सरकारी मीडिया और अल-जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गालिबाफ ने कहा कि तेहरान ने बातचीत के दौरान 'बहुत अच्छे प्रस्ताव' दिए हैं, जिससे बातचीत आगे बढ़ी है। उन्होंने कहा, ट्रंप की हाल की धमकियों का ईरानी जनता पर कोई असर नहीं है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति को चेतावनी देते हुए कहा, अगर आप लड़ेंगे तो हम भी लड़ेंगे और अगर आप समझदारी से आएंगे तो हम भी समझदारी से बात करेंगे। उन्होंने आगे कहा, हम किसी भी धमकी के आगे नहीं झुकेंगे। उन्हें हमारी इच्छाशक्ति को फिर से परखने दीजिए, ताकि हम उन्हें बड़ा सबक सिखा सकें। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उन्हें भरोसा है कि ईरान आखिरकार अमेरिका की शर्तें मान लेगा। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान वापस बातचीत की मेज पर आएगा। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि वे हमें सब कुछ दें। ईरान के पास कोई ताकत नहीं बची है। उनके पास कोई बढ़त नहीं है। उन्होंने अपनी हालिया सख्त बयानबाजी का बचाव भी किया और कहा कि यही बातचीत शुरू होने की वजह बनी। ट्रंप ने कहा कि ईरान के 'अमेरिका मुर्दाबाद' जैसे नारे भी लगते हैं, इसलिए कड़ा जवाब जरूरी है।

अराघची का दावा- पाक में शांति वार्ता के बीच पीएम नेतन्याहू ने वेंस को किया फोन! बदल गई प्राथमिकता

तेहरान, एजेंसी। इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही अहम शांति वार्ता अचानक बिना किसी समझौते के खत्म हो गई। इस पूरे घटनाक्रम पर ईरान ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि एक फोन कॉल ने सब कुछ बदल दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने आरोप लगाया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बातचीत के दौरान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को फोन किया, जिसके बाद वार्ता का रुख बदल गया। अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इस फोन कॉल के बाद

बातचीत का फोकस अमेरिका-ईरान के मुद्दों से हटकर इस्राइल के हितों पर चला गया। उनका कहना है कि ईरान इस बातचीत में पूरी ईमानदारी के साथ शामिल हुआ था, लेकिन अमेरिका ने ऐसे शर्तें रखीं जो स्वीकार करना संभव नहीं था। बताया जा रहा है कि इस्लामाबाद में करीब 21 घंटे तक चली इस बातचीत में अमेरिका ने ईरान के सामने कड़ी शर्तें रखीं। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य से अपने और अपने सहयोगियों के जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, साथ ही ईरान के पूरे यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को खत्म करने और उसके मौजूदा यूरेनियम भंडार को सौंपने जैसी मांगें शामिल थीं। ईरान ने इन शर्तों को ठुकरा दिया। इस पूरी स्थिति पर अमेरिका की ओर से कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है कि वास्तव में बातचीत में क्या पेश किया गया था। वहीं, ईरान का कहना है कि अमेरिका 'बातचीत की मेज पर वही हासिल करना चाहता था जो वह युद्ध में नहीं कर पाया।' अब उस पर भी खतरा मंडराने लगा है। इस युद्धविराम की अवधि खत्म होने में सिर्फ नौ दिन बचे हैं। इस वार्ता के विफल होने का असर अब वैश्विक बाजार पर भी दिखने लगा है। खासकर तेल की कीमतों में फिर से उछाल आने की आशंका है। युद्धविराम के दौरान तेल की कीमतें कुछ कम हुई थीं, लेकिन अब विश्लेषकों का मानना है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं। इसके साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य से व्यापारिक जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो चुकी है। ईरान ने वहां बारूदी सुरंगें, ड्रोन और मिसाइल तैनात कर रखी हैं और हर जहाज से भारी शुल्क की मांग कर रहा है, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ माना जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने अमेरिका के सहयोगी देशों के बीच भी मतभेद उजागर कर दिए हैं। स्पेन और इटली जैसे देशों ने ईरान के खिलाफ किसी सैन्य कार्रवाई में अपनी जमीन या हवाई क्षेत्र देने से मना कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

संयोजक बनने पर श्याम श्रीवास्तव का हुआ सम्मान

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। वरिष्ठ पत्रकार, समाज सेवी एवं समाज के विभिन्न संगठनों में अपनी पहचान बना चुके, सत्ता सुधार के संपादक, प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय प्रभारी श्याम श्रीवास्तव को भगवान चित्रगुप्त प्राकट्य महोत्सव वर्ष 2026 के लिए संयोजक बनाए जाने पर ईष्ट मित्रों द्वारा बधाई दी गई। सर्वप्रथम श्याम श्रीवास्तव ने दौलत गंज स्थित चित्रगुप्त मंदिर पहुंचकर भगवान चित्रगुप्त को माल्यार्पण कर भगवान चित्रगुप्त एवं परिवार से आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात भारत विकास परिषद शाखा सहयोग के सदस्यों ने जाकर उनके चित्रगुप्त प्राकट्य महोत्सव 2026 के संयोजक बनाए जाने बधाई दी। संयोजक श्याम श्रीवास्तव को फूलमाला पहनाकर सभी सदस्यों ने स्वागत किया। स्वागत की कड़ी में प्रमुख रूप से भारत विकास परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी एवं प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के ग्वालियर जिला संभागीय अध्यक्ष अशोक गर्ग द्वारा श्याम श्रीवास्तव को फूल माला दुपट्टा एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया। साथ ही भारत विकास परिषद शाखा सहयोग के रवि गर्ग, रामनाथ अग्रवाल, दिनेश चंद्र बंसल, सुभाष अग्रवाल ने श्याम श्रीवास्तव को श्रीफल, दुपट्टा एवं पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया। साथ ही वहां पर उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष अभय चौधरी, हकीम देवी राम प्यारी न्यास के सचिव अरुण कुलश्रेष्ठ, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हेमंत खरे, पूर्व मंडल अध्यक्ष आकाश श्रीवास्तव, अमित सक्सेना, रवि श्रीवास्तव,संजय सक्सैना का भी शाखा सहयोग द्वारा पुष्प माला पहनाकर अभिनंदन किया। उपस्थित सभी ने श्याम श्रीवास्तव को भगवान श्री चित्रगुप्त प्राकट्य महोत्सव 2026 के संयोजक बनने पर बधाई दी।

अजाक्स की विचार गोष्ठी में किया सम्मान

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। मप्र अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजाक्स) द्वारा 27 ए रेसकोर्स रोड स्थित कार्यालय पर डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव थीं। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजय कुमार पिपरोलिया ने की। विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ. सतीश सिकरवार एवं प्रांतीय सचिव होतम मौर्य, प्रांतीय संयुक्त सचिव शैलेन्द्र प्रताप कदम, संभागीय संरक्षक शांतिप्रकाश राजौरिया, संभागीय अध्यक्ष इंजी केवी दोहरे, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव मंचासीन थे। मुख्य अतिथि दुर्गेश कुंवर सिंह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर चाहते थे कि कि पुरुषों के साथ महिलाओं को भी बराबरी का अधिकार मिले, क्योंकि महिलाओं के आगे बढ़ने से समाज की तरक्की को मापा जाता है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने सभी को समानता के अधिकार दिए।

नियमित ध्यान व आध्यात्मिक नशे से दूर रहने का सशक्त आधार:बीके प्रहलाद

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

14वीं वाहिनी विस बल ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सहयोग से पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति जागरूकता शिविर का आयोजन किया। सेनानी संजीव कुमार सिन्हा व सहायक सेनानी रत्नेश तोमर के मार्गदर्शन में हुए शिविर का लक्ष्य पुलिसकर्मियों को मानसिक रूप से सशक्त करना, सकारात्मकता लाना तथा नशे से दूर रहने हेतु प्रेरित करना था। ब्रह्माकुमारीज केंद्र प्रमुख राजयोगिनी बीके आदर्श दीदी ने नशे से बचाव के लिए व्यवस्थित दिनचर्या, योग व ध्यान को आवश्यक का बताया। उन्होंने कहा कि राजयोगा मंदि ध्यान से मन की एकाग्रता बढ़ती है, तनाव कम होता और आत्मिक ता सशक्तिकरण होता है, जिससे नशे की कि आवश्यकता नहीं रहती।

मुख्य वक्ता बीके प्रहलाद भाई ने सकारात्मक सोच, आत्म-संयम, नियमित ध्यान व आध्यात्मिक का जीवनशैली को नशे से दूर रहने व सशक्त जीवन जीने का आधार बताया। उन्होंने पुलिस के चुनौतीपूर्णी कार्य में मानसिक संतुलन का महत्वाक समझाया और नशे को पल भर कीक्ति राहत, किंतु जीवन भर की परेशानी बताया। राजयोग ध्यान का अभ्यासाम्राज भी कराया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरे उत्साह एवं गंभीरता के साथ कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। जिसमें निरीक्षक राकेश शर्मा, निज सहा. दिनेश कुमार, निरीक्षक संतोष कुमार, उप निरीक्षक धर्मपाल सिंह, सतीश शर्मा, अमित सेंगर, कौशलेन्द्र शर्मा, मुरारी सिंह, ज्वाला प्रसाद, रेखा करारिया, विलास सोलसेकर, सहा. उप निरीक्षक रवींद्र रावत, राजीव सिंह, रवींद्र सिंह, मुन्ना लाल, सुरेश राव, सोनम सिंहम, भुवनेश्वरी, उदय प्रताप सिंह सहित लगभग एक सैकड़ा से अधिक पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

अजाक्स ने डॉ अंबेडकर जयंती पर 501 समाज सेवियों का किया सम्मान

डॉ अंबेडकर ने कहा था शिक्षित बनो संगठित रहो संघर्ष करो : विधायक सिकरवार

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

मप्र अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजाक्स) रेसकोर्स रोड़ 27ए मेला ग्राउंड के सामने संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जयंती एवं सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। जिसमें कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव ने बताया कार्यक्रम मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव एवं कार्यक्रम विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ सतीश सिकरवार थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विजय कुमार पिपरोलिया ने की एवं प्रांतीय सचिव होतम मौर्य, प्रांतीय सयुक्त सचिव शैलेन्द्र प्रताप कदम, संभागीय संरक्षक शांतिप्रकाश राजौरिया संभागीय अध्यक्ष इंजी केवी दोहरे, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव मंचासीन थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह ने कहा डॉ अंबेडकर साहब चाहते थे कि पुरूषों के साथ साथ महिलाओं को शिक्षा से लेकर समस्त क्षेत्रों में बराबरी का अधिकार मिले क्योंकि महिलाओं के आगे बढने से समाज की तरक्की को मापा जाता हैं महिलाओं को आगे बढने से दो परिवारों को तरक्की मिलती हैं।

कार्यक्रम विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ सतीश सिकरवार ने कहा डॉ अंबेडकर साहब ने भारत को संविधान में भारत की जनता को मान सम्मान एवं अधिकार दिए है डॉ अंबेडकर त्याग तपस्या बलिदान का संपूर्ण भारत ऋणी है सब समाजों के तरक्की के रास्ते डॉ अंबेडकर ने खोले हैं डॉ बाबा साहब अंबेडकर भारतवासियों के लिए प्रेरणाश्रोत है उनके विचारों को जन जन तक पहुंचाने के लिए आखरी श्वास तक कार्य करेंगे। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों एवं 501 समाजसेवियों का सम्मान भी किया गया। सम्मानित व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र श्रीफल प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई।

वीजा और एचडीएफसी बैंक फैन्स को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के करीब लाएगा

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। वीजा, जो डिजिटल पेमेंट्स में दुनिया की जानी-मानी कंपनी है और फीफा की ऑफिशियल पार्टनर भी है, ने एचंडीएफसी बैंक के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी पार्टनरशिप का ऐलान किया। इस पार्टनरशिप के तहत वीजा और एचडीएफसी बैंक ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 का एक लिमिटेड-एडिशन वीजा पिक्सल क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। इसके साथ ही, पूरे देश में एक खास स्पेंड एंड विन कैंपेन भी शुरू किया गया है, जिससे भारतीय कस्टमर्स दुनिया के सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले ग्लोबल स्पोर्ट्स इवेंट के और करीब आ सकेंगे। मुंबई में एक शानदार लॉन्च इवेंट में इस ऐलान का जश्न मनाया गया। इसमें मशहूर फुटबॉल स्टार माइकल ओवेन भी मौजूद थे, जिन्होंने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के रोमांच, और ग्लोबल रुतबे को और भी खास बना दिया। एचडीएफसी बैंक के आशीष पार्थसारथी ने कहा भारत के सबसे बड़े क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता के तौर पर, हमें वीज़ा के साथ साझेदारी करके लाखों ग्राहकों के लिए फीफा वर्ल्ड कप का रोमांच और डिजिटल पेमेंट्स की आसान सुविधा एक साथ लाने में खुशी हो रही है। इस सहयोग के ज़रिए, हम खास सुविधाओं और अपने खास तौर पर बनाए गए लिमिटेड-एडिशन एचडीएफसी बैंक पिक्सल प्ले क्रेडिट कार्ड के साथ प्रशंसकों के अनुभव को और बेहतर बना रहे हैं। वीज़ा इंडिया के ऋषि छाबड़ा ने कहा, फीफा के साथ वीज़ा की लंबे समय से चली आ रही वैश्विक साझेदारी के साथ, हमें 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' का रोमांच पूरे भारत में प्रशंसकों तक एक सच्चे समावेशी तरीके से पहुँचाने पर गर्व है।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने किया बस्ती चलो अभियान का समापन

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। भाजपा महाराजा मानसिंह तोमर मंडल अध्यक्ष योगेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि भाजपा के 47वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे बस्ती चलो अभियान अंतर्गत महाराज मानसिंह तोमर मंडल के सभी वार्डों में स्वक्षता अभियान चलाकर वार्ड में रहने वाले वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया। इसी अवसर पर वार्ड क्रमांक 17 के बीजासेन माता मंदिर में समापन के अवसर पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वार्ड में रहने वाले वरिष्ठ जनों को माला पहनाकर एवं शॉल,पहनाकर उनका सम्मान किया। इस दौरान चंदन पटेल, अमित जैन, जिला सह मीडिया प्रभारी डॉ वंदना भूपेन्द्र प्रेमी, दारा सिंह ने भी परिसर में सफाई कर वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया।

अंबेडकर जयंती पर जेल से कैदी हुए रिहा, आजादी मिलते ही हुए भावुक

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। अंबेडकर जयंती के अवसर पर राज्य सरकार के निर्देश पर ग्वालियर केंद्रीय जेल से 9 दंडित कैदियों को समय-पूर्व रिहाई दी गई। इस निर्णय के तहत जेल प्रशासन ने सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करते हुए मंगलवार को कैदियों को रिहा किया। रिहाई के बाद जेल परिसर के बाहर भावुक दृश्य देखने को मिला, जहां वर्षों बाद आजादी की सांस लेते ही बंदी भावुक हो गए। जेल अधीक्षक विदित सिरवैया ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के पालन में प्रदेश की विभिन्न जेलों में बंद 477 दंडित कैदियों के प्रकरणों की समीक्षा की गई थी। इसमें से 87 कैदियों को समय-पूर्व रिहाई के लिए पात्र पाया गया, जबकि 390 को अपात्र घोषित किया गया। इस प्रक्रिया में ग्वालियर केंद्रीय जेल से 9 कैदियों को रिहाई के लिए चयनित किया गया। केंद्रीय जेल के बाहर आजादी की हवा में कदम रखते ही रिहा हुए बंदियों की आंखों से झर-झर आंसू बहने लगे। उनका कहना था कि गुस्से में उठाए कदम से उनके कई साल जेल में गुजर गए।

भाविप शाखा-समर्पण का पर्यावरण संरक्षण और सेवा प्रकल्प पर कार्यक्रम

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। भारत विकास परिषद शाखा-समर्पण ने 2 मिनट राष्ट्र के नाम राष्ट्रगान जो ठीक सुबह 8:30 पर होता चला आ रहा हे उसके बाद पर्यावरण संरक्षण के तहत 21 पौधे गमले मे लगाकर ओर 50 सकोरे पक्षियों के दाना पानी हेतु मुख्य अतिथि श्रंयाश कुमार जैन क्षेत्रीय महासचिव वित विशिष्ट अतिथि प्रांतीय संयोजक धर्मेन्द्र अग्रवाल, संरक्षक व शाखा प्रभारी अरविंद दुदावत के हाथो जिवाजी पार्क ओर उपस्थित गणमान्य सदस्य नागरिको को भेंट किए।

मुख्य अतिथि ने शाखा-समर्पण के सेवा कार्य ओर 2 मिनट राष्ट्र के नाम राष्ट्रगान को 8 बर्षो से निरंतर सही समय प्रतिदिन सुबह 8:30 पर हर मौसम में चलने पर पूरी टीम को बधाई शुभ कामनाएँ दी। संचालन राष्ट्रगान प्रभारी व अध्यक्ष संजय धवन ने सभी का आभार पर्यावरण उपाध्यक्ष सीए मयूर गर्ग ने किया। इस अवसर पर गुलाब सिंह प्रजापति, पंकज शर्मा, महेश धीमान, मिलिंद गर्ग, पन्नालाल निरंकारी, अशोक पमनानी, महेश जैसवाल, सुरेश अरोरा, कमल रजक, लक्ष्मण सिंह बघेल, बालेश्वर सिंह परमार, विजय शाक्य, हीरालाल जैन, नेहा परमानी के अलावा काफी गणमान्य ओर बच्चे उपस्थित थे।

जयंति

निकली रैलियां, जगहजगह लगे स्टॉल

भाजपा-कांग्रेस ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को दी पुष्पांजलि

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भाजपा एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर पार्क स्थिति डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं प्रशासन द्वारा बाल भवन में दोपहर 11 बजे से जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, इसमें बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन पर व्याख्यान दिया गया। वहीं दूसरी ओर बाबा साहब की जयंती पर शहरभर में जगह- जगह रैलियां निकाली गई। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर सहित भाजपा नेता फूलबाग स्थित अंबेडकर पार्क पहुंचे, वहां पर सभी ने बाबासाहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। भाजपा के बाद फूलबाग पार्क स्थित अंबेडकर प्रतिमा पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेंद्र यादव के साथ वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पहुंचे सभी ने वहां पर बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पुष्पांजलि अर्पित करने वाले भाजपा के अभय चौधरी, जयसिंह कुशवाह, जवाहर प्रजापति, डॉ. दीपेश शर्मा, आलोक आहूजा, संतोश राजौरिया, वहीं कांग्रेस की ओर से पुष्पाजंलि अर्पित करने वालों में वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा, चतुर्भुज धनौलिया, आदि शामिल थे।

जगह-जगह निकली रैलियां

बाबा साहब की जयंती पर शहरभर में जगहजगह बाइक रैलियां निकाली गई, इसके साथ ही पैदल रैलियां भी निकलीं, रैलियों में चल रहे लोगों को गर्मी में परेशानी ना हो इसके लिए जगह-जगह पानी, शर्बत, एवं हल्के नाश्ते के लिए स्टॉल लगाए गए थे।

विधायक ने किया भण्डारा

ग्वालियर पूर्व के विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने शहर में स्थित सभी डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर भण्डारे का आयोजन किया, शहर में 18 स्थानों पर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगी है, जिसके चलते 18 स्थानों पर सुबह से लेकर शाम तक भण्डारा चलता रहा। प्रतिमा पर माल्यार्पण करने वाले शहरवासियों ने भण्डारे में पूड़ी, सब्जी आदि का आनंद लिया।

बाबा साहब के जीवन पर हुआ व्याख्यान

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर बाल भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बाबा साहब अंबेडकर के जीवन पर केन्द्रित व्याख्यान हुए। साथ ही हितग्राहियों को स्मानित किया गया।

सुबह से पुलिस ने संभाला मोर्चा

एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि अंबेड़कर जयंती पर होने वाले कार्यक्रम में किसी तरह का व्यवधान न आए, इसे देखते हुए जिले में अतिरिक्त बल तैनात किया गया था। संवेदनशील इलाकों में पुलिस जवान तैनात किए गए थे। इसके साथ ही एक सैकड़ा से अधिक मोबाइल जिले में भ्रमण कर स्थिति पर नजर रखे हुए थी। साथ ही सुरक्षा के लिए सङ्कार से ज्यादा स्थानों पर फ्क्सि पिकेड लगाकर वाहन चालकों की चेकिंग की गई।

» कोच गैरी कर्स्टन ने भारतीय क्रिकेट को एक अलग ही मुकाम पर पहुंचाया «

युवराज सिंह ने कर्स्टन के इम्पैक्ट पर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भारतीय क्रिकेट पर पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन के जबरदस्त असर को उजागर किया है। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे 2008 से 2011 के बीच टीम की सफलता में उनके खिलाड़ियों को संभालने के तरीके और उन पर भरोसे ने एक अहम भूमिका निभाई थी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से 2008-2011 के दौरान कर्स्टन के कार्यकाल में भारत के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में हुई तरक्की के बारे में बात करते हुए युवराज ने उस अहम दौर में इस दक्षिण अफ्रीकी कोच के आने पर विचार किया। यह वह समय था जब भारत सभी फॉर्मेट में लगातार अपना दबदबा बनाने की ओर बढ़ रहा था। युवराज ने एक पॉडकास्ट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, मुझे लगता है कि उस समय गैरी कर्स्टन का बहुत बड़ा असर था। गैरी एक अच्छे इंसान थे। हमें एक अच्छे इंसान की जरूरत थी। बस हमें यही चाहिए था। कोई ऐसा जो कहे, दोस्तों, चलो मैदान पर एक होकर खेलते हैं। चलो साथ मिलकर खेलते हैं। और गैरी बहुत मेहनती थे।उन्होंने आगे कहा, और मुझे लगता है कि जिस दिन वह आए, उन्होंने कहा था कि अगले चार सालों में यानी 2011 वर्ल्ड कप तक हम टी20 में नंबर एक टीम होंगे। हम टेस्ट में नंबर एक टीम होंगे। और हम एक दिवसीय में भी नंबर एक टीम होंगे। और कुछ खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की तरफ देखा। आप क्या कह रहे हैं? और अगले चार सालों में हमने ठीक वैसा ही किया। जबकि ऑस्ट्रेलिया भी उस समय अपना दबदबा बनाए हुए था। इसलिए मुझे लगता है कि उनकी नीयत अच्छी थी। वह एक अच्छे इंसान हैं। और उन्होंने भारतीय क्रिकेट को एक अलग ही मुकाम पर पहुंचाया। कर्स्टन का कार्यकाल भारत के सबसे सफल दौरों में से एक रहा जिसमें 2011 आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप की जीत और सभी फॉर्मेट में लगातार टॉप रैंकिंग हासिल करने के रूप में हुई। उस दौर के मुख्य क्रिकेटरों में से एक युवराज ने खिलाड़ियों में आत्मविश्वास जगाने में कोच की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे टीम के लीडरशिप ग्रुप के भरोसे ने खिलाड़ियों को अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने में मदद की। उन्होंने कहा, यह कोच के आत्मविश्वास के स्तर के बारे में भी है, है ना? अगर मैं आपके पास आकर कहूं, 'आप मेरे मैच विनर हैं, मैं चाहता हूं कि आप जाएं और मेरे लिए मैच जीतें। मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि आप कितनी बार नाकाम रहे हैं, बस जाइए और मैच जीतिए।' तो, अचानक आपका माइंडसेट बदल जाता है कि टीम और कोच मुझ पर भरोसा करते हैं, वे चाहते हैं कि मैं जाऊं और मैच जीतूं, उन्हें मुझ पर पूरा भरोसा है। और गैरी हमेशा मुझसे कहते थे, 'तुम गेम चेंजर हो।' उन्होंने कहा, 'अगर तुम 20-25 ओवर तक बैटिंग करते हो, तो तुम मैच का रुख बदल दोगे। जाओ और ऐसा ही करो।' मैंने जितना भी टेस्ट क्रिकेट खेला, उसमें भी उन्होंने मुझसे यही कहा। 'जाओ और अपना गेम खेलो। अगर तुम ऐसा करते हो, तो तुम भारत के लिए जीत हासिल करोगे।' इससे मुझे मैदान पर जाकर बैटिंग करने का बहुत आत्मविश्वास मिला। कर्स्टन के मार्गदर्शन में युवराज जैसे खिलाड़ी अपनी तय भूमिकाओं में खूब चमके; कोच का एकता, स्पष्टता और भरोसे पर जोर देना ही विश्व क्रिकेट में भारत के एक मजबूत ताकत के तौर पर उभरने का मुख्य आधार बना।

प्रसिद्ध कृष्णा का लखनऊ के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन से पर्पल कैप पर कब्जा

लखनऊ (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाजी प्रसिद्ध कृष्णा ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटक कर पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को खेले गए इस मुकाबले में प्रसिद्ध कृष्णा चार विकेट लेकर गेंदबाजों की सूची में चार मैचों में कुल 10 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए है। इस दौरान प्रसिद्ध ने 28/4 के आंकड़े के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है जबकि उकना इकोनॉमी रेट 9.50 रहा है। इस सूची में दूसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई (9 विकेट) तथा चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज अंशुल कंबोज (8 विकेट) तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जैकब डफी हैं, जिनके नाम 6-6 विकेट हैं। मैच की बात करें तो तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी। एलएसजी को 8 विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए और रुस्त 164 रन ही बना पाई।

महिला टी20 विश्व कप की प्राइज मनी का ऐलान

चैंपियन टीम को आईपीएल विजेता से भी ज्यादा पैसे मिलेंगे

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप 2026 की प्राइज मनी का ऐलान कर दिया है। इस बार टूर्नामेंट की कुल प्राइज मनी 8,764,615 यानी करीब

81 करोड़ 83 लाख रुपये होगी। 2024 में हुए पिछले महीने टी20 विश्व कप से यह 10 प्रतिशत ज्यादा है। चैंपियन बनने वाली टीम को 2,340,000 यानी करोब 21 करोड़ 84 लाख रुपये मिलेंगे। आईपीएल की विजेता टीम को बीसीसीआई 20 करोड़ रुपये देती है। आईसीसी फाइनल में हारने वाली टीम को 1,170,000 देगी। यह भारतीय रुपये में करीब 11 करोड़ होता है। सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 675,000 मिलेंगे, जबकि ग्रुप मैच में हर जीत पर टीमों को 31,154 मिलेंगे। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीम को कम से कम 247,500 डॉलर यानी 2 करोड़ 31 लाख का सुनिश्चित पुरस्कार मिलेगा।

● हॉकी वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स के लिए तैयारी तेज

दो अलग-अलग टीम उतारने पर विचार करेगा भारत

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी को लेकर बड़ा फैसला सामने आ सकता है। हाकी इंडिया इस साल होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स के लिए अलग-अलग टीम उतारने की योजना बना रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह कदम दोनों टूर्नामेंट के बीच कम समय अंतराल को देखते हुए उठाया जा सकता है।

शेड्यूल बना बड़ी चुनौती - हॉकी वर्ल्ड कप 15 अगस्त से 30 अगस्त तक बेल्जिय मऔर नीदरलैंड में खेला जाएगा। इसके ठीक 20 दिन बाद 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में एशियन गेम्स आयोजित होंगे। कम समय के कारण खिलाड़ियों की फिटनेस और तैयारी बड़ी चुनौती बन सकती है।

एशियन गेम्स को मिलेगी प्राथमिकता - खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया- एशियन गेम्स 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन का जरिया है, इसलिए हमारी, टीम वहां जाएगी। यानी भारत अपनी मजबूत टीम एशियन गेम्स में उतार सकता है, जबकि वर्ल्ड कप के लिए अलग टीम भेजी जाएगी।

वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान भिड़ंत - पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप में इंडिया और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है।

एशियन गेम्स में बड़ी उम्मीदें

भारत एशियन गेम्स 2026 में बेहतर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहा है। पिछले एशियन गेम्स में भारत ने 106 मेडल जीतकर इतिहास रचा था, जिसे इस बार पार करने का लक्ष्य रखा गया है। इस बार 700 से ज्यादा भारतीय खिलाड़ी 40 से अधिक खेलों में हिस्सा ले सकते हैं। दो बड़े टूर्नामेंट के बीच कम अंतराल के चलते भारत अलग-अलग टीम उतारने की रणनीति अपना सकता है। एशियन गेम्स को प्राथमिकता देना साफ दर्शाता है कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन भारतीय हॉकी के लिए सबसे बड़ा लक्ष्य है।

द मास्टर्स 2026

रॉरी मैकलॉय ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब

नईदिल्ली (एजेंसी)। मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट 2026 में रॉली मैकलॉय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ मैकलॉय दिग्गजों टाइगर बुड्स जेक निकलेस और निक फेल्दो के खास क्लब में शामिल हो गए हैं।

एक शॉट से जीता रोमांचक मुकाबला - मैकलॉय ने चार राउंड में 67, 65, 73 और 71 का स्कोर बनाते हुए कुल 12 अंडर 276 किया। उन्होंने Scottie Scheffler को सिर्फ एक शॉट से हराकर यह खिताब अपने नाम किया। यह मुकाबला आखिरी तक बेहद रोमांचक बना रहा।

तीसरे राउंड में गंवाई बढ़त, फिर की जोरदार वापसी - तीसरे राउंड के बाद मैकलॉय के पास 6 शॉट की बढ़त थी, लेकिन उन्होंने यह बढ़त गंवा दी। हालांकि फाइनल राउंड में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अंत में दो बेहतरीन बर्डी लगाई और जीत सुनिश्चित की।

राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर डगआउट में फोन क्यों इस्तेमाल कर रहे थे?

रिपोर्ट में मेडिकल कारण था सामने आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को आईपीएल मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन इस्तेमाल करते देखे जाने के बाद हुए विवाद में एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक भिंडर मेडिकल कारणों से एहतियात के तौर पर फोन इस्तेमाल कर रहे थे। गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आईपीएल 2026 मैच के दौरान एसीए स्टेडियम में टीवी कैमरों में एक घटना लाइव कैद हुई। इसमें भिंडर को टीनएज लेफ्ट-हैंडेड ओपनर वैभव सूर्यवंशी के बगल में बैठे हुए एक डिवाइस इस्तेमाल करते दिखाया गया जबकि वैभव स्क्रीन की तरफ देख रहे थे। यह फुटेज बाद में वायरल हो गया और लीग के सख्त एंटी-करप्शन प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर सवाल खड़े हो गए। आईपीएल के प्लेयर्स एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया (पीएमओए) के अनुसार एक टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम एरिया में फोन इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन डगआउट में नहीं। बीसीसीआई ने इस मामले में औपचारिक जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भिंडर एहतियात के तौर पर फोन अपने पास रखे हुए थे, क्योंकि अतीत में उनके दोनों फेफड़े कोलैप्स हो गए थे। उन्हें लगभग एक हफ्ते तक वेंटिलेटर पर रखा गया था जिसके बाद उन्हें आईसी में शिफ्ट कर दिया गया, जहां उन्होंने लगभग तीन हफ्ते बिताए थे।

मेडिकल कारणों से फोन उनके पास था

रिपोर्ट में आगे एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, रोमी को नियम-कानून पता हैं, लेकिन मेडिकल कारणों से वह फोन उनके पास था। इसके अलावा, प्रोटोकॉल के अनुसार डगआउट में मोबाइल फोन और लैपटॉप रखने की इजाजत है। एकमात्र समस्या उसका इस्तेमाल करना था, लेकिन फिर भी वह न तो किसी को कॉल कर रहे थे और न ही किसी का कॉल रिसीव कर रहे थे। वह बस अपने फोन पर स्क्रॉल कर रहे थे। उनके पास समय है और वह एसीएसयू अधिकारियों को अपना पक्ष समझाने की कोशिश करेंगे। रिपोर्ट में आगे कहा गया, हमें उम्मीद है कि एससीएसयूअधिकारी किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले रोमी की मेडिकल स्थिति को ध्यान में रखेंगे। समस्या यह थी कि ड्रेसिंग रूम तक पहुंचने के लिए उन्हें लगभग 20 सीढ़ियां चढ़ने से पहले कम से कम 50 कदम चलना पड़ता था और डगआउट में वापस आने के लिए भी उन्हें यही करना पड़ता था। इसी वजह से उन्हें डगआउट में ही फोन चेक करना पड़ा होगा।

क्या कहता है नियम

टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार बीसीसीआई की एंटी-करप्शन और सिक्योरिटी यूनिट (एसीएसयू) के प्रमुख द्वारा नियुक्त दो बीसीसीआई एंटी-करप्शन मैनेजर पीएमओए के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होते हैं। उनकी जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि उचित व्यवस्थाएं हों और सुरक्षा कर्मियों को पूरी जानकारी दी गई हो। चूंकि राजस्थान रॉयल्स सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करने वाला है इसलिए यह देखना बाकी है कि भिंडर पीएमओए क्षेत्र में नजर आते हैं या नहीं। भिंडर 2008 से राजस्तान के बैक-रूम स्टाफ के एक अभिन्न सदस्य रहे हैं और आईपीएल में सूर्यवंशी के स्थानीय अभिभावक के रूप में भी काम करते हैं।

लगातार तीसरी हार के बाद

पंड्या का सख्त संदेश, टीम को दी कड़ी चेतावनी

मुंबई (एजेंसी)। लगातार तीन हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टीम को सख्त संदेश देते हुए कहा कि उनके पास दो ही विकल्प हैं, या तो अलग-अलग सोचें या एकजुट होकर समस्याओं का सामना करें। आरसीबी के खिलाफ हार के बाद पांड्या ने गेंदबाजी और रणनीति पर भी सवाल उठाए और टीम में बदलाव के संकेत दिए। आईपीएल 2026 में लगातार तीन हार के बाद मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी तनावपूर्ण नजर आया। हार्दिक पांड्या, जो टीम के कप्तान हैं, बेहद गंभीर और निराश दिखे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मिली 18 रन की हार ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं। इस मैच में मुंबई इंडियंस कभी भी लक्ष्य का पीछा करते हुए नियंत्रण में नहीं दिखी। मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में हार्दिक पांड्या ने पूरी टीम को संबोधित करते हुए साफ शब्दों में कहा कि अब टीम के पास सिर्फ दो विकल्प बचे हैं। उन्होंने कहा, एमजे (माहेला जयवर्धने) ने जो कहा, उसी को आगे बढ़ाते हुए मैं कहूंगा कि हमारे पास दो ही विकल्प हैं। या तो हम अपने-अपने कमरों में जाएं, खुद को एकाग्र करें और अकेले सोचें। मुझे पता है हारना मुश्किल होता है, लेकिन दूसरा यह है कि हमें सीखना होगा गायब नहीं होना है। यह हमेशा जीतना और सीखना है, हारना नहीं। उन्होंने आगे टीम को एकजुट रहने की सलाह दी, %जब हम होटल वापस जाएं, तो साथ में खाना खाएं। क्रिकेट की बात करें, कुछ और बात करें, लेकिन मिलकर इसका हल निकालें।

जीतना और सीखना — यही हमारा मंत्र होना चाहिए

रणनीति में बदलाव के संकेत - हार्दिक ने साफ संकेत दिए कि टीम की रणनीति में बदलाव हो सकता है। उन्होंने कहा, अब बहुत सारी चीजों पर दोबारा सोचने की जरूरत है। यह तरीका काम नहीं कर रहा। हमें देखना होगा कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी में और क्या विकल्प हो सकते हैं।

आरसीबी के खिलाफ क्यों हारी मुंबई? - इस मुकाबले में आरसीबी के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। विराट कोहली, फिल सॉल्ट और रजत पाटीदार की पारियों की बदौलत टीम ने 240 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। मुंबई के लिए यह लक्ष्य काफी बड़ा साबित हुआ और टीम 222/5 तक ही पहुंच सकी। हालांकि, शेरफेन ने 31 गेंदों में 71 रन की तूफानी पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं थी।

गेंदबाजी पर उठे सवाल - मैच के बाद हार्दिक पांड्या ने गेंदबाजी यूनिट पर भी चिंता जताई और माना कि टीम ने जरूरत से ज्यादा रन दिए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने बहुत ज्यादा रन दे दिए। 241 का लक्ष्य हमेशा मुश्किल रहने वाला था। पिछले कुछ मैचों में हम खेल को कंट्रोल करने के बजाय उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें खुद को देखना होगा, समझना होगा कि हम क्या बेहतर कर सकते हैं और कैसे वह लय हासिल कर सकते हैं जिसकी हमें जरूरत है।

आगे की राह आसान नहीं

मुंबई इंडियंस के लिए आगे का सफर आसान नहीं रहने वाला है। लगातार हार के बाद टीम को जल्दी ही वापसी करनी होगी, वरना प्लेऑफ की राह मुश्किल हो सकती है। हार्दिक पांड्या का यह संदेश साफ है- अब टीम को एकजुट होकर ही आगे बढ़ना होगा। मुंबई का अगला मैच 16 अप्रैल को पंजाब किंग्स से है।

मुंबई-आरसीबी मैच ने तोड़ा आईपीएल का बड़ा रिकॉर्ड

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियन और रायल चैलेंजर बेंगुलरु के बीच वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया मुकाबला इतिहास में दर्ज हो गया। यह मैच 4 घंटे 22 मिनट तक चला और बिना किसी रुकावट, बारिश या सुपर ओवर के आईपीएल का सबसे लंबा मुकाबला बन गया। इस हाई-स्कोरिंग मुकाबले में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 240/4 का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में मुंबई की टीम 222/5 रन ही बना सकी और 18 रन से मैच हार गई। परिणामः आरसीबी ने 18 रन से जीत दर्ज की।

बिना रुकावट सबसे लंबा मैच - यह मुकाबला आईपीएल इतिहास में बिना किसी इंटरप्शन के सबसे लंबा मैच रहा। हालांकि कुल समय के हिसाब से यह चौथा सबसे लंबा मैच है। इससे पहले 2020 में मुंबई -पीबीकेएस का मैच 5 घंटे 4 मिनट तक चला था, जिसमें डबल सुपर ओवर हुआ था।

पहले भी लंबे मैच हो चुके हैं - आईपीएल 2023 में देल्ही कैपीटल्स और कोलकता राइडर का मैच 4 घंटे 50 मिनट तक चला था। वहीं रायल चैलेंजर बेंगलुरु और गुजरात टाइट्स मैच 4 घंटे 38 मिनट तक चला, लेकिन ये मुकाबले बारिश के कारण देर से शुरू हुए थे।

रोहित शर्मा की शानदार फॉर्म - मुंबई के लिए रोहित शर्मा ने इस सीजन में अच्छी बल्लेबाजी की है। चार मैचों में उन्होंने 137 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 165 से ज्यादा रहा है। वह ऑरेंज कैप की रेस में भी बने हुए हैं।

अगला मुकाबला - अब हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली मुंबई टीम का अगला मुकाबला पंजाब किंग्स से 16 अप्रैल को वानखेड़े में होगा। लगातार हार के बाद मुंबई के लिए यह मैच बेहद अहम रहने वाला है।

गर्मी बढ़ रही है, ऐसे में टमाटर क्यों सस्ता हो रहा है

नई दिल्ली , एजेंसी। गर्मी का मौसम जब आता है तो मौसमी सब्जियां सस्ती होने लगती है। लेकिन सर्दी के मौसम में फलने वाला टमाटर महंगा होने लगता है। लेकिन इस साल उल्टा हो रहा है। अप्रैल की गर्मी शुरू हो गई है लेकिन दिल्ली एनसीआर में टमाटर का औसत खुदरा भाव 20 रुपये किलो है। टमाटर के दाम में आई अप्रत्याशित कमी की वजह से आपको भले ही फायदा हो, लेकिन इसके किसानों को खूब घाटा हो रहा है।

दिल्ली एनसीआर में इस समय टमाटर की खेती नहीं के बराबर होती है। गर्मियों में टमाटर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और दक्षिण के कुछ राज्यों से आता है। आंध्र प्रदेश का मदनपल्ली क्षेत्र इसकी खेती के लिए कुछ ज्यादा ही विख्यात है। न्यू इंडियन एक्सप्रेस की एक खबर के मुताबिक इस साल वहां 35 से 55 हजार एकड़ क्षेत्र में टमाटर की खेती की गई है। लेकिन बाजार में टमाटर के भाव लुढक गए हैं। इसके पीछे ईरान-इजरायल का युद्ध है। ये किसान निर्यात बाजार को ध्यान में रख कर खेती करते हैं। लेकिन इस समय दुबई, कतर, सउदी अरब आदि ऐसे इलाकों में यह निर्यात हो नहीं पा रहा है।

टमाटर का निर्यात न के बराबर-

टमाटर के कारोबार से जुड़े कारोबारी बताते हैं कि इस समय आंध्र प्रदेश के तिरुपति और चित्तूर शहरों में 100 रुपये में 7 किलो बढ़िया टमाटर मिल रहा है। दरअसल, इस इलाके के किसान का टामटर अभी निर्यात हो नहीं पा रहा है। युद्ध की वजह से मालवाही जहाजों की आवाजाही लगभग ठप है। कुछ जरूरी सामानों की ढुलाई हो रही है, लेकिन शिपिंग इंडस्ट्री में माल भाड़ा महंगा हो गया है। साथ ही इंश्योरेंस का प्रीमियम भी बढ़ गया है। इस वजह से निर्यात

के लिए उगाया गया टमाटर अब घरेलू बाजार में ही भेजना पड़ रहा है। इसलिए भाव में भारी गिरावट हो गई है।

अनुभव चौरसिया ने अपने पत्रकारिता करिअर की शुरुआत हिमाचल प्रदेश के अखबार दिव्य हिमाचल (1999-2000) से की। वहां करीब एक साल तक काम करने के बाद वह राजस्थान पत्रिका (2000-2001) के दिल्ली स्थित नेशनल ब्यूरो से जुड़ गए। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय संवाद समित यूनीवार्ता (2001-08) के दिल्ली कार्यालय में ज्वॉइन किया। इसके बाद वह दैनिक भास्कर (2008-14) के दिल्ली स्थित नेशनल ब्यूरो से जुड़े। वहां उन्हें इस समूह के पिंक अखबार बिजनेस भास्कर के नेशनल ब्यूरो में काम करने का मौका मिला। इसके बाद उन्होंने अमर उजाला (2014-2020) के दिल्ली स्थित नेशनल ब्यूरो का दामन थाम लिया। विभिन्न संस्थानों में काम करने के दौरान उन्होंने लगभग सभी आर्थिक मंत्रालयों की रिपोर्टिंग की।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा और रिलायंस जियो की साझेदारी

मुंबई । बैंक ऑफ़ बड़ौदा एवं रिलायंस जियो ने आज बॉब वर्ल्ड लाइट मोबाइल बैंकिंग ऐप के शुभारंभ हेतु साझेदारी की घोषणा की। यह जियोफोन प्राइमा 4जी डिवाइस पर फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया पहला व्यापक मोबाइल बैंकिंग ऐप है। भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समावेशन को प्रोत्साहित करने और फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिए डिजिटल भुगतान को सुलभ बनाने के विज़न के अनुरूप, यह उद्योग में नवोन्मेषी पहल है, जो देशभर में लाखों उपयोगकर्ताओं को बाधारहित एवं व्यापक डिजिटल बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराएगी। सुविधाजनक स्व-पंजीकरण प्रक्रिया के माध्यम से उपलब्ध होगी।

● जल्द दूर होंगी पॉलिसी होल्डर्स की परेशानियां

हेल्थ इंश्योरेंस में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने हेल्थ इंश्योरेंस के क्षेत्र में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत बीमा नियामक इरडा ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है, जो हेल्थ इंश्योरेंस के पूरे ढांचे की गहराई से जांच करेगी और ऐसे सुझाव देगी, जिससे सिस्टम ज्यादा सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बन सके। इसका मकसद बीमा लेने वाले लोगों की परेशानियों को कम करना और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इसकी पहुंच बनाना है। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में पिछले कुछ वर्षों में हेल्थ इंश्योरेंस लेने वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही समस्याएं भी बढ़ी हैं। लोग लगातार बढ़ते प्रीमियम, अस्पतालों की मनमानी बिलिंग, क्लेम में देरी और पॉलिसी की जटिल शर्तों से परेशान हैं।

कम हुआ आम लोगों का भरोसा

कई बार बीमा होने के बावजूद मरीज को बड़ी रकम अपनी जेब से खर्च करनी पड़ती है। यही वजह है कि आम लोगों का भरोसा इंश्योरेंस सिस्टम पर कुछ हद तक कम हुआ है। इन समस्याओं को देखते हुए बीमा ढांचे में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अस्पतालों की मनमानी बिलिंग सबसे बड़ी समस्या अस्पतालों की मनमानी बिलिंग सबसे बड़ी समस्या है। एक ही बीमारी के इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में अलग-अलग खर्च लिया जाता है। इस गड़बड़ी को दूर करने के लिए अस्पतालों की फीस और टैरिफ सिस्टम की समीक्षा की जाएगी, ताकि इलाज की कीमतों में पारदर्शिता लाई जा सके।

क्या करेगी समिति

हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़े हर पहलू की समीक्षा करेगी। समिति यह भी देखेगी कि हेल्थ इंश्योरेंस कितने लोगों तक पहुंच रहा है, दावा निपटान की प्रक्रिया कैसी है, नए बीमा प्लान कैसे बनाए जाएं, लोगों की शिकायतों का समाधान कैसे तेज किया जाए। इसके अलावा फर्जी दावे, गलत बिलिंग और प्रशासनिक कमियों को दूर करने के उपाय भी सुझाएगी। इसके लिए बीमा कंपनियों और अस्पतालों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की कोशिश होगी। समिति यह भी देखेगी कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और निजी बीमा के बीच बेहतर तालमेल कैसे बनाया जाए। इससे लोगों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे और बीमा का फायदा ज्यादा लोगों तक पहुंच सकेगा। साथ ही पॉलिसी को एक कंपनी से दूसरी कंपनी में ले जाना भी आसान हो सकता है।

श्रीलंका में भारत का बड़ा दांव

शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वहां बड़ी खरीदारी की है

● खरीद ली सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी, देखते रह गया चीन

नई दिल्ली , एजेंसी। श्रीलंका में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए भारत ने एक बड़ा दांव खेला है। नौसेना के लिए युद्धपोत और पनडुब्बी बनाने वाली कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वहां बड़ी खरीदारी की है। कंपनी ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदी है। रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने पहली बार किसी विदेशी कंपनी में हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी ने यह हिस्सेदारी 249.5 करोड़ रुपये में खरीदी है। इससे भारत सरकार के मैरिटाइम अमृत काल विजन 2047 के लिए अहम मील का पत्थर माना जा रहा है। इस डील के पूरा होने के बाद कोलंबो डॉकयार्ड के बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। इसमें एमडीएल की नॉमिनी शामिल किए गए हैं। एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर कैप्टन (रिटायर्ड) जगमोहन को कोलंबो डॉकयार्ड का नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाया गया है। उनकी नियुक्ति 7 अप्रैल, 2026 से

प्रभावी मानी जाएगी। एमडीएल के अन्य नॉमिनीज में बीजू जॉर्ज, डायरेक्टर (शिपबिल्डिंग) और रुचिर अग्रवाल, डायरेक्टर (फाइनेंस) शामिल हैं।

तिमिरा एस गोदाकुंबुरा कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी के एमडी और सीईओ बने रहेंगे ताकि ऑपरेशन में निरंतरता बनी रहे। सनशाइन होल्डिंग्स पीएलसी के डिप्टी चेयरमैन विश गोविंदसामी को एमडीएल के नॉमिनी डायरेक्टर के तौर पर बोर्ड में शामिल किया गया है। एमडीएल भारत के बाहर अपना विस्तार करना चाहती है और यह अधिग्रहण इसी पहल का हिस्सा है। भारत ग्लोबल शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर इकोसिस्टम में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। इसमें कोलंबो डॉकयार्ड अहम भूमिका निभा सकता है। इसकी स्ट्रैजिक लोकेशन और स्थापित क्षमताओं का एमडीएल को फायदा मिलेगा।यह अधिग्रहण भारत के लिए सामरिक रूप से बहुत अहम है। इसकी वजह यह है कि चीन श्रीलंका में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। चीन ने हंबनतोता पोर्ट को 99 साल की लीज पर ले रखा है और साथ ही उसके नेवल शिप लगातार कोलंबो में लंगर डाल रहे हैं। इसने भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। भारत के समुद्री क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति को काउंडर करने के लिए इस अधिग्रहण को अहम माना जा रहा है।

भारत ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी खरीदी हिस्सेदारी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने कोलंबो डॉकयार्ड में खरीदा 51 प्रतिशत स्टेक चीन के बढ़ते दबदबे को काउंटर करने के लिए इसे अहम माना जा रहा है भारत समुद्री ताकत के मामले में दुनिया में अभी 6वें नंबर पर है

भारत दुनिया में समुद्री ताकत के मामले में अभी 16वें नंबर पर है। भारत का लक्ष्य 2030 तक शिपबिल्डिंग के मामले में दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल होना है और 2047 तक टॉप 5 में आना है। शिपिंग में अपनी धाक जमाने के लिए भारत सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं।

2026 में चमकेगा भारत! बनेगा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर मार्केट

एनएसईएफआई ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अब ग्रीन एनर्जी की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में यह दुनिया के सबसे बड़े सोलर एनर्जी मार्केट में शामिल हो सकता है। नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, देश ने हाल के महीनों में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में रिकॉर्डतोड़ प्रगति की है। सिर्फ 14 महीनों में करीब 50 गीगावाट नई क्षमता जोड़कर भारत ने कुल सौर क्षमता को 150 गीगावाट तक पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि शुरुआती 50 गीगावाट तक पहुंचने में जहां 11 साल लगे थे, वहीं अब उतनी ही क्षमता बेहद कम समय में जोड़ ली गई है। इस तेज रफ्तार के पीछे सरकार की कई बड़ी योजनाएं और नीतियां हैं, जो सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही हैं। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन जैसी पहलें इस ग्रोथ को मजबूती दे रही हैं। इन योजनाओं की वजह से न केवल बड़े प्रोजेक्ट्स बल्कि घरों और छोटे व्यवसायों में भी सोलर एनर्जी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। भारत 2030 तक 500 गीगावाट नॉन-फॉजिल एनर्जी क्षमता हासिल करने के लक्ष्य पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 280-300 गीगावाट तक हो सकती है। मौजूदा रफ्तार को देखें तो भारत हर साल लगभग 50 गीगावाट नई सौर क्षमता जोड़ रहा है, जो इसे 2026 तक दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौर बाजार बना सकता है। खास बात यह है कि जहां अमेरिका और यूरोप में सोलर एनर्जी की ग्रोथ धीमी पड़ रही है, वहीं भारत लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आने वाले सालों में कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल सेक्टर और डिस्ट्रीब्यूटेड रिनवेबल एनर्जी इस ग्रोथ के सबसे बड़े इंजन बन सकते हैं। कंपनियां अब बिजली के लिए सौर ऊर्जा की ओर तेजी से रुख कर रही हैं, जिससे लागत कम हो रही है और पर्यावरण को भी फायदा मिल रहा है। साथ ही सरकार की स्कीम और मेक इन इंडिया जैसी नीतियों ने सोलर मैन्युफैक्चरिंग को भी मजबूत किया है, जिससे भारत आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राधाकिशन दमानी, डॉली खन्ना, मुकुल अग्रवाल ने मार्च तिमाही में नई कंपनियों में लगाया पैसा

मुंबई, एजेंसी। मार्च क्वार्टर में घरेलू शेयर बाजारों की स्थिति अच्छी नहीं थी। इस दौरान निफ्टी में 10 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। एक तरफ जहां छोटे निवेशक इस पीरियड में परेशान दिखे तो वहीं दिग्गज निवेशकों ने कई कंपनियों में पैसा लगाया। राधाकिशन दामानी से लेकर मुकुल अग्रवाल तक शेयर बाजार के चर्चित सुपरस्टार्स ने मार्च तिमाही में अनेकों कंपनियों में इनवेस्टमेंट किया है। आइए जानते हैं कि वो कंपनियां कौन सी हैं दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी ने दांव लगाया है। यह स्टॉक इस साल 12 प्रतिशत तक लुढ़क चुका है। वहीं, बीते एक साल में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। मार्च तिमाही के दौरान मुकुल अग्रवाल का फोकस एनर्जी सेक्टर की कंपनियों पर टिका रहा। उन्होंने टू कलर में 1.62 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। यह कंपनी डिजिटल टेक्साटाइल प्रीटिंग सेगमेंट में काम करती करती है। मौजूदा समय में यह स्टॉक अपने इश्यू प्राइस से भी नीचे आकर ट्रेड कर रहा है। बता दें, आज सोमवार को टू कलर के शेयरों में बड़ी तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर बीएसई में 179 रुपये के स्तर पर खुले थे। लेकिन कुछ देर के बाद यह 9 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 188.75 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। कई कंपनियों में आशीष कचोलिया ने मार्च तिमाही में निवेश किया है। टेकएरा इंजीनियरिंग, एसजी फिनसर्व, एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज और आशीष कचोलिया ने इनवेस्टमेंट किया है। आज सोमवार को शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। मधुसूदन केल ने नया निवेश किया है। उन्होंने अपने पोर्टफोलियो में इन दिग्गज कंपनियों को मार्च तिमाही के दौरान जोड़ा है।

सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-अमेरिका युद्ध के बढ़ते तनाव और पाकिस्तान में हुई बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकलने से आज सुबह के कारोबार में सोने और चांदी की कीमतों पर बिकवाली का दबाव देखने को मिला। एमसीएक्स पर सोने का भाव आज 1,51,547 रुपये प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर खुला और कुछ

ही मिनटों में 1,51,457 रुपये प्रति 10 ग्राम के को छू गया। जबकि, एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 2.5 प्रतिशत गिरकर 2,37,190 रुपये प्रति किलोग्राम पर आग गई। वहीं इंटरनेशनल मार्केट में सोना 4,723.55 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। चांदी भी यहां दो प्रतिशत टूटकर 74.36 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। यूनियन बैंक प्रिवी के एशिया में प्रमुख परास गुप्ता का कहना है कि वीकेंड की घटनाओं ने नाजुक सीजफायर को खतरे में डाल दिया है।

क्यों गिरे सोने-चांदी के भाव

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को लेकर महंगाई की चिंताओं ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, इस्लामाबाद में हुई बातचीत के बेनतीजा रहने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई। इसमें ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हो सका, जिससे मध्य पूर्व में छह सप्ताह से चल रहे युद्ध को रोकने की उम्मीदों को झटका लगा है।

माइक्रोवेव में पिघला बर्तन, पति-पत्नी को आया आइडिया, खड़ा कर दिया करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली एजेंसी। मधुमिता उदय कुमार और जगदीश कुमार चेन्नई से हैं। पति-पत्नी की इस जोड़ी ने एक सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। उनके स्टार्टअप का नाम 'द इंडस वैली' है। इसकी नींव दोनों ने साल 2016 में डाली थी। इसका आइडिया उन्हें एक निजी हादसे के बाद आया था। तब माइक्रोवेव में एक प्लास्टिक का बर्तन पिघल गया था। इसने उन्हें हेल्दी कुकवेयर के बारे में सोचने के लिए मजबूर किया। इसका मकसद भारतीय रसोई को रसायनों से मुक्त करने के साथ खाना पकाने के पारंपरिक तरीकों को आधुनिक रूप में वापस लाना है। आज यह ब्रांड रसायनों से मुक्त कुकवेयर का विकल्प दे रहा है। कुछ ही सालों में इस बिजनेस का वैल्यूएशन करोड़ों में पहुंच गया है। आइए, यहां मधुमिता और जगदीश की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मधुमिता

उदय कुमार और जगदीश कुमार चेन्नई के रहने वाले हैं। साल 2016 में उन्होंने अपने स्टार्टअप 'द इंडस वैली' की शुरुआत की थी। इसका विचार एक घरेलू दुर्घटना के बाद आया, जब माइक्रोवेव में प्लास्टिक का बर्तन पिघल गया। मधुमिता ने महसूस किया कि हम रेसिपी और सामग्री पर तो ध्यान देते हैं। लेकिन, जिस बर्तन में खाना बन रहा है, उसकी सेहत को नजरअंदाज करते हैं। बाजार में भरोसेमंद और पारंपरिक विकल्पों (जैसे मिट्टी, लोहा, पीतल के बर्तनों) की कमी को देखकर मियां-बीवी ने इस कमी को पूरा करने का फैसला किया। व्यावसायिक मोर्चे पर कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी का रेवेन्यू 61 प्रतिशत बढ़कर 117 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 72.5 करोड़ रुपये था। मुख्य रूप से कुकवेयर उत्पादों की बिक्री से 114.5 करोड़ रुपये की कमाई हुई। हालांकि, विज्ञापन और परिचालन खर्चों में बढ़ोतरी हुई। लेकिन, कंपनी ने अपनी वित्तीय दक्षता में सुधार किया है। कपल ने दिसंबर 2024 में 23 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाई थी। इसके कंपनी का वैल्यूएशन अब बढ़कर 303 करोड़ रुपये हो गया है। आने वाले 5 सालों में जगदीश और मधुमिता का टारगेट कंपनी को 'चैनल-एग्नोस्टिक' बनाना है। स्टोर्स के जरिए भी हर घर तक अपनी पहुंच बनाने पर है। 'नौकरी वाली मानसिकता' से निकलकर 'उद्यमी मानसिकता' में आना उनके लिए एक बड़ी चुनौती और सीखने वाला अनुभव था।

इंजीनियरिंग का बैकग्राउंड आया काम

जगदीश और मधुमिता आईटी इंजीनियर होने के साथ ही एमबीए हैं। अपना खुद का ब्रांड शुरू करने से पहले मधुमिता ने डेलॉयट जैसी प्रतिष्ठित फर्म में ऑपरेशंस और एचआर क्षेत्र में काम किया। वहीं, जगदीश सेल्स और मार्केटिंग में थे। संस्थापकों ने इसी बैकग्राउंड का इस्तेमाल करके अपने ब्रांड को एक भरोसेमंद नाम बनाया। उन्होंने 200 से अधिक केमिकल फ्री प्रोडक्ट पेश किए। ग्राहकों को इनके इस्तेमाल और रख-रखाव के प्रति जागरूक भी किया। ब्रांड का नाम सिंधु घाटी सभ्यता से प्रेरित है, जो मेटल साइंस और कृषि में अपनी उन्नति के लिए जानी जाती थी।

संक्षिप्त समाचार

परिवार के सामने युवक को पीटा, गले से सोने की चेन लूटी

पुलिस ने लूट को बना दिया 'चेन गिरने' का मामला

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में बदमाशों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब परिवार के साथ घर लौट रहे लोगों को भी सरेराह निशाना बनाया जा रहा है। कोतवाली थाना क्षेत्र के शिव नगर में कार सवार युवक को बाइक सवार तीन बदमाशों ने बीच सड़क रोककर पहले जमकर पीटा, फिर उसके गले से सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित द्वारा लूट की शिकायत करने के बावजूद पुलिस ने मामले को हल्का करते हुए मारपीट के दौरान चेन गिरने की रिपोर्ट दर्ज कर ली।
जानकारी के अनुसार शिव नगर निवासी शुभम अग्रवाल 11 अप्रैल को अपनी कार क्रमांक एमपी 20 सीई 3310 से पत्नी और मासूम बच्ची के साथ त्रिमूर्ति नगर से घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में बाइक सवार तीन युवक उनकी कार का पीछा करने लगे और वाहन ठीक से चलाने की बात कहकर विवाद शुरू कर दिया। पीड़ित ने बताया कि घर के नजदीक पहुंचते ही बदमाशों ने अचानक बाइक कार के सामने अड़ा दी, जिससे कार उनकी बाइक से टकरा गई। जैसे ही शुभम कार से नीचे उतरे, एक बदमाश ने उनका कॉलर पकड़ लिया और गले से सोने की चेन झपट ली। इसके बाद तीनों ने मिलकर शुभम पर हमला बोल दिया और बेरहमी से मारपीट कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। घटना के दौरान चीख-पुकार सुनकर शुभम के पिता और आसपास के लोग बाहर निकलकर मौके पर पहुंचे, जिन्हें आता देख आरोपी बाइक समेत मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में शुभम कोतवाली थाने पहुंचे, जहां उनका मेडिकल कराया गया और देर रात एफआईआर दर्ज की गई। पीड़ित ने आरोपियों की बाइक का नंबर भी पुलिस को सौंपा है, बावजूद इसके पुलिस ने चेन लूट की घटना को गंभीरता से लेने के बजाय रिपोर्ट में चेन गिरने का उल्लेख कर दिया।

आधी रात के बाद भी धड़ल्ले से बिक रही शराब, 'ब्लैक' का खेल उजागर

जबलपुर। जबलपुर में देर रात अवैध शराब बिक्री का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। शहर के धनवंतरी नगर और गढ़ा क्षेत्रों से वायरल हुए वीडियो में दिख रहा है कि निर्धारित समय के बाद भी शराब की दुकानों से चोरी-छिपे बिक्री जारी है। इस घटनाक्रम ने पुलिस और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि दुकानों के आधिकारिक रूप से बंद होने के बाद भी साइड में बनी छोटी खिड़की के जरिए रात 12 बजे से लेकर 1 बजे तक शराब बेची जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह सब संबंधित विभागों की जानकारी में हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही।
रविवार देर रात सामने आए एक वीडियो में एक युवक करीब साढ़े 12 बजे बीयर खरीदते दिखा। उसने दो बीयर के पैसे दिए, लेकिन उसे केवल एक ही बीयर दी गई। जब उसने पैसे वापस मांगे, तो खिड़की बंद कर दी गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि दुकानें बंद होने के बाद भी शटर के नीचे या बगल की खिड़की से 24 घंटे शराब उपलब्ध कराई जाती है। खास बात यह है कि रात के समय शराब एमआरपी से ज्यादा कीमत पर बेची जाती है।
रहवासियों का आरोप है कि नए ठेके मिलने के बाद ठेकेदार ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। उनका यह भी कहना है कि पुलिस और आबकारी विभाग की कथित मिलीभगत के कारण यह अवैध कारोबार बिना किसी डर के जारी है। धनवंतरी नगर और गढ़ा सहित कई इलाकों में देर रात शराब बिक्री से झगड़े और असामाजिक गतिविधियां बढ़ने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।

जो पदभार ग्रहण करने वाले थे, उन्हें अब नाम गायब होने का डर!

प्राधिकरण और निगम में नियुक्तियां टलीं, दिल्ली से भोपाल तक मची खलबली, संगठन की नई गाइडलाइन ने बिगाड़ा खेल

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष और नगर निगम में एल्डरमैन बनने की प्रतीक्षा कर रहे भाजपा नेताओं के अरमानों पर फिलहाल पानी फिर गया है। प्रदेश संगठन ने अचानक इन नियुक्तियों की प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री और संगठन के शीर्ष नेताओं के बीच हुई मैराथन बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है कि फिलहाल कोई भी नई राजनीतिक नियुक्ति नहीं की जाएगी। इस आदेश के बाद उन नेताओं की नींद उड़ गई है जो अपनी सेटिंग के भरोसे पद पाने की उम्मीद लगाए बैठे थे। अब उन्हें डर सता रहा है कि बदली हुई परिस्थितियों में कहीं उनके नाम की जगह किसी नए चेहरे की एंट्री न हो जाए। जबलपुर में ऐसे कई नेता हैं, जो पदभार ग्रहण करने की तैयारी भी कर चुके थे,लेकिन फिलहाल उन्हें मायूसी घेरे हुए हैं।

ऐसी है संगठन की नई रणनीति

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बीच हुई उच्च स्तरीय मंत्रणा के बाद प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने नियुक्तियों को होल्ड करने का निर्णय लिया। दरअसल, संगठन अब एक नई गाइडलाइन पर काम कर रहा है। इसके तहत सबसे पहले जनभागीदारी समितियों में नियुक्तियां की जाएंगी। पार्टी का स्पष्ट मानना है कि जमीन स्तर पर संगठन को मजबूती देने के लिए कार्यकर्ताओं को इन समितियों के माध्यम से सक्रिय करना जरूरी है। जनभागीदारी समितियों के गठन के बाद ही निगम-मंडलों और प्राधिकरणों में चेयरमैन व अन्य पदों पर नियुक्तियों का रास्ता साफ होगा।

चुनावी परिणामों के इंतजार में थमी प्रक्रिया

नियुक्तियों पर लगे इस ब्रेक के पीछे एक बड़ा कारण 5 राज्यों में होने वाले आगामी चुनावों को माना जा रहा है। पार्टी आलाकमान किसी भी प्रकार की जल्दबाजी में नहीं है और चुनाव परिणामों के बाद बनने वाले राजनीतिक समीकरणों का बारीकी से आकलन करना चाहता है। बताया जा रहा है कि लगभग एक दर्जन निगम-मंडलों के लिए नामों की सूची करीब-करीब तैयार थी। इस सूची पर मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बीच भी सहमति बन चुकी थी, लेकिन अंतिम समय में संगठन ने पूरी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए इसे रोकने का फैसला लिया।

भोपाल से दिल्ली तक दावेदारों की दौड़

नियुक्ति प्रक्रिया रुकने की खबर फैलते ही दावेदारों में खलबली मच गई है। जिन नेताओं को लग रहा था कि उनका नाम लिस्ट में सबसे ऊपर है, वे अब शंकाओं से घिरे हुए हैं। उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और जोड़-तोड़ के विफल होने का डर सता रहा है। अपनी दावेदारी सुरक्षित करने के लिए कई नेता भोपाल और दिल्ली के चक्कर काट रहे हैं और बड़े नेताओं से संपर्क साध रहे हैं। हालांकि, आलाकमान की ओर से उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है। कशमकश इस बात को लेकर भी है कि यदि नई गाइडलाइन के तहत नए

राजनीतिक गलियारों में कयासों का दौर

वर्तमान में जेडीए चेयरमैन और नगर निगम के मनोनीत पार्षद बनने का सपना देख रहे कार्यकर्ताओं के बीच केवल इसी विषय पर चर्चा हो रही है। राजनीति में कुछ भी स्थाई नहीं होता, और इसी अनिश्चितता ने नेताओं की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल करीब 12 निगम-मंडलों में नियुक्तियां रुकी हुई हैं। अब यह स्पष्ट है कि चुनाव के नतीजे आने के बाद ही इस प्रक्रिया को दोबारा गति मिलेगी। तब तक इन पदों के लिए चल रही खींचतान और लॉबिंग थमने वाली नहीं है। शहर के राजनीतिक हलकों में अब बस इसी बात का इंतजार है कि अगली सूची में किन चेहरों को जगह मिलती है और किनका नाम काट दिया जाता है।

पैसा देने से पहले 75 बाबुओं से भरवाया गया शपथ पत्र, भविष्य में राशि लौटाने की चेतावनी

मेडिकल कॉलेज में आयुष्मान घोटाले का सनसनीखेज खुलासा

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना के तहत सामने आए कथित घोटाले में अब एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, जिसने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। इस बार एक ऐसा दस्तावेज सामने आया है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि मेडिकल कॉलेज प्रशासन को पहले से ही योजना में हुई वित्तीय गड़बड़ियों की जानकारी थी और उसी के चलते संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बचाव के तौर पर शपथ पत्र भरवाए गए थे।

आयुष्मान कार्यालय
नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर
//सूचना//

2023 का पत्र बना सबसे बड़ा सबूत

जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 का एक आधिकारिक पत्र सामने आया है, जिसमें तत्कालीन डीन द्वारा मेडिकल कॉलेज के 75 अधिकारियों, कर्मचारियों और बाबुओं से शपथ पत्र भरने के निर्देश जारी किए गए थे। बताया जा रहा है कि ये वही लोग थे, जिन्हें आयुष्मान योजना के तहत कथित रूप से नियमों के विरुद्ध राशि का भुगतान किया गया था। इस पत्र के सामने आने के बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन की कार्यप्रणाली और उस समय पदस्थ जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

शपथ पत्र में लिखी गई राशि वापसी की शर्त

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शपथ पत्र के प्रारूप में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया गया था कि यदि भविष्य में इस भुगतान को लेकर किसी प्रकार का न्यायालयीन विवाद उत्पन्न होता है या किसी अन्य कारण से आपत्ति सामने आती है, तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी को प्राप्त की गई राशि वापस करनी पड़ सकती है। इसके साथ ही सभी लाभार्थियों को निर्देश दिए गए थे कि वे शपथ पत्र भरकर मेडिकल कॉलेज कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा करें।

पहले से थी गड़बड़ी की जानकारी?

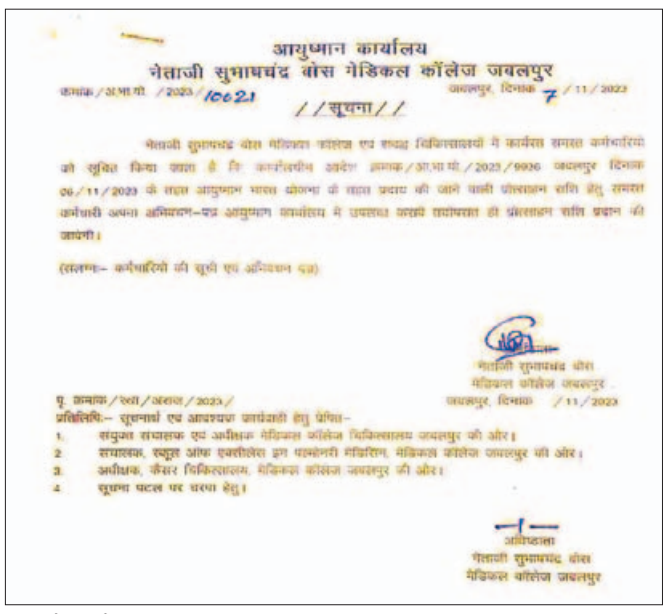

इस पूरे घटनाक्रम ने कई अहम सवालों को जन्म दे दिया है। यदि मेडिकल कॉलेज प्रशासन को पहले से यह आशंका थी कि भुगतान की गई राशि नियमों के विरुद्ध है और भविष्य में उसे वापस लेना पड़ सकता है, तो फिर उस राशि का वितरण आखिर किस आधार पर किया गया? इतना ही नहीं, यदि गड़बड़ी की जानकारी थी, तो उस समय जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

बचाव के लिए अपनाया गया 'सेफ्टी प्लान'?

सूत्रों का कहना है कि शपथ पत्र भरवाने का यह कदम प्रशासन द्वारा स्वयं को भविष्य की कार्रवाई से बचाने के उद्देश्य से उठाया गया हो सकता है। जानकारों का मानना है कि यदि किसी योजना के भुगतान में पारदर्शिता और नियमों का पालन हुआ होता, तो इस प्रकार शपथ पत्र लेने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। यही कारण है कि अब इस पूरे मामले को मेडिकल कॉलेज में हुए एक बड़े वित्तीय घोटाले के रूप में देखा जा रहा है।

कितनों ने जमा किए शपथ पत्र, अब भी रहस्य

हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि जिन 75 अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ पत्र भरने के लिए कहा गया था, उनमें से कितनों ने वास्तव में दस्तावेज जमा किए थे। लेकिन इस पत्र के सार्वजनिक होने के बाद यह बात लगभग तय मानी जा रही है कि आयुष्मान योजना के नाम पर मेडिकल कॉलेज में भारी वित्तीय अनियमितता की गई थी।

जांच की मांग तेज, कई बड़े नाम आ सकते हैं सामने

मामले के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग और मेडिकल शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर अब इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि यदि योजना के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए और पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जानी चाहिए।

एक हजार रुपए में बेच देता था 20 हजार का मोबाइल फोन, GRP के हत्थे चढ़ा शातिर चोर

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने विशेष अभियान चलाते हुए एक शातिर चोर नाथूराम बर्मन को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से विभिन्न कंपनियों के 6 मोबाइल फोन बरामद किए है। शातिर चोर नाथूराम 20 हजार रुपए का मोबाइल फोन एक हजार रुपए में बेच देता था। पुलिस अब आरोपी से चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

इस संबंध में जीआरपी थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत ने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध युवक को पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम नाथूराम बर्मन उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम शीतलपुर शहपुरा भिटोनी बताया है।

तलाशी लेने पर उसके पास से महंगे मोबाइल फोन बरामद हुए। आरोपी को पुलिस ने उस वक्त पकड़ा है जब वह मोबाइल फोन बेचने की फिराक में इधर से उधर घूम रहा था। जिसकी तलाशी लेने पर मोबाइल फोन बरामद किए गए, पूछताछ में वह इन फोनों से संबंधित कोई बिल या वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

इसके बाद पुलिस ने सभी मोबाइल जब्त कर आरोपी नाथूराम बर्मन के खिलाफ धारा 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी नाथूराम बर्मन थाना निगरानी बदमाश है और उसके खिलाफ चोरी तथा अन्य मामलों के करीब 18 प्रकरण पहले से ही दर्ज हैं। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह 20 से 30 हजार रुपए के मोबाइल फोन को 1 से 2 हजार रुपए में बेच देता था। वह अब तक एक दर्जन से अधिक फोन विभिन्न गांवों और स्टेशन के यात्रियों को बेच चुका है।

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सालय — डेयरी साइंस कालेज को छीनकर उज्जैन में स्थापित किये जाने का निर्णय लिया गया

वेटनरी विश्वविद्यालय के विखंडन की तैयारी, डेयरी साइंस कालेज के बाद अब केवीके भी छिना

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जबलपुर. संस्कारधानी जबलपुर को एक बार फिर राजधानी भोपाल स्तर पर छीनने की तैयारी कर ली गई है. नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के अंतर्गत जबलपुर से पूर्व में जहां डेयरी साइंस कालेज को छीनकर उज्जैन में स्थापित किये जाने का निर्णय लिया गया, अब यहां से कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) को भोपाल में स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। यह आरोप नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के प्रमुख डा. पीजी नाजपांडे ने लगाये हैं.

श्री नाजपांडे ने कहा कि वेटरनरी युनिवर्सिटी के अंतर्गत विदिशा में स्थापित होने वाले केवीके (कृषि विज्ञान केंद) को उससे छीनकर भोपाल में आईसीएआर की संस्था को प्रदान किया गया है। पिछले 6 वर्ष पूर्व में इस युनिवर्सिटी में ग्राम इमलिया में डेयरी साइंस कालेज खोलने हेतु भूमि तथा बजट आवंटित किया गया था, लेकिन अब उसे जबलपुर से छिनकर उज्जैन में स्थापित किया गया है। यह जबलपुर के वेटरनरी युनिवर्सिटी के साथ अन्याय है। इसका विरोध कर जनसंगठनों ने म.प्र. शासन के मुख्य सचिव को पत्र भेजकर उच्चस्तरीय जाँच की मांग की है। डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने बताया कि समूचे भारत में जबलपुर वेटरनरी युनिवर्सिटी ही एकमात्र विश्वविद्यालय है. जहाँ उसके पास एक भी केवीके नहीं है, जब की इस विश्वविद्यालय के स्थापना को अब 15 वर्ष बीत चुके हैं।

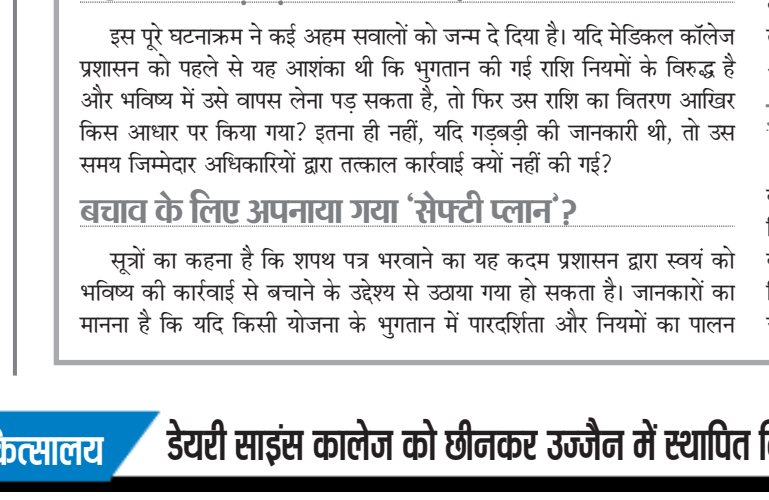

वेटरनरी युनिवर्सिटी के विखण्डन की आशंका

वेटरनरी यूनिवर्सिटी से संस्थायें छिनकर उन्हें उज्जैन तथा भोपाल में स्थापित करने से जबलपुर वेटरनरी युनिवर्सिटी के विखण्डन की आशंका निर्मित हो रही है। जनसंगठनों ने आंदोलन करने का निर्णय लेकर विरोध दर्शाने को तय किया है। बैठक में डॉ. पी.जी नाजपांडे, रजत भार्गव, टी. के. रायघटक, डी.के. सिंग, सुभाष चंद्रा, सुशिला कनौजिया, गीला पांडे, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, डी. आर. लखेरा, संतोष श्रीवास्तव, एड.जी.एस. सोनकर, पी.एस. राजपूत आदि उपस्थित थे।

बिजली चोरी पर 5 पर केस दर्ज, 8 बकायादारों के कनेक्शन काटे गए, मचा हड़कम्प

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

जबलपुर. बिजली चोरी और बकाया वसूली पर जबलपुर में विद्युत कंपनी ने सख्त कार्रवाई की है। पाटन संभाग के भिटौनी टाउन में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान 5 उपभोक्ताओं पर बिजली चोरी के मामले दर्ज किए गए और 8 बड़े बकायादारों के कनेक्शन काट दिए गए।

यह अभियान पाटन संभाग के कार्यपालन अभियंता के निर्देश पर सहायक और कनिष्ठ अभियंताओं की संयुक्त टीम ने चलाया। टीम ने घर-घर जाकर बिजली कनेक्शनों की जांच की, जिसमें 5 उपभोक्ता अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाए गए। इन सभी के खिलाफ मौके पर ही बिजली चोरी के प्रकरण दर्ज किए गए।

अभियान के तहत उन उपभोक्ताओं पर भी कार्रवाई की गई, जिन्होंने लंबे समय से बिजली बिल का भुगतान नहीं किया था। ऐसे 8 बड़े बकायादारों की बिजली आपूर्ति तत्काल प्रभाव से काट दी गई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बकाया राशि का भुगतान होने के बाद ही उनके कनेक्शन बहाल किए जाएंगे।

अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि बिजली चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्रवाई भविष्य में भी लगातार जारी रहेगी। वितरण केंद्र प्रभारी रंजन पाण्डेय ने जानकारी दी कि शहपुरा टाउन के सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन कर बिजली चोरी करने या बिल बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रकाशक एवं मुद्रक विशाखा अवस्थी द्वारा श्री हनुमत कृपा पब्लिकेशन से मुद्रित एवं ब्लॉक -7, हॉल ए-7 स्कीम-18, जेडीए ऑफिस के बाजू, सिविक सेंटर से प्रकाशित। RNI NO. MPHIN/25/A1541
सलाहकार संपादक अरविंद शीले, प्रबंध संपादक श्रवण मिश्रा, संपादक मदन मोहन अवस्थी* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार दूरभाष -9827007217, 9425856600, 0761-3515636, भोपाल कार्यालय- 9229122444, 0755-3167255